बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 118 मंगलवार 19 अगस्त 2024, गाजियाबाद RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

लेटरल एंट्री विवाद पर राहुल गांधी ने RSS पर बोला हमला

नई दिल्ली, पीटीआई। कांग्रेस ने लेटरल एंट्री के मुद्दे पर सोमवार को हमला तेज कर करते हुए भाजपा पर 'आरक्षण छीनने' का आरोप लगाया है। कांग्रेस ने कहा कि अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों, अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी) तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए निर्धारित पद अब आरएसएस के लोगों को मिलेंगे। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया, सरकारी कर्मचारियों की भर्ती के लिए लेटरल एंट्री दलितों, ओबीसी और आदिवासियों पर हमला है। उन्होंने भाजपा पर 'बहुजनों' से आरक्षण छीनने का आरोप लगाया ।कांग्रेस

अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने कुछ विशिष्ट पदों पर उनकी उपयोगिता के अनुसार विशेषज्ञों को नियुक्त करने के लिए लेटरल एंट्री की व्यवस्था की थी, लेकिन मोदी सरकार ने दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों के अधिकारों को छीनने के लिए इसका प्रविधान किया है। ये आरक्षण छीनकर संविधान को बदलने का भाजपाई चक्रव्यूह है। दरअसल संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने लेटरल एंट्री के माध्यम से 45 विशेषज्ञों की भर्ती का शनिवार को विज्ञापन निकाला है। इनके तहत विभिन्न केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति की जानी है। लेटरल एंट्री का मतलब निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों की सीधी भर्ती से है। इसके माध्यम से केंद्र सरकार के मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के पदों की भर्ती की जाती है। यह अवधारणा सबसे पहले कांग्रेस के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान पेश की गई थी ।राहुल गांधी ने सोमवार को उबर कैब में अपनी यात्रा का वीडियो पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, आमदनी कम और महंगाई से निकलता दम। ये है भारत के गिग वर्करों की व्यथा! सुनील उपाध्याय के साथ उबर यात्रा के दौरान चर्चा में और फिर उनके परिवार से मिल कर देश के कैब ड्राइवरों और डिलीवरी एजेंटों जैसे गिग वर्करों की समस्याओं का जायजा लिया। इनका गुजारा तंगी से चल रहा है। न कोई बचत और न ही परिवार के भविष्य का आधार। इनके समाधान के लिए कांग्रेस की राज्य सरकारें ठोंस नीतियां बना कर न्याय करेंगी। गिग वर्कर ऐसे कामगार को कहते हैं जो सेवा क्षेत्र में अस्थायी नौकरी करता है।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करे।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो. नं:-9911733939

BSF के पांच बोट संचालक नदी में बहकर पहुंचे बांग्लादेश

कोलकाता : बंगाल के मालदा जिले में भारत-बांग्लादेश जल सीमा क्षेत्र में भारत से तस्करी कर ले जाई जा रही गायों को बचाने के दौरान बीएसएफ द्वारा अनुबंधित किए दो इंजन फीटेड देशी बोट के पांच संचालक इंजन में अचानक खराबी के चलते उफनती गंगा नदी के तेज बहाव में बह कर अनजाने में बांग्लादेश की सीमा में चले गए। बीएसएफ अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि बार्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) ने पांचों बोट संचालकों को पकड़ लिया। यह घटना बल के दक्षिण बंगाल फ्रंटियर अंतर्गत 115वीं बटालियन की सीमा चौकी नीमतीता इलाके में रविवार रात में घटी। बताया गया कि बीएसएफ अधिकारियों द्वारा इन बोट संचालकों को वापस लौटाने का बार-बार आग्रह के बावजूद बीजीबी अधिकारियों ने अनसुना करते हुए बांग्लादेश के मौजूदा हालत व वहां मीडिया के दबाव का हवाला देते हुए उनको वापस लौटाने से साफ मना कर दिया है। यहां तक कि बीजीबी ने आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पांचों बोट संचालकों को बांग्लादेश पुलिस को सौंप दिया है ।दो इंजन फीटेड देशी बोट घटनास्थल पर पहुंची घटना के बारे में दक्षिण बंगाल फ्रंटियर, बीएसएफ के प्रवक्ता व डीआइजी एके आर्य ने बताया कि सीमा चौकी नीमतीता के जवानों ने दूसरी शिफ्ट की ड्यूटी के दौरान देखा कि गंगा नदी में एक संदिग्ध वस्तु बह रही है। जवान ने तुरंत रेडियो सेट के माध्यम से क्यूआरटी और बोट पार्टी को सूचित किया। इसके बाद, दो इंजन फीटेड देशी बोट, जिसमें पांच मांझी (संचालकों) की पार्टी शामिल थी, घटनास्थल पर पहुंची और देखा कि गंगा नदी में गायों को केले के तने के साथ बांध कर ले जाया जा रहा है। इन गायों को बचाने के दौरान उफनती नदी में बने भंवर से टकराकर एक बोट खराब हो गई और वह पानी के बहाव के साथ तेजी से बहने लगी। तब दूसरी बोट ने खराब बोट को बचाने की कोशिश की लेकिन गंगा नदी में बढ़े जलस्तर व तेजबहाव में दोनों बोट अनजाने में बांग्लादेश की सीमा में चली गई, जहां बीजीबी के जवानों ने उन्हें पकड़ लिया ।बीजीबी ने बीएसएफ की एक नहीं सुनी बीएसएफ डीआइजी के अनुसार, तत्काल इस घटना की सूचना बीजीबी अधिकारियों को फोन से दी गई और भारतीय बोट संचालकों को वापस करने की मांग की गई। साथ ही बीएसएफ अधिकारियों ने तुरंत बीजीबी अधिकारियों के साथ फ्लैग मीटिंग करके भी घटना से अवगत कराया कि पकड़े गए लोगों को बीएसएफ ने बोट संचालक के रूप में काम पर रखा था और गंगा नदी में मवेशियों को तस्करी से बचाते समय इंजन खराब हो जाने की वजह से ये लोग अनजाने में सीमा पार कर बांग्लादेश में प्रवेश कर गए। इस संबद्ध में इन व्यक्तियों का कोई गलत इरादा नहीं था तथा यह घटना ड्यूटी के दौरान हुई। अत: दोनों सीमा सुरक्षा बलों के बीच समन्वय और अच्छे संबंध बनाए रखने के लिए उन्हें वापस लौटा दिया जाए। लेकिन बीजीबी अधिकारियों ने बांग्लादेश की वर्तमान स्थिति का हवाला देते हुए बीएसएफ की एक नहीं सुनी और बोट संचालकों को वापस लौटने से मना करते हुए उन्हें स्थानीय पुलिस को सौंप दिया।

『सुविचार』

बुद्धिमान वही है जो अपनी
कमियों को किसी के
सामने उजागर न करें.
घर की गुप्त बातें, धन का
विनाश, दुष्टों द्वारा धोखा,
अपमान, मन का चिंता
इन बातों को अपने तक ही
सीमित रखना चाहिए.

संक्षिप्त

हरियाणा सरकार ने ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को दिया पुरस्कार

नई दिल्ली। पेरिस ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को हरियाणा सरकार ने पुरस्कार राशि दी है। मनु भाकर को हरियाणा सरकार ने पांच करोड़, नीरज चोपड़ा को चार करोड़ और कांस्य पदक विजेताओं को ढाई-ढाई करोड़ की धनराशि दी गई है। हरियाणा के 17 खिलाड़ी ऐसे भी थे, जिन्हें कोई पदक नहीं मिला है। हालांकि, सरकार ने इन खिलाड़ियों को भी 15 लाख रुपये दिए हैं। हरियाणा सरकार ने ओलंपिक में भाग लेने वाले राज्य के कुल 25 खिलाड़ियों के खाते में पैसे ट्रांसफर किए। इनमें से सबसे ज्यादा पैसे शूटिंग में दो कांस्य पदक जीतने वाली शूटर मनु भाकर को दिए। मनु भाकर के खाते में पांच करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। वहीं, पेरिस ओलंपिक में भारत के लिए एकमात्र सिल्वर मेडल जीतने वाले नीरज चोपड़ा के खाते में चार करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए हैं। विनेश को भी सिल्वर मेडल वाला सम्मान कुश्ती के फाइनल मुकाबले में 100 ग्राम ज्यादा वजन होने के कारण डिसक्वालीफाई होने वाली रेसलर विनेश फोगाट को भी चार करोड़ रुपये दिए गए हैं। शूटिंग में ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले सरबजोत सिंह को 2.50 करोड़ रुपये दिए गए। कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम का हिस्सा रहे खिलाड़ी अभिषेक नैन, सुमित कुमार और संजय सिंह को भी 2.50 करोड़ रुपए मिले हैं।17 खिलाड़ियों को मिले 15-15 लाख वहीं, मेडल से चूकने वाले 17 एथलीटों को 15-15 लाख रुपए सम्मान राशि दी गई। बता दें कि नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। हालांकि, इस बार उन्हें सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। अगले ओलंपिक में भी उनसे गोल्ड की उम्मीद होगी।

UPSC में लेटरल एंट्री पर भड़के चिराग पासवान

एजेंसी, नई दिल्ली/पटना। भाजपा के सहयोगी और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को आरक्षण का पालन किए बिना सरकारी पदों पर नियुक्तियों के किसी भी कदम की आलोचना की। चिराग ने कहा कि वह केंद्र के साथ लेटरल एंट्री का मुद्दा उठाएंगे। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष ने कहा, ‍श्किसी भी सरकारी नियुक्ति में आरक्षण का प्रावधान होना ही चाहिए। इसमें कोई किंतु-परंतु नहीं है। निजी क्षेत्र में कोई आरक्षण नहीं है और अगर सरकारी पदों पर भी इसे लागू नहीं किया जाता है... तो यह मेरे लिए चिंता का विषय है। 'मैं इस तरह के कदम के समर्थन में नहीं हूं' पासवान ने पीटीआई-भाषा से कहा कि सरकार के सदस्य के रूप में उनके पास इस मुद्दे को उठाने के लिए मंच है और वह इस मुद्दे को जरूर उठाएंगे। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि जहां तक उनकी पार्टी का सवाल है, वह इस तरह के कदम के बिल्कुल भी समर्थन में नहीं है। किस बात पर छिड़ा विवाद? बता दें कि संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने पिछले शनिवार को अनुबंध के आधार पर लेटरल एंट्री मोड के माध्यम से भरे जाने वाले 45 पदों (संयुक्त सचिवों के 10 और निदेशकों/उप सचिवों के 35) का विज्ञापन दिया था। लेटरल एंट्री के

मुद्दे पर सियासत तेज विपक्षी दलों ने इस कदम की आलोचना करते हुए दावा किया कि इससे एससी, एसटी और ओबीसी से आरक्षण छीन लिया जाएगा। भाजपा ने पलटवार करते हुए कहा कि एनडीए सरकार कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए द्वारा शुरू की गई भर्ती के इस तरीके में पारदर्शिता ला रही है। वहीं, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा) और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने यह भी आरोप लगाया कि यह भाजपा द्वारा अपने वैचारिक सहयोगियों को पिछले दरवाजे से उच्च पदों पर नियुक्त करने की एक साजिश है।

डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए कानून कैसे बनेगा?

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉक्टरों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाने और इसके लिए अध्यादेश जारी करने की मांग को औचित्यहीन करार दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों के अनुसार स्वास्थ्य पूरी तरह से राज्यों का विषय है और 26 राज्यों ने अस्पतालों में स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए कानून बना रखा है। राज्य का विषय होने के कारण केंद्र राज्यों को सिर्फ एडवाइजरी भेज सकता है। वहीं रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन की मांग को मानते हुए स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी केंद्रीय अस्पतालों व मेडिकल कालेजों में तैनात सुरक्षा कर्मियों की संख्या में 25 फीसद तक बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि कई रेजिडेंट डॉक्टर एसोसिएशन के साथ सोमवार को हुई चर्चा भी बेनतीजा रही ।स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा डॉक्टर एसोसिएशन स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए केंद्रीय कानून बनाने और तत्काल प्रभाव से इसे लागू करने के लिए अध्यादेश जारी करने पर अड़े हुए हैं। शीर्ष अधिकारी ने कहा कि डॉक्टर एसोसिएशन ने दो दिन पहले यह नई मांग जोड़ दी है, जिसे पूरा करना केंद्र सरकार के लिए संभव नहीं है। केंद्रीय कानून बनाने की मांग उन्होंने कहा कि आरजी कर मेडिकल कालेज में हुई हृदयविदारक घटना को देखते

हुए डॉक्टर एसोसिएशन की केंद्रीय कानून बनाने की मांग कर रहे हैं। लेकिन कोलकाता में हुई घटना इस तरह के किसी कानून से कवर नहीं हो सकता है। वह केवल भारतीय न्याय संहिता के तहत ही कवर हो सकता है, जिसके तहत कार्रवाई हो भी रही है। कानून बनाने की मांग खारिज शीर्ष अधिकारी के अनुसार इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट एक जुलाई को स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए नए कानून बनाने की मांग को खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट का भी मानना था कि स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा के लिए राज्यों में पर्याप्त कानून हैं और केवल उन्हें अमल में लाने की जरूरत है। राज्यों ने स्वास्थ्य कर्मियों के साथ हिंसा के कानून में गैर जमानती धाराएं जोड़ रखी हैं और कड़ी सजा भी प्रविधान कर रखा है। मांगों को स्वीकार कर लिया गया उन्होंने कहा कि इन कानूनों को अमल में लाने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की है, केंद्र की इसमें कोई भूमिका नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी के अनुसार डॉक्टर एसोसिएशन की वाजिब मांगों को स्वीकार कर लिया गया है। रक्षाकर्मियों की संख्या में बढ़ोतरी उनकी मांग के अनुरूप केंद्र सरकार के मातहत आने वाले सभी अस्पतालों में तैनात सुरक्षाकर्मियों की संख्या में 25 फीसद तक की बढ़ोतरी की मंजूरी दे दी गई है। इसके पहले देश के सभी अस्पतालों को स्वास्थ्य कर्मियों के साथ हिंसा की स्थिति में छह घंटे के भीतर संस्थान की ओर एफआइआर दर्ज करने की एडवाइजरी भी जारी की जा चुकी है। मंत्रालय ने रखी अपनी मांग इसी तरह से स्वास्थ्य कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए व्यापक विचार-विमर्श के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय कमेटी बनाने को भी तैयार है, जिसमें डॉक्टर एसोसिएशन के प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। लेकिन कमेटी के गठन के पहले डॉक्टर एसोसिएशन को हड़ताल खत्म कर वापस काम पर जाना होगा और अचौत्यहीन मांगों को छोड़ना होगा।

सिद्धारमैया को हाईकोर्ट से मिली राहत

बेंगलुरु। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कर्नाटक हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने राज्यपाल थावरचंद गहलोत के उस आदेश को चुनौती है, जिसमें कथित मुडा घोटाले में उनके खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी गई है। इसके बाद कर्नाटक हाईकोर्ट ने कथित टवऊ्र भूमि आवंटन घोटाले में अभियोजन की मंजूरी को चुनौती देने वाली मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की याचिका पर 29 अगस्त को सुनवाई तय की है और संबंधित निचली अदालत से सभी कार्यवाही स्थगित करने को कहा है। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई ने मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूखंड आवंटन घोटाले में सिद्धारमैया के खिलाफ राज्यपाल थावरचंद गहलोत द्वारा मुकदमा चलाने की अनुमति दिए जाने के विरोध में सोमवार को राज्यव्यापी प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। गहलोत ने

शनिवार को सिद्दरमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। मुख्यमंत्री ने आरोपों का खंडन किया है और कानूनी रूप से इसका मुकाबला करने की बात कही है। 22 अगस्त को बुलाई कांग्रेस दल की बैठक कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने रविवार को कहा कि राज्यभर के सभी जिला मुख्यालयों में रैलियां आयोजित की जाएंगी। पार्टी के सभी नेता और कार्यकर्ता इसमें भाग लेंगे। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 22 अगस्त को कांग्रेस विधायक दल की बैठक बुलाई है। क्या रणनीति बनाएंगे मुख्यमंत्री? सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री कांग्रेस विधायकों को तथ्यों से अवगत कराएंगे और कानूनी और राजनीतिक रूप से इस मामले से लड़ने की रणनीति तैयार करेंगे। कर्नाटक के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री प्रियांक खरगे ने पत्रकारों से कहा कि चूंकि राज्यपाल की भूमिका को लेकर बहुत हंगामा हो रहा है, इसलिए हमें अपने लोगों को मामले से अवगत कराने की जरूरत है।

दो दिन के दौरे पर छत्तीसगढ़ जाएंगे अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ के दौरे पर आ रहे हैं। शाह का तीन दिवसीय छत्तीसगढ़ दौरा फाइनल हो गया है। शाह 23 अगस्त की शाम को यहां पहुंचेंगे। 24 और 25 को बैठक के बाद 25 की शाम को दिल्ली लौट जाएंगे। बताया जा रहा है कि शाह 24 अगस्त को नवा रायपुर में नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्य सचिवों और पुलिस प्रमुखों (डीपीजी) की बैठक लेंगे। इस बैठक में नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में तैनात अर्द्ध सैनिक बल के अफसर भी शामिल होंगे। इस दौरान नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान और विकास कार्यों की

समीक्षा करेंगे ।पाकिस्तानी हिंदुओं को भारत की नागरिकता प्रदान की इससे पहले रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नए नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत अहमदाबाद में 188 पाकिस्तानी हिंदुओं को भारत की नागरिकता प्रदान की। इस अवसर पर बोलते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि सरकार पड़ोसी देशों के हिंदू, जैन, बौद्ध और सिखों सहित उत्पीड़ित अल्पसंख्यकों को नागरिकता प्रदान करने के लिए दृढ़ है। इसके साथ ही उन्होंने कांग्रेस के नेतृत्व वाले भारत गुट की तुष्टिकरण की राजनीति की भी आलोचना की।

बांग्लादेश के हिंदू आखिरकार कहां शरण लें?

हृदयनारायण दीक्षित

> प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है और अपने अंतःकरण के अनुसार मत, मजहब, रिलीजन को मानने का भी। बांग्लादेश के मामले में विचार या आस्था का कोई प्रश्न नहीं है। बच्चों और महिलाओं के अंग भंग करना, जान से मार देना सारी दुनिया को अनुचित और बर्बर लगा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया निराशाजनक है। हिंदुओं के विरुद्ध जारी हिंसा का सम्बंध रक्तपात करने में विश्वास करने वाली मानसिकता से है। हिंदू मारे जा रहे हैं और हम कुछ नहीं कर सकते। ऐसी विवशता और लाचारी हृदयविदारक है।

Please Save Hindu
In Bangladesh

बांग्लादेश में हिंदू चुन-चुन कर मारे जा रहे हैं। कत्लेआम जारी है। हिंदू महिलाओं के साथ बर्बरता के वीभत्स तरीके अपनाए जा रहे हैं। महिलाओं पर अत्याचार के चित्र कठोर से कठोर व्यक्ति को विचलित करने वाले हैं। बांग्लादेशी हिंदुओं का कोई भी काम न तो सेना के खिलाफ है और न ही सेना की कठपुतली कथित सरकार के खिलाफ। अंतरराष्ट्रीय जिज्ञासा है कि इस रक्तपात की वजह क्या है? बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदू आबादी का प्रतिशत पहले ही घट रहा है। हिंदू आबादी का प्रतिशत घटने के कारण क्या हैं? दोनों देशों में हिंदू आबादी की संख्या अत्याचार, उत्पीड़न और हिंसा से घटी है। जोर जबरदस्ती का मतांतरण भी प्रमुख कारण है। मिशनरी लोगों से सम्बंधित साधारण घटनाएं भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बनती हैं। धर्मांतरण करने वाली शक्तियां अपना गैरकानूनी काम करती रहती हैं। उनके गलत काम का विरोध भी सारी दुनिया में चर्चा का विषय बनता है। मगर हिंदूओं की सुनियोजित हत्या पर भी कोई हलचल नहीं होती।

हिंदू थोक के भाव मारे जाते हैं, मारे जा रहे हैं। आखिरकार थोक के भाव हिंदुओं की हत्या अंतरराष्ट्रीय बिरादरी के लिए कोई बड़ी घटना क्यों नहीं है। हिंदुओं की हत्या का मूल कारण है क्या? आहत मन कुछ मौलिक प्रश्न उठते हैं। क्या हिंदू होना एक अभिशाप है? हिंदू सारी दुनिया का लोकमंगल चाहते हैं। हिंदुओं ने कभी किसी दूसरे देश पर हमला नहीं किया। केवल हिंदू होने के कारण ही वे मौत के घाट उतार दिए जाते हैं। अबोध बच्चियों के साथ भी बलात्कार हो रहे हैं।

बांग्लादेश की सेना नियंत्रित सरकार हिंदुओं की रक्षा में असफल हुई है। हिन्दू उत्पीड़न के सरोकार बड़े हैं। भारत विभाजन के पूर्व मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान की मांग की थी। इस मांग को लेकर भी हिंदुओं का भयंकर रक्तपात हुआ था। 'डायरेक्ट एक्शन डे' के नाम से व्यापक नरसंहार हुआ था। अविभाजित भारत की अंतिम जनगणना 1941 में हुई थी। तब हिंदू 84.44 प्रतिशत और मुस्लिम 13.38 प्रतिशत थे। मुसलमानों के इस प्रतिशत में आज के पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुसलमान भी शामिल थे। 1947 में भारत विभाजन हुआ। स्वतंत्र भारत की प्रथम जनगणना (1951) में पाकिस्तानी और बांग्लादेशी मुस्लिम जनसंख्या नहीं रही। इसलिए हिंदू आबादी का अनुपात 87.24 प्रतिशत हो गया। यहां की मुस्लिम आबादी 10.43 प्रतिशत रह गई। 50 वर्ष बाद 2001 में भारत में जनगणना हुई। हिंदू आबादी घटी और 84.21 प्रतिशत रह गई। मुस्लिम आबादी का अनुपात अविभाजित भारत के 13.38 प्रतिशत से भी ज्यादा हो गया। जनसंख्या के इसी अनुपात पर मुस्लिम लीग ने पाकिस्तान मांगा था। पाया था। अब एक और पाकिस्तान की जनसंख्या हो गई है। हिंदू इस सवाल को उठाते हैं तो उन्हें सांप्रदायिक कहा जाता है। हिंदू आबादी ही सर्वपंथ समभाव और लोकतंत्र की गारंटी है।

बांग्लादेश की सीमाओं पर प्राण रक्षा के लिए व्यथित हिंदू अल्पसंख्यक हैं। वे इसीलिए मारे जा रहे हैं कि बांग्लादेश में हिंदुओं की संख्या कम है। सेकुलर दल हिंदू संहार पर मौन रहते हैं। बांग्लादेश से भारत के लिए अवैध प्रवेश होता रहा है। भारतीय संसद में अनेक बार बांग्लादेशी घुसपैठ स्वीकार की गई है। भारत के अधिकांश राजनैतिक दल हिंदू नाम के प्रयोग से डरते हैं। फिलिस्तीन को लेकर देश के सेकुलरपंथी दुख व्यक्त करते हैं। लेकिन हिंदू प्रजाति के खात्में को लेकर मौन हैं। वाम दल भी हिंदू नरसंहार पर मौन हैं। समूची हिंदू जाति पर संकट है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार नागरिकता संशोधन कानून लायी थी। कट्टरपंथियों ने इसका विरोध किया था। वे हिंसक हो गए थे। बांग्लादेश के हिंदू आखिरकार कहां शरण लें? क्या करें? पाकिस्तानी गैर मुसलमान और हिंदू भी उत्पीड़न के शिकार हैं। पाकिस्तान में भी हिंदू हिंसा का शिकार होते हैं। ईशनिंदा कानून में बड़ी सजा है। पाकिस्तानी सरकार हिंदुओं के विरुद्ध इसका इस्तेमाल करती है। संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार चार्टर भी बांग्लादेश के हिंदुओं की रक्षा नहीं कर पा रहा है। जाति, वंश, लिंग आधारित भेदभाव को निषिद्ध बताने वाले सेक्युलर हिंदू नरसंहार पर चुप हैं। प्रख्यात इतिहासकार डॉ. हर्ष नारायण ने लिखा है कि, 'वास्तव में इस्लाम कहीं भी काफिरों के साथ सहअस्तित्व को न प्रोत्साहन देता है और न अनुमति। वह इसकी संभावना पर भी विचार नहीं करता।

हिंदू अपने चिंतन दर्शन में समूची धरती को परिवार मानते हैं लेकिन इस्लामी राजनीतिक चिंतन में इसकी कोई गुंजाइश नहीं। 'संस्कृति के चार अध्याय' (पृष्ठ 302) में रामधारी सिंह 'दिनकर' ने लिखा है कि, 'भारत में इस्लाम का आरंभिक इतिहास मारकाट और खुरेंजी, धर्म परिवर्तन, अभद्रता और अन्याय का इतिहास है। मुसलमान एक आदर्श मजहब और एक सुगठित समाज में जिस प्रकार आबद्ध थे, उससे उन्हें अपार नैतिक बल प्राप्त होता था। इसके विपरीत हिंदुत्व ढीला हो चुका था। हिंदुओं के धर्म, आदर्श और सिद्धांत के अनेक रूप थे। फिर भी भारत में इस्लाम की धाक उस आसानी से नहीं जमी।' इस्लामिक कट्टरता नई बात नहीं थी और न ही हिंदू सहिष्णुता। दिनकर के अनुसार अलबेरूनी ने लिखा है कि, 'हिंदू जन्मजात अहिंसक थे। अनेक धर्मों का स्वागत करते थे। वे धार्मिक मामलों में बहुत ही सहिष्णु हो गए थे। महमूद से पहले जो मुसलमान भारत आए थे उन्हें यहां के राजाओं ने अच्छा प्रश्रय दिया था।' हिंदू अपने सहिष्णु स्वभाव के कारण बढ़-चढ़ कर नहीं लड़ते थे। दिनकर ने लिखा है कि, 'लड़ाई और मारकाट के दृश्य तो हिंदुओं ने बहुत देखे थे। उन्हें सपने में भी यह ख्याल नहीं था कि दुनिया की एकाध जाति ऐसी भी हो सकती हैं जो मूर्तियों को तोड़ने और मंदिरों को ध्वस्त करने में ही सुख माने। मुस्लिम आक्रमण के साथ मंदिरों और मूर्तियों पर विपत्ति आई। हिंदुओं का हृदय फट गया।'

मंदिरों और मूर्तियों पर हमले का लंबा इतिहास है। भारत में लाखों मंदिर ध्वस्त किए गए थे। लेकिन बात यहीं आकर समाप्त नहीं हुई। वे हिंदू समाज को समाप्त करने के मकसद से किसी भी तरह की लड़ाई पर आमादा रहे हैं। हिंदू और मुसलमान के बीच की दूरी पाट कर एक सहअस्तित्वपूर्ण समाज बनाने के अनेक उपाय किए गए। महात्मा गांधी ने हिंदू मुस्लिम एकता का व्रत लिया था। अंत में उन्होंने लिखा कि, 'हिंदू मुस्लिम एकता के प्रश्न पर मैं हार गया।' दिनकर के अनुसार इस्लाम केवल नया मत नहीं था। यह हिंदुत्व का ठीक विरोधी मत था। हिंदुत्व की शिक्षा थी कि किसी भी धर्म का अनादर मत करो। मुसलमान मानते थे कि जो धर्म मूर्ति पूजा में विश्वास करता है उसे नस्तेनाबूत कर देना चाहिए।'

प्रत्येक व्यक्ति को अपने विचार के अनुसार जीवन जीने का अधिकार है और अपने अंतःकरण के अनुसार मत, मजहब, रिलीजन को मानने का भी। बांग्लादेश के मामले में विचार या आस्था का कोई प्रश्न नहीं है। बच्चों और महिलाओं के अंग भंग करना, जान से मार देना सारी दुनिया को अनुचित और बर्बर लगा है। लेकिन अंतरराष्ट्रीय प्रतिक्रिया निराशाजनक है। हिंदुओं के विरुद्ध जारी हिंसा का सम्बंध रक्तपात करने में विश्वास करने वाली मानसिकता से है। हिंदू मारे जा रहे हैं और हम कुछ नहीं कर सकते। ऐसी विवशता और लाचारी हृदयविदारक है।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संपादकीय

भ्रष्टाचार के लपेटे में सीएम

कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भूमि आवंटन 'घोटाले' के संबंध में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने को मंजूरी दे दी है। पूरा 'घोटाला' 4,000 करोड़. रुपये का है। राज्यपाल का फैसला टीजे अब्राहम, प्रदीप कुमार एसपी और स्नेहमयी कृष्णा की ओर से दायर तीन अर्जी पर आधारित है। इससे पूर्व सिद्धरमैया मंत्रिमंड़ल ने राज्यपाल को सलाह दी थी कि इस मामले में उनके द्वारा 26 जुलाई को जारी 'कारण बताओ' नोटिस को वापस लिया जाना चाहिए। नोटिस में मुख्यमंत्री से पूछा गया था कि क्यों न उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जाए। लेकिन राज्यपाल ने मंत्रिमंड़ल की सलाह का संज्ञान न लेकर सिद्धरमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दे दी। उनका कहना है कि मामले की वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष जांच कराना बहुत जरूरी है। इस बीच, सिद्धरमैया पर पद से इस्तीफा देने का दबाव बढ़ गया हैं। भाजपा का कहना है कि मामले, जिसमें सिद्धरमैया और उनके परिवार को संलिप्त बताया है, की निष्पक्ष जांच के लिए सिद्धरमैया को पद छोड़. देना चाहिए। हालांकि सिद्धरमैया ने इस्तीफा देने से यह कहते हुए इनकार किया है कि उन्होंने कुछ गलत नहीं किया है। राज्यपाल का फैसला संविधान और कानून के विरोद्ध है और वे इसे अदालत में चुनौती देंगे। राज्य में इस मुद्दे को लेकर राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने राज्य के अनेक हिस्सों विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। राज्यपाल का पुतला दहन भी किया। उनका आरोप है कि राज्यपाल संवैधानिक कार्यालय का घोर दुरुपयोग कर रहे हैं। बेशक, भ्रष्टाचार के किसी भी आरोप की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए लेकिन उसके राजनीतिक पक्ष को भी नजरंदाज नहीं किया जा सकता। खासकर जब आरोपों में स्वयं मुख्यमंत्री घिरा हो। सोचा जाना चाहिए कि इस प्रकार के 'घेराव' से सिद्धरमैया आरोपी की बजाय पीड़ित ज्यादा नजर आ सकते हैं। इसलिए कि निर्वाचित सरकार को हटाने की साजिशों के तमाम मामले सर्वविदित हैं। दिल्ली, झारखंड़ समेत कई राज्यों में निर्वाचित सरकार के कामकाज को सहज न रहने देने की गरज से साजिशों का खुलासा हो चुका है। यह भी छिपा नहीं है कि केंद्र में सत्तारूढ़ पार्टी राज्यपाल के जरिए राज्यों में विपक्ष की सरकारों पर अनावश्यक दबाव बनाती है। उन्हें अस्थिर करने की कोशिश करती है। इसलिए शंका है कि इस मामले में वस्तुनिष्ठ जांच की बजाय राजनीतिक पक्ष ज्यादा मुखर रहने वाला है।

चिंतन-मनन

प्राणवान प्रतिभाओं की खोज

प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए तदनुरूप योग्यता एवं कर्मनिष्ठा उत्पन्न करनी पड़ती है। साधन जुटाने पड़ते हैं। कठिनाइयों से जूझने, अड़चनों को निरस्त करने और मार्ग रोककर बैठे हुए अवरोधों को हटाने के लिए साहस, शौर्य और सूझबूझ का परिचय देना पड़ता है। जो कठिनाइयों से जूझ सकता है और प्रगति की दिशा में बढ़ चलने के साधन जुटा सकता है, उसी को प्रतिभावान कहते हैं। सामुदायिक सार्वजनिक क्षेत्र में सुव्यवस्था बनाने के लिए और भी अधिक प्रखरता चाहिए। यह विशाल क्षेत्र, आवश्यकताओं और गुत्थियों की दृष्टि से तो और भी बढ़ा-चढ़ा होता है। हीन वर्ग अपने साधनों के लिए, मार्गदर्शन के लिए दूसरों पर निर्भर रहता है। यह परजीवी वर्ग ही मनुष्यों में बहुलता के साथ पाया जाता है। अनुकरण और आश्रय ही उसका स्वभाव होता है। ऐसे लोग निजी निर्धारण कदाचित ही कभी कर पाते हैं। दूसरा वर्ग-समझदार होते हुए भी संकीर्ण स्वार्थपरता से घिरा रहता है। योग्यता और तत्परता जैसी विशेषताएं होते हुए भी ऐसे लोग अपने को लोभ, अहंकार की पूर्ति के लिए ही नियोजित किए रहते हैं।

वे कृपणता और कायरता के दबाव में वे पुण्य-परमार्थ की बात सोच ही नहीं पाते। अवसर मिलने पर अनुचित कर बैठते हैं और महत्व न मिलने पर अनर्थ कर बैठते हैं। वे जैसे-तैसे जी लेते हैं, पर श्रेय सम्मान जैसी किसी मानवोचित्त उपलब्धि के साथ उनका संबंध नहीं जुड़ता। उन्हें जनसंख्या का घटक भर माना जाता है। तीसरा वर्ग प्रतिभाशालियों का है। ये भौतिक क्षेत्र में कार्यरत रहते हुए अनेक व्यवस्थाएं बनाते हैं। ये अनुशासन और अनुबंधों से बंधे रहते हैं। अपनी नाव अपने बलबूते खेते हैं और उसमें बिठाकर अन्यों को भी पार करते हैं। कारखानों के व्यवस्थापक और शासनाध्यक्ष प्रायः इन्हीं विशेषताओं से सम्पन्न होते हैं। बोलचाल की भाषा में उन्हें ही प्रतिभावान कहते हैं।सबसे ऊंची श्रेणी देवमानवों की है, जिन्हें महापुरुष भी कहते हैं। प्रतिभा तो उनमें भरपूर होती हैं, पर वे उसका उपयोग आत्म परिष्कार से लेकर लोकमंगल तक उच्च स्तरीय प्रयोजनों में लगाते हैं। निजी आवश्यकताओं और महत्वाकांक्षाओं के बजाय अपने शक्ति भंडार को परमार्थ में लगाते हैं।

हॉकी में पुनः भारत का दबदबा

संजय गोस्वामी

पेरिस ओलंपिक अब खत्म हो चूका है और प्रधान मंत्री ने सभी खिलाड़ियों से मुलाकात की , पेरिस ओलंपिक हॉकी में मिला पदक फिर से हॉकी में भारत को बादशाह बनाने की ओर अग्रसर है इस ओलंपिक में विनेश फोगाट के शानदार प्रदर्शन को भारत हमेशा सम्मान देगा लेकिन इस पर राजनीती ठीक नहीं है दुनिया के सबसे पुराने खेलों में से एक, हॉकी की शुरूआत संभवतः 1527 में स्कॉटलैंड से हुई थी। तब इसे अंग्रेजी में होकी (ल्ङ्की) के नाम से जाना जाता था। कुछ रिकॉर्ड्स बताते हैं कि इसी तरह का खेल उस समय मिस्त्र में भी खेला जाता था।हॉकी टीम ने जीता ब्रॉन्ज मेडल, पेरिस ओलंपिक में भारत को मिला चौथा पदक इंडिया और स्पेन के बीच पेरिस ओलंपिक का हॉकी का कांस्य पदक मैच खेला गया। भारत ने इस मैच को 2-1 से जीतकर कांस्य पदक पर कब्जा किया है। लंबे समय के बाद भारत ने लगातार दूसरी बार ओलंपिक खेलों में पदक जीता है। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भी भारत ने कांस्य पदक हॉकी में जीता था। हॉकी में ओलंपिक में भारत का ये 13वां मेडल है। इस ऐतिहासिक मुकाबले में भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने दो गोल दागे, दोनों गोल उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए किए। भारत के गोलकीपर और अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले पीआर श्रीजेश ने भारत के लिए कई गोल इस मैच में बचाए। उन्होंने आखिरी के कुछ मिनटों में आधा दर्जन बार पेनल्टी कॉर्नर या फिर फील्ड गोल से भारत को बचाया भारत 50साल बाद हॉकी में फिर से विश्वविजेता बनने की ओर अग्रसर है अनेकानेक बधाई जब भारतीय हॉकी टीम 1928 ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए बॉम्बे बंदरगाह से एम्सटर्डम रवाना हो रही थी, तब सिर्फ तीन लोग उसे विदा करने आए थे.शुरूआतभारतीय हॉकी टीम ने ओलंपिक में पहली बार 1928 में कदम रखा था. फील्ड हॉकी 1908 और 1920 के खेलों का हिस्सा थी, लेकिन भारत ने इसमें भाग नहीं लिया था. जब भारतीय हॉकी टीम 1928 ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए बॉम्बे बंदरगाह से एम्सटर्डम रवाना हो रही थी, तब सिर्फ तीन लोग उसे विदा करने आए थे. इसके उलट जब टीम स्वर्ण पदक जीतकर भारत लौटी, तब हजारों लोग विजेता टीम का स्वागत करने के लिए खड़े थे.1928 ओलंपिक के हॉकी इवेंट में कुल 9 टीमों ने भाग लिया था. भारत को बेल्जियम, डेनमार्क, स्विट्जरलैंड और ऑस्ट्रिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया था. वहीं, मेजबान नीदरलैंड्स जर्मनी, फ्रांस और स्पेन ग्रुप बी में थे. दोनों ग्रुप की टॉप टीम ने स्वर्ण पदक के लिए एक-दूसरे का सामना किया, जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीमों ने कांस्य पदक के लिए मैच खेले.17 मई को टूनार्मेंट के अपने शुरूआती मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रिया को 6-0 से हरा दिया. इसके बाद भारत ने बेल्जियम को 9-0 और डेनमार्क को 5-0 से मात दी. स्विट्जरलैंड को 6-0 से हराने के साथ ही भारतीय टीम फाइनल में पहुंच गई.26 मई को टूनार्मेंट के फाइनल में भारत के सामने कई परेशानियां खड़ी थीं. फिरोज खान चोट और शौकत अली बुखार के चलते फाइनल मुकाबले से बाहर हो गए थे. वहीं, कप्तान जयपाल सिंह भी कुछ मैच पहले ही स्वदेश लौट चुके थे. इसके बावजूद भारत ने 23 हजार फैन्स के सामने नीदरलैंड्स को 3-0 से मात दे दी. ध्यानचंद ने दो और जॉर्ज मार्टिंस ने एक गोल दागकर भारतीय हॉकी के स्वर्ण युग की शुरूआत की. पूरे टूनार्मेंट में भारत ने कुल 29 गोल किए थे, जिसमें से 14 गोल तो अकेले ध्यानचंद ने दागे.भारतीय टीम के विजयी अभियान की एक खास बात यह रही थी कि उसने पूरे टूनार्मेंट में एक भी गोल नहीं खाया. इसमें सबसे बड़ा योगदान भारतीय गोलकीपर रिचर्ड एलन का था. एलन गोलपोस्ट के सामने दीवार बनकर खड़े हो गए थे और विपक्षी टीम का कोई भी खिलाड़ी इस दीवार को भेद नहीं सका.हॉकी खेल के इतिहास के बारे में बात करें तो कुछ लोगों का मानना है कि इसका आविष्कार ईसा के जन्म से 2000 वर्ष पहले हुआ था लेकिन उसमें हॉकी खेलने का तरीका और उसके प्रणाली काफी अलग थी इस खेल की शुरूआत मिस्त्र देश के माध्यम से मानी जाती है और आगे चलकर यह खेल काफी मशहूर हुआ जिसके बाद कई देशों में हॉकी खेल जाने लगा भारत में हॉकी का विस्तार ब्रिटिश सरकार के समय हुआ था क्योंकि भारत में ब्रिटिश लोगों के द्वारा हॉकी खेला जाता था जिसके कारण भारत में हॉकी खेल की उत्पत्ति हुई` भारत में झांसी, जबलपुर, जालंधर, लखनऊ, लाहौर आदि क्षेत्रों में मुख्य रूप से हॉकी खेला जाने लगा।दुनिया में 1908 को ओलंपिक का आयोजन किया गया जिसमें पहली बार हॉकी को खेल के तौर पर सम्मिलित किया गया हालांकि 1924 में इसे बाहर कर दिया गया था जिसके बाद हॉकी खेल को पूरी दुनिया में संचालित करने के लिए हॉकी फेडरेशन की स्थापना की गई जिसका प्रमुख मकसद हॉकी से संबंधित नियमों को बढ़ाना था और आज की तारीख में चौकी के जितने भी नियम है वह सभी हॉकी फेडरेशन के माध्यम से ही बनाए जाते हैं एशिया में हॉकी आने के बाद सबसे पहले ये खेल भारत में ही खेला गया। भारत ने आज तक आठ स्वर्ण, एक सिल्वर और दो कांस्य पदक जीत लिए है। भारत के महान हॉकी स्टार मेजर ध्यानचंद हॉकी के बहुत अच्छे खिलाड़ी थे। इन्हीं के जन्मदिवस पर भारत में खेल दिवस मनाया जाता है। भारत को पेरिस ओलंपिक में भारत को कास्य पदक ही सही लेकिन मिला पदक हॉकी में एक नई जान डाल देगी क्योंकि भारत में क्रिकेट के बाद सबसे ज्यादा रोमांचक खेल हॉकी है।

कजरी : लोक मानस की अंतर्यात्रा

डॉ. शिवमंगल कुमार

भारतीय लोक संस्कृति के पावस गीतों में सर्वाधिक लोकप्रिय, अत्यंत सरस, मृदुल, चित्ताकर्षक और लोक मानस में रची-बसी महत्त्वपूर्ण विधा का नाम है कजरी या कजली। मान्यतानुसार त्रिलोकीनाथ की मोक्ष नगरी काशी (बनारस), सृष्टि की प्राणधारा, पुराणों की लोक माता, त्रिपथगामिनी, मुक्तिदायिनी मां गंगा का तटीय कछार और मिजार्पुर में स्थित जागृत स्वरूपा, आद्या महाशक्ति मां भगवती विंध्यवासिनी की विंध्याचल पर्वतमाला कजली के जन्म स्थल हैं। इसकी उत्पत्ति के विषय में यह भी माना जाता है कि प्रतापी और प्रतिष्ठित राय गहरवार की मृत्यु पर कज्जली तृतीया को स्त्रियों ने जिन गीतों को गाकर शोक प्रकट किया, वही कजली गीत कहलाते हैं। इनमें कोई काव्यात्मक छंद का बंधन नहीं होता। स्त्रियों की स्वाभाविक मधुर भावना की अभिव्यक्ति ही इसमें रहती है।

कजरी, कजली, उजली, उजाला, लगनी आदि इसके अनेक भेद हैं। पहले कजली श्रृंगारपरक होती थी परंतु अब पौराणिक, राष्ट्रीय भी होने लगी है। यह लोक गीत प्रेम के संयोग-वियोग का सरल, सहज एवं मर्मस्पर्शी गीत है। इसके प्रसार में गांव की बहु-बेटियों, गायक-गायिकाओं का अविस्मरणीय योगदान है। विंध्य-काशी के सनातनी जहां-जहां गए, उनके मन-मंदिर में बसी कजरी भी वहां-वहां गई। धीरे-धीरे इसका विस्तार न केवल संपूर्ण भारत में, बल्कि श्रीलंका, तिब्बत, नेपाल, भूटान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार, इंडोनेशिया, मलयेशिया, फिजी, मारीशस, सूरीनाम, त्रिनिदाद और टोबैगो, गुयाना और सुदूर ब्रिटेन, अमेरिका, खंस, कनाडा, रूस आदि तक हो गया। ज्येष्ठ शुक्ल दशमी (गंगा दशहरा) के दिन अखाड़ों में ढोलक पूजन से कजरी का शुभारंभ होता है, और अनंत चतुर्दशी को समापन होता है। कजरी गीतों की लोकप्रियता का कारण इनका विषय-वैविध्य है।

कजरी का अर्थ ही है बादल, सावन। इस खास मौसम में धान रोपती्रियां हों या पेड़ों की डालियों पर झूले झूल रही युवतियां, बारिश के साथ कजरी मन को मोह लेती थीं किंतु आज के उपभोक्तावादी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के युग में कजरी जैसे मशहूर लोक गीत विलुप्ति के कगार पर हैं। नागपंचमी और रक्षाबंधन के त्योहार में तो भोजपुरी गायक-गायिकाएं विशेषकर बेटियां कजरी गुनगुनाने लगती हैं। पूर्वी उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर, बनारस, बिहार के बक्सर और अवध की कजरी भले ही संपूर्ण भारत के कोने-कोने में पहुंच गई है, लेकिन पहले की तरह अब गांव भी नहीं रह गए हैं। पश्चिम का अंधानुकरण और आधुनिक महानगरों की यांत्रिक जीवन शैली गांव में भी तेजी से पसार रही है। इसलिए अब कजरी नहीं मनाई जाती है। सावन में हरियाली तीज पर्व तो कजरी बिना पूर्ण भी नहीं होता था परंतु आज भागमभाग भरे माहौल में कजरी लिखना तो दूर, इसको गाने वाले बमुश्किल ही मिल पाएंगे।

कई लोग तो कजरी का नाम तक नहीं जानते जबकि 'कजरी' की खासियत है कि यह भाइयों में कभी मतभेद नहीं आने देती। परिवार को जोड़े रखती है। कजरी ही है जो भारत के सामूहिक परिवार की संवेदना, संवाद और संस्कार का गीत है। इसके प्रत्येक शब्द और अंतरे का मायने होता है। इसमें पति-पत्नी के बीच प्रेम खासकर पत्नी के प्रेम, विरह और नोकझोंक शामिल हैं। अगर लोग कजरी को जीवन में आत्मसात कर लें, तो घर के झगड़े खत्म हो जाएंगे। वर्तमान में विवाह होते ही भाई अलग रहने लगते हैं, जबकि एक कजरी में इसका वर्णन है, जब भौजाई कहती है कि 'देवर बिन अंगना सून लागे राजा।'

कजरी भारतीय सभ्यता की वेदश्रुति, संपूर्ण संस्कृति की संरक्षक और राष्ट्र को प्रदीप्त करने वाली सुरीली बानगी है। वस्तुतः लोक गीत की ऊर्जा यह सीख देती है कि जिस प्रकार भंवरे, मधुमक्खियां और हंस सार को ग्रहण करते हैं, उसी प्रकार तुम भी अपनी अस्मिता, जड़ों को पहचानो, मनुष्यत्व मूल्यों का संरक्षण करो, गुणग्राही बन कर जीवन की सहजता, आत्मा का स्वर-संधान करो, क्योंकि प्रकृति से बड़ा कोई दर्शन नहीं, वह सदा देती है, मनुष्य से कुछ नहीं लेती, यही भारतीय संस्कृति की अस्मिता का सबसे बड़ा प्रमाण है। वास्तव में कजरी लोक गीत लोक मानस, लोक चेतना, लोक विश्वास, लोक परंपरा की अंतर्यात्रा हैं। हमारे यहां शरीर को बड़ी शान से जिया गया परंतु

महत्त्व देहयात्रा की अपेक्षा अंतर्यात्रा को ही मिला। हमें मानवता को पुनर्जीवित करना है तो कजरी जैसे लोक गीत को पहचानना होगा। लोक गीत के वैराट्यबोध को समयानुकूल मानक कसौटियों पर मानव की बुनियादी वृत्तियों के साथ कसना होगा। बुद्धि और रदय के बीच सेतु संकल्पों को वृक्षधर्म बनाना होगा। कहा जा सकता है कि गहरे में यदि सोचें तो यही सत्य उभरेगा कि गीत ही वह प्रथम भावनेता है, जो मनुष्य को जगा कर उसके विकास का प्रयत्न करता है। उसकी आभ्यांतरिक ऊर्जा के आंदोलन का नेतृत्व कजरी गीत ही करता है।

ट्रैफिक पुलिस ने रक्षाबंधन पर महिलाओं का नहीं किया चालान, बहनों को पहनाया हेलमेट

संस्कार उजाला

नोएडा। रक्षाबंधन पर सोमवार को नोएडा ट्रैफिक पुलिस ने एक अनूठी पहल की। सड़क हादसों को रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने शहर के प्रमुख चौराहों और बस अड्डों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया। दोपहिया सवार महिलाओं को रोककर वाहन का चालान करने के बजाए उन्हें हेलमेट देकर सड़क सुरक्षा के महत्व के बारे में जागरूक किया। ट्रैफिक पुलिस से रक्षा बंधन पर उपहार में हेलमेट पाकर महिलाओं के चेहरे खिल उठे। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस का धन्यवाद कर भविष्य में दोपहिया से यात्रा के दौरान हेलमेट पहने का भरोसा दिया। पहल की लोगों ने सराहना की करके एक सकारात्मक कदम बताया। ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि ऐसे अभियान भविष्य में भी चलाए जाएंगे जिससे सड़क पर होने वाले हादसों में कमी लाई जा सके।बहनों को उपहार देते हुए नो चालान-डे मनाया डीसीपी ट्रैफिक यमुना प्रसाद का कहना है कि पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह के निर्देश पर रक्षा बंधन पर सभी बहनों को उपहार देते हुए नो चालान-डे मनाया। जिले के 11 चौराहों पर रक्षा बंधन के दिन अभियान चलाकर एक हजार से अधिक महिलाओं को हेलमेट वितरित किए गए। सेक्टर-37, सेक्टर-62, परी चौक सहित अन्य चौराहों पर अभियान चलाया गया। राखी बांधने के लिए जा रही महिलाओं को हेलमेट वितरित अभियान के दौरान पति, बहन, स्वजन, रिश्तेदारों के साथ दोपहिया पर पीछे बैठकर भाई को राखी बांधने के लिए जा रही महिलाओं का चालान करने के बजाए उन्हें हेलमेट वितरित कर यातायात नियमों का पालन करने की सीख दी। स्वयं स्कूटी चलाकर भाईयों को राखी बांधने के लिए जा रही महिलाओं को भी हेलमेट वितरित किए गए। सभी बहनों को समझाया गया कि सड़क दुर्घटनाओं से जीवन रक्षा हेतु हेलमेट अवश्य पहने। अपने भाई व परिवार के सदस्यों को भी बिना हेलमेट के वाहन नहीं चलाने दे। जिससे उनका जीवन सुरक्षित रहे। रक्षा बंधन के दिन जिन दोपहिया वाहनों में महिलाएं सवार रहीं। उन वाहनों के चालान नहीं किए गए। उनको यातायात नियमों के बारे में जागरूक करते हुए नियमों का पालन करने हेतु प्रेरित किया गया। किसी भी महिला को वाहन चेकिंग के नाम परेशान नहीं किया गया। उन्हें हेलमेट पहनने के फायदे गिनाए जा सके।

शाहजहांपुर जेल में पेश की विश्व बंधुत्व एवं सर्वधर्म समभाव की मिसाल

संस्कार उजाला

जनपद शाहजहांपुर

शाहजहांपुर जेल में विगत 2 दिनों से रक्षाबंधन का पावन पर्व धूम-धाम से मनाया जा रहा है जिसमें बनियों द्वारा विश्व बंधुत्व एवं सर्वधर्म समभाव का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया गया है । दिनांक 18/08/2024 को कारागार में निरुद्ध बंदियों को रक्षा सूत्र बांधने एवं मुंह मीठा कराने के लिए सामाजिक, व्यापार मंडल व ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय से बहनें उपस्थित हुईं। जिसमें इच्छुक बंदी राखी बंधवाने उपस्थित हुए जिसमें देखा गया कि अफ्रीकी, नेपाली बंदी भी शामिल थे, सुखद अनुभूति तब हुई जब देखा गया कि अफ्रीकी बंदी के जब ब्रह्मा कुमारी बहनों द्वारा तिलक किया गया तो उसने उनका चरण स्पर्श किया। प्रफुल्ल मुद्रा में राखी बंधवाई और प्रसाद रूप में मिष्ठान ग्रहण किया। नेपाली बंदियों द्वारा भी राखी बंधवाई और प्रसाद रूप में मिष्ठान ग्रहण किया। इसके साथ ही साथ कारागार में बंद अनेक मुस्लिम, सिक्ख समुदाय के बंदियों द्वारा तिलक लगवाकर राखी बंधवाई और प्रसाद रूप में मिष्ठान ग्रहण किया। इस अवसर पर इनरव्हील क्लब, सहयोग संस्था, वीआईपी ग्रुप व ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की बहनों व भाइयों द्वारा अधिकारियों, कर्मचारियों व बंदियों को राखी बांधी और मुंह मीठा कराया। महिला बंदियों को फल व मिष्ठान वितरण किया तथा महिला बंदियों के साथ रह रहे बच्चों को गिफ्ट भेंट किए। आज रक्षाबंधन पर्व पर बाहर से आने वाली बहनों को उनके भाइयों से मुलाकात हेतु विशेष व्यवस्था की गई है। पुलिस अधीक्षक व प्रतिसार निरीक्षक से अनुरोध कर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है साथ ही जेल स्टाफ को भी तैनात किया गया है ताकि बहनों को उनके भाइयों से मुलाकात करने में असुविधा न हो। आज प्रात: काल 7 बजे से ही बहनों को मुलाकात करने की व्यवस्था की गई। 50-50 की टोली बनाकर मुलाकात कराई जा रही है। ताकि सभी बहनें अपने भाइयों से ठीक से मुलाकात कर सकें। सभी के लिए सरबत की व्यवस्था की गई है ताकि गर्मी में किसी को कोई दिक्कत न हो। अनेक बहनें अपने भाइयों से मिलकर भावुक होकर रोते हुए देखी गई। अब तक समय 1 बजे तक 800 बहनें अपने भाइयों से मिलकर रक्षा सूत्र बांध चुकी है। सायंकाल तक 1000 बहनों के आने का अनुमान है। आज रक्षाबंधन पर्व के विशेष अवसर पर मुलाकात के लिए कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की गई है जब तक भी कोई बहन मिलने के लिए जेल पर उपस्थित होगी उसे निराश होकर नहीं लौटने दिया जाएगा। भारतीय परम्परा है कि हर घर में त्योहार पर पूड़ी पकवान बनाए जाते हैं,उसी तर्ज पर कारागार में बंद बंदियों को भी आज भोजन में पूड़ी, हलवा व विशेष सब्जी परोसी जाएगी ताकि जेल में रहते हुए भी वे त्योहार का अनुभव कर सकें।

गाजियाबाद कोलकाता बिहार सहित बहुत सारे शहरों में बच्चियों के साथ में होने वाले आपराधिक मामलों के खिलाफ एक कैंडल मार्च निकाला गया।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) डॉ बी पी त्यागी समाजसेवी पंकज शर्मा बसपा नेता, गंगा शरण बबलू एडवोकेट एवं सार्वजनिक समिति शिवबनपुरा यूथ एसोसिएशन पटेल नगर सेकंड बी ब्लॉक डॉ बी पी त्यागी बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष दयाराम एवं क्षेत्र के अन्य चिकित्सक शिक्षक महिलाएं सोशल वर्कर शामिल रही कैंडल मार्च का आयोजन बाबा साहब की प्रतिमा पटेल मार्ग से फवारा चौक तक किया गया गंगा चरण बबलू भाई एडवोकेट विकास कुमार एडवोकेट प्रदीप कुमार राजकुमार जी रामपाल जी हेमंत कुमार जी संध्या गुप्ता शालिनी शर्मा सुरभि साहनी संस्कार शर्मा गोपाल गॉड उमेश सिन्हा मनीष शर्मा मनीष आनंद सोनू आनंद शाहिद सैकड़ो साथी कार्यक्रम में शामिल रहे।

मेरठ साउथ से साहिबाबाद के लिए दौड़ी नमो भारत ट्रेन

संस्कार उजाला

गाजियाबाद। मेरठ साउथ से साहिबाबाद तक के लिए रविवार यानी 18 अगस्त से नमो भारत ट्रेन की शुरूआत हो चुकी है। यात्रियों ने पहली यात्रा करने का रोमांचक आनंद लिया। मेरठ साउथ से 160 किमी की गति पकड़ते हुए 29 मिनट में ही ट्रेन 42 किलोमीटर दूर साहिबाबाद पहुंच गई। मेरठ साउथ यानी भूडबराल से जब साहिबाबाद के लिए पहली रैपिड रेल रविवार को निकली तो सबसे ज्यादा खुश बुजुर्ग यात्री नजर आए।ट्रेन का परिचालन होने से त्योहार पर खर्च की बचत रक्षाबंधन से एक दिन पहले नमो भारत ट्रेन का परिचालन शुरू होने से यात्रियों में खुशी का माहौल दिखा। उनका कहना था कि नमो भारत ट्रेन चलने से न सिर्फ व अब जल्द ही मेरठ तक का सफर कर सकेंगे। बल्कि समय और धन की बचत होगी। ऐसे में उनको त्योहार पर होने वाले अतिरिक्त खर्च से भी छुटकारा मिलेगा। मेरठ से साहिबाबाद के बीच आवागमन के लिए मेट्रो की सुविधा उपलब्ध नहीं है। नमो भारत ट्रेन का परिचालन शुरू होने से पहले बस, ट्रेन ही प्रमुख रूप से सार्वजनिक परिवहन साधन थे। महंगे किराये से लोगों को मिली राहत त्योहारों के अवसर पर ट्रेन, बस में सवारियों की संख्या अधिक होने के कारण इन वाहनों में सफर करने के लिए समय अधिक खर्च करना पड़ता था, सार्वजनिक साधन में यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण सीट न मिलने पर लोगों को निजी वाहन या प्राइवेट टैक्सी बुक करके आवागमन करना पड़ता है, जिसमें अधिक खर्च होता है।त्योहारों के अवसर पर दाम भी प्राइवेट टैक्सी चालकों द्वारा अधिक वसूले जाते हैं। अब नमो भारत ट्रेन का परिचालन शुरू होने से इस तरह की समस्या का लोगों को सामना नहीं करना पड़ेगा। 15 मिनट के अंतराल पर मिलेगी ट्रेन तेज रफ्तार से चलने वाली नमो भारत ट्रेन सुबह छह बजे से रात दस बजे तक अपने संचालित स्टेशन (साहिबाबाद, गाजियाबाद, गुलधर, दुहाई, मुरादनगर नार्थ, मुरादनगर, मोदीनगर साउथ, मोदीनगर नार्थ , मेरठ साउथ) पर यात्रियों के लिए 15 मिनट के अंतराल पर उपलब्ध रहेगी। कितने रुपये है किराया? नमो भारत के मेरठ साउथ स्टेशन से साहिबाबाद स्टेशन तक स्टैंडर्ड कोच में सफर करने पर 110 रुपये और प्रीमियम कोच में सफर करने पर 220 रुपये का किराया लिया जाएगा। नमो भारत का गाजियाबाद स्टेशन मेट्रो के नया बस अड्डा शहीद स्थल स्टेशन से चंद कदम दूर है, ऐसे में यात्री यहां से मेट्रो में बैठकर दिल्ली तक भी आवागमन कर सकते हैं।

गाजियाबाद राजनगर एक्सटेंशन रिवर हाइट में राखी का त्योहार ए ओ ए के सचिव सुबोध त्यागी ने मनाया बड़ी ही धूमधाम से रक्षाबंधन।

संस्कार उजाला

गाजियाबाद(आशा चौधरी)

राज नगर एक्सटेंशन स्थित रिवर हाइट में सुबोध त्यागी से रक्षाबंधन पर जब हमने बातचीत की तो बताया की रक्षाबंधन किस दिन मनाया जाता है।उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। तभी से यह रक्षा बंधन का त्योहार प्रचलन में हैं। अर्थात जिस रक्षा सूत्र से महान शक्तिशाली दानवेन्द्र राजा बली को बांधा गया था, उसी रक्षा सूत्र से मैं बहन भाई को रक्षा सूत्र के धागे बाधती हैं। सुबोध त्यागी ने रक्षाबंधन मनाने का कारण क्या है यह भी बताया बताते चलें युद्ध में पांडवों की जीत को सुनिश्चित करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने युद्धिष्ठिर को सेना की रक्षा के लिए राखी का त्योहार मनाने का सुझाव दिया था। वहीं अभिमन्यु युद्ध में विजयी हों, इसके लिए उनकी दादी माता कुंती ने भी उनके हाथ पर रक्षा सूत्र बांधकर भेजा था सुबोध त्यागी नेरक्षाबंधन की शुरूआत कैसे हुई थी?पौराणिक कथाओं में है जिक्र इसे देख पांचाली द्रौपदी से रहा नहीं गया और उन्होंने अपने पल्लू का कुछ भाग फाड़कर श्रीकृष्ण की अंगुली पर बांध दिया, जिससे उनका रक्तस्राव रूक गया। श्रीकृष्ण ने द्रोपदी को अपनी बहन माना और उनकी रक्षा का वचन दिया *सुबोध त्यागी ने रक्षाबंधन का महत्व बताते हुए बताया कि रक्षा बंधन का महत्व*भाई की कलाई पर राखी बांधना बहन की ओर से स्नेह और सुरक्षा का प्रतीक है, और परिणामस्वरूप, भाई उसकी रक्षा करने का वचन देता है। भाई अक्सर अपनी बहनों को पैसे या उपहार देकर उनके प्रति अपना प्यार दिखाते हैं। यह उत्सव पारिवारिक सुरक्षा का समर्थन करता है और एकजुटता और जिम्मेदारी की भावना की सराहना करता और भाई के अटूट प्रेम को दशार्ता है रक्षाबंधन।

गाजियाबाद थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक, जॉन देहात, पुलिस कमिश्नररेट रोड पर फैले मास में गौवंश के मास का संदेह होने पर वाहन को सीज

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी) अंतर्गत वाहन में पाए गए गौवंश मांस संदेह के दिनांक 19/अगस्त/2024 प्रातः तकरीबन 8:30 बजे विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल द्वारा दी गई जानकारी पर स्थित ए.बी.ए.एस. कॉलेज बाई पास एनएच 9 पर एक वाहन जिसका अचानक संतोलन बिगड़ने के कारण पलटने के दौरान उसमें मौजूद संपूर्ण मास रोड पर आ गिरा जिसकी बजरंग दल महानगर संयोजक प्रबल गुप्ता तथा सूचना स्थल के नजदीकी मौजूद भीम नगर प्रखंड, लाल कुआं प्रखंड, विजय नगर प्रखंड एवं प्रताप विहार प्रखंड के समस्त कार्यकर्ता अधिकारीगण सूचना स्थल पर शीघ्र ही जा पहुंचे मौके स्थल पर खड़े स्थानीय प्रशासन थाने के पुलिसकर्मी एवं सहायक पुलिस आयुक्त से रोड पर फैले मास में गौवंश के मास का संदेह होने पर वाहन को सीज करवा मौजूद दोनों मुस्लिम व्यक्तियों पर प्रशासन द्वारा मुकदमा दर्ज करवाकर गाजियाबाद पशुपालन विभाग को सूचित करवाकर मास की सैंपलिंग करवाई गई जिससे गोवंश का मांस स्पष्ट हो सके। जिसके बाद मास को सम्मान सहित भूमिगत करवाया गया इस घटना को लेकर क्षेत्र के समस्त व्यक्तियों एवं अन्य हिन्दू संगठनों में बहुत आक्रोश था जिसके उपरांत मामले को स्वयं संज्ञान में रखते हुए। विश्व हिन्दू परिषद् गौरक्षा प्रमुख गौपुत्र विशाल भारद्वाज द्वारा इस प्रकरण में जरा भी ढील न देते हुए थाने पहुंच पुलिस उपायुक्त देहात एवं सहायक पुलिस आयुक्त के समक्ष वार्ता करने पर जानकारी साझा हुई कि मास से भरा वाहन डासना की तरफ से आ रहा था जोकि दिल्ली की ओर ले जाया जा रहा था, फिलहाल में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल को इस घटना के संबंध में आवश्यक कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया गया है।

गाजियाबाद में नगर आयुक्त को अंधेरे में रख कर मुख्य कर अधिकारी पार्किंग संचालकों के माध्यम से खुलेआम करवा रहे शहरवासियों से अवैध उगाही

संस्कार उजाला

गाजियाबाद(आशा चौधरी) उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष अवधेश शर्मा ने आरडीसी में नगर निगम द्वारा अधिकृत पार्किंग में की जा रही अवैध वसूली की शिकायत सबूतों के साथ की गई जिस पर पार्किंग प्रभारी ने कोई कार्यवाही नहीं की शनिवार व रविवार को आरडीसी में पार्किंग संचालक तय शुल्क से ज्यादा पैसे वसूलते है बाकायदाअवैध वसूली की पर्ची भी देते हैमुझे एक बात समझ में नहीं आ रही पर्ची पर लिखा है शनिवार रविवार 50 और वैसे बाकी दिन लिखा है 40उमर वाहन चोरी होता है तो उसकी कोई जिम्मेदारी नहीं है अब समझना यह है की जो आदमी पार्किंग दे रहा है उसकी गाड़ी चोरी कैसे हो सकती है अगर चोरी हो भी जाती है तो किसकी मिली भगत होगी पार्किंग वालों की ऐसी पार्किंग को तत्काल निरस्त कर देना चाहिए जो ठेके के नाम पर पार्किंग भी ले रहा है और गाड़ी चोरी होने की आशंका भी जता रहा है इसे कहते हैं अंधेरगर्दी चौपट राजा जहां नगर निगम अधिकारियों की देखरेख में पनप रहा है कालाबाजारी करप्शन यह साफ देखा जा सकता है।

संक्षिप्त डायरी

जनपद हापुड़/बहन भाई के प्यार के पर्व रक्षाबंधन पर रक्षा सूत्र का हक अदा करने हापुड़ पहुंचे पवन जल्लाद

संस्कार उजाला

हापुड़ नगर कोतवाली क्षेत्र के मौहल्ला कोटला फूलगढी में भाई बहन के प्यार के त्योहार रक्षाबंधन पर्व पर रक्षा सूत्र बंधवाने का हक अदा करने पहुंचे पवन जल्लाद। बता दे कि आत्माओं को झकोर कर रख देने वाले देश की राजधानी दिल्ली में हुए निर्भया हत्याकांड के आरोपियों को माननीय न्यायालय के द्वारा फांसी की सजा सुनने के उपरांत आरोपियों को फांसी लगाने वाले पवन जल्लाद भाई बहन के पवित्र प्यार भरे रक्षाबंधन पर्व पर अपनी बहन से राखी बंधवाने के लिए हापुड़ नगर कोतवाली के मौहल्ला कोटला फूलगढी पहुंचे। और बहन से राखी बंधवा कर हमेशा रक्षा करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर पूर्व सभासद ब्रजेश भैया राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतीय मानव अधिकार ट्रस्ट भी उपस्थित रहे।

जनपद हापुड़/सदर विधायक ने स्कूल आने-जाने में असमर्थ 40 छात्राओं को साइकिल भेंट कर किया हौसला अफजाई

संस्कार उजाला

अमित शर्मा हापुड़ सदर विधायक विजयपाल सिंह आढ़ती ने रक्षाबंधन के पावन पर्व पर स्कूल आने जाने में असमर्थ छात्राओं को साइकिलें भेंट कर उनका हौसला अफजाई किया। बता दें कि हापुड़ शहर विधायक विजयपाल सिंह आढ़ती की गरीब मजदूर मजलूमों की लड़ाई लड़ने और उनकी आर्थिक मदद करने को लेकर शहर के जनप्रिय हर दिल अजीज नेताओं में गिनती होती है। जिनके द्वारा बेरोजगार निराश्रित महिलाओं को सिलाई मशीनों का भी वितरण किया गया था। इसी क्रम में स्कूल आने जाने में असमर्थ स्कूली छात्राओं की समस्या को देखते हुए सदर विधायक विजयपाल सिंह आढ़ती के द्वारा अपने कार्यालय पर भाई बहन के पवित्र अटूट प्रेम रक्षा बंधन पर्व के अवसर पर 40 स्कूल ही छात्रों को साइकिलें भेंट की गई। जिसमें साइकिल मिलने पर स्कूली छात्राओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष सुनील वर्मा दिनेश त्यागी पवन गर्ग चौधरी जिनेंद्र सुधीर गोयल हेमंत सैनी वैभव त्यागी राकेश कुमार सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है रक्षाबंधन कु .अदिति

संस्कार उजाला

अमित शर्मा जनपद हापुड़ गढ़मुक्तेश्वर भारतीय संस्कृति के अनुसार रक्षाबंधन का पर्व श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाइयों पर राखी बांधती हैं और रक्षाबंधन के दिन बहने भगवान से अपने भाइयों की तरक्की के लिए भगवान से प्रार्थना करती है। यह त्यौहार भाई-बहन को स्नेह की डोर में बांधता है। तुलसा कश्यप ने बताया कि रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के प्यार में भाइयों द्वारा बहनों की रक्षा के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाईयों के मस्तक पर टीका लगा रखा का बंधन बनती है। और उन्हें मिठाईयां खिलाती है। भाई इस दिन से बहनों की रक्षा का वचन देते हैं। और राखी कच्चे सूत जैसे सस्ती वस्तु से लेकर रंगीन कलावे, रेशमी धागे, तथा सोने या चाँदी जैसी मँहगी वस्तु तक की हो सकती है। रक्षाबंधन भाई बहन के रिश्ते का प्रसिद्ध त्योहार है। रक्षा का मतलब सुरक्षा और बंधन का मतलब बाध्य है।जिसे राखी कहते हैं। रक्षाबंधन के दिन भाई अपने बहन को राखी के बदले कुछ उपहार देते है। जिसमें उपस्थित अदिति,कार्तिक,अनोखी,निकुंज, विशु,वाशु,राघव, आरुष,शिवांश, दीपू,तनुज,आदि सम्मिलित रहे।

जनपद हापुड़/गढ़मुक्तेश्वर की चटाई मेकर महिला को राष्ट्रपति पुरस्कार से किया गया सम्मानित

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़ मुक्तेश्वर में चटाई बनाकर अपने परिवार का भरण पोषण करने वाली महिला को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति पुरस्कार से किया गया सम्मानित। महिला के परिजन हुए उत्साहित। बता दे कि कोतवाली गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मोहल्ला चटाई वाला निवासी संतोष देवी अपने पुश्तैनी काम को बखूबी अंजाम देते हुए चटाई बुनकर अपने परिवार का भरण पोषण करती हैं। जिनके द्वारा निर्मित की गई चटाईयो विदेश में मांग बढ़ने के चलते देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में भी गढ़मुक्तेश्वर तीर्थ नगरी में होने वाले चटाई एवं मूढे निर्मित हस्तकला इस उद्योग धंधे को प्रोत्साहित करने की बात कही थी। जिसके चलते 14 अगस्त को संतोष देवी के पास राष्ट्रपति भवन से फोन आया और उन्हें दिल्ली राष्ट्रपति भवन बुलाया गया। जहां देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति ने उनको स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया है। वही संतोष देवी और उनके बेटे रविकांत ने बताया कि मौहल्ला चटाई वाला में उनके पूर्वजों के समय से यह पुश्तैनी कार्य होता चला आ रहा है। और इस समय वह भी चटाई बनाकर बिक्री कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। जिसके चलते 14 अगस्त को उन्हें दिल्ली राष्ट्रपति भवन बुलाया गया था। जहां हमसे राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने हमारे द्वारा बनाई जाने वाली चटाई कार्य की सराहना करते हुए। हमसे बातचीत की और कुशल छेम पूछने के उपरांत राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। हमने कभी सपने में भी नहीं सोचा था। कि हमारे कार्य की देश के प्रधानमंत्री के द्वारा इतनी सराहना की जाएगी और सम्मानित किया जाएगा

मूल्य और आत्मीय मर्यादाओं को बंधन में बंदकर मानवता की सेवा का दिवस है रक्षा बंधन।

रक्षा बन्धन के पावन पर्व की हार्दिक शुभकामना एवं बधाईयाँ

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

सोनभद्र। ब्रह्माकुमारी संस्था की ओर से जिले के विभिन्न स्थानों पर एक सप्ताह तक रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया। ब्रह्माकुमारी बहनों ने जिला कारागार में कैदियों एवं अन्य लोगों की कलाई में रक्षा सूत्र बांधकर सकारात्मक जीवन जीने का संकल्प दिलाया। ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की केंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी सुमन बहन ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संस्था में रक्षाबंधन का त्योहार मूल्य और आत्मीय मर्यादाओं को बंधन में बंदकर मानवता की सेवा के दिवस के रूप मे मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मर्यादाओं का बंधन मनुष्य जीवन में रोग, शोक और विकारों को मुक्त कर देता है। मन निर्मल विकारों से मुक्त हो जाता है, क्योंकि यह पर्व मनुष्य आत्माओं को उच्च नैतिक मर्यादाओं के बंधन में बंद कर सर्वनारी जगत की रक्षा करने का दिव्य संदेश देता है। इसी संकल्प को लेकर रक्षाबंधन का त्योहार विभिन्न स्थानों पर मनाया गया। उन्होंने कहा कि रक्षा बंधन पर्व के उपलक्ष्य में एक सप्ताह तक कार्यक्रम चलाया गया। 13 अगस्त को ओबरा, 14 अगस्त को दुद्धी , 15 अगस्त को रेनूकुट मे समाज के बुद्धिजीवी वर्ग को राखी राखी बांधकर विकारों के दान का संकल्प पत्र लिया गया। 16 अगस्त को ब्रह्माकुमारी सेवाकेंद्र रॉबर्ट्सगंज की सेवा केंद्र संचालिका बीके सुमन बहन के नेतृत्व में जिला चिकित्सालय लोढी रॉबर्ट्सगंज में 130 रोगियों के साथ, चिकित्सको, नर्सो एवं स्टाफ को राखी बाँधी गई। 17 अगस्त को पत्रकार भाई बहनों को राखी बांधी गई। वहीं रविवार को ब्रह्माकुमारी सुमन बहन के नेतृत्व में ब्रह्मकुमारी बहनों द्वारा गुर्मा स्थित जिला कारागार में लगभग 400 कैदियों को राखी बांधकर प्रसाद वितरण करके मानवीय कमजोरी और मनोविकारों को दान करने का संकल्प दिलाया गया। जेल अधीक्षक सौरभ श्रीवास्तव तथा जेलर जेपी दुबे के सहयोग से ब्रह्माकुमारी बहनों ने कैदियों को जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने में ईश्वरीय ज्ञान और राजयोंग की भूमिका को स्पष्ट किया। इसके पश्चात मारकुण्डी स्थित वृद्ध आश्रम में 25 पुरुष और 20 महिलाओं को राखी बांधने के बाद ईश्वरीय संदेश दिया गयो 19 अगस्त को रॉबर्ट्सगंज सेवा केंद्रपर समाज के सभी बुद्धिजीवी वर्ग को राखी बांधकर मानवीय कमजोरियो के दान का संकल्प पत्र लिया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में बीके प्रतिभा बहन,बीके सीता बहन, सरोज बहन,कविता बहन, दीपशिखा बहन, अवधेश भाई, हरिन्द्र भाई का सहयोग रहा।

21 अगस्त को BSP ने किया भारत बं द का समर्थन।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

सोनभद्र। आप सभी जनपद सोनभद्र के बहुजन समाज पार्टी के पदाधिकारियों , कार्यकताओं को सूचित किया जाता है की माननीय बहन कु0मायावती जी राष्ट्रीय अध्यक्ष बसपा पूर्व मुख्यमं त्री (उत्तर प्रदेश)पूर्व सां सद राज्यसभा के निर्देश पर दिनां क 21 अगस्त को एस0सी0 एस 0टी 0 के आरक्षण में वर्गीकरण के खिलाफ भारत बं द के समर्थन में बहुजन समाज पार्टी के सभी कार्यकर्ता गण , जिला कमेटी, बीवी एफ कमेटी, बामसेफ कमेटी ,विधान सभा कमेटी ,जोन कमेटी ,सेक्टर कमेटी , एवं पार्टी के पूर्व पदाधिकरण एवं समर्थक गण अपने अपने साधनों से अधिक से अधिक सं ख्या में रामलीला मैदान राबर्ट्स गं ज में सुबह 10 बजे उपस्थित होकर शां ति पूर्वक अनुशासित तरीके से जिला डीएम कार्यालय सोनभद्र पहुं चकर ज्ञापन दिया जाएगा । उक्त कार्यक्रम की तैयारी हेतु दिनां क 20 अगस्त 2024 को समय दोपहर 12:00 बजे कार्यक्रम की तैयारी हेतु अति आवश्यक बैठक डा0 अम्बेडकर भवन पुसौली में किया जाएगा। जिसमे आप सभी उक्त बातों को ध्यान में रखते हुए जिला एवं विधान सभा के महत्व पूर्ण पदाधिकारी उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु आप सबकी उपस्थिति अनिवार्य हैं ।

संक्षिप्त डायरी

धम्म देशना कर पाखंड से दूर होकर तथागत बुद्ध के विचारो पर चलने पर जोर दिया

संस्कार उजाला सहारनपुर

नागल. क्षेत्र के गांव दनियालपुर उर्फ नौजली स्थित संत शिरोमणि सतगुरु रविदास मंदिर प्रांगण में धम्म देशना का आयोजन किया गया। धम्म देशना करते हुए बनारस से पहुंचे भंते विनोबाचार्य ने कहा कि आज देश के अंदर पाखंड व अंधविश्वास के नाम पर लोगो को बहकाकर प्रार्थना के नाम पर धर्म परिवर्तन कराया जा रहा है अगर प्रार्थना से सब ठीक होता है तो फिर एक प्रार्थना देश में समानता की भी करा दीजिए ताकि जाति के नाम पर शोषण बंद हो सके। उन्होंने सभी से तार्किक आधार पर तथागत गौतम बुद्ध के विचारो पर चलने और अंधविश्वास से दूर होने तथा भारतीय संविधान के जनक बाबा साहब डॉ० भीमराव अंबेडकर के पद चिन्हों पर चलने की बात कही। भिक्षुणी धम्मनंदा, बौद्धाचार्य मोदीमल तेगवाल व किशोर पाल ने भी विचार रखे। अध्यक्षता भंते करूणा सागर ने तथा संचालन सुमित बौद्ध ने किया। इस दौरान महात्मा राजकुमार दास कलालटी, स्वराज दास, भीम भरोसे, अविन डोगरा, शुभम डोगरा, संजय मास्टर, बिजनेश, मोनू कुमार, सोरन डोगरा व मांगेराम मौर्य समेत आदि मौजूद रहे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया रक्षाबंधन का त्यौहार बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांध की दीघार्यु की कामना

संस्कार उजाला

भवानी सैनी बेहट। कस्बे सहित ग्रामीण क्षेत्र में भाई बहन के प्यार का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी और उनके दीर्घ जीवन की कामना की। भाइयों ने बहनों को आजीवन उनकी रक्षा करने का वचन दिया। सोमवार को रक्षाबंधन का त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। रक्षाबंधन के त्यौहार को लेकर भाइयों एवं बहनों में उत्साह नजर आया। बहनों ने भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनका मुंह मीठा कराते हुए उनके दीर्घायु की कामना की। भाइयों ने भी अपनी बहनों को मन चाहे उपहार भेंट करते हुए हमेशा उनकी रक्षा करने का वचन दिया। पंडितों ने भी यजमानों को रक्षासूत्र बांधा। घरों में विभिन्न प्रकार के पकवान बनाए गए और मंदिरों में पूजा अर्चना कर राखी बांधी गईं। बाजारों में मिठाई की दुकानों में काफी भीड़ रही। बहनों और भाइयों का एक दूसरे के घर आने जाने का सिलसिला सुबह से ही शुरू हो गया था जो देर शाम तक चला। कस्बे में सजी राखी की दुकानों पर भी बहनों की भारी भीड़ दिखाई दी और वह अपने भाइयों के लिए मनपसंद राखी खरीदती नजर आई। दिनभर वाहनों का आवागमन अधिक रहा। सुरक्षा को लेकर भीड़ भाड़ वाले इलाकों मे यूलिस तैनात रही।

ABVP छात्रा कार्यकर्ता बहनो ने सुरक्षा कर्मी पुलिस एवं भूत पूर्व सैनिक को बांधी रक्षा सूत्र।

संस्कार उजाला

क्राईम ब्यूरो विकास कुमार हलचल।

ओबरा/सोनभद्र। अखिल भारतीय विधार्थी परिषद सोनभद्र के ओबरा नगर इकाई की छात्रा कार्यकर्ता बहनो के द्वारा समाज मे हमारी सुरक्षा करने वालों सुरक्षा कर्मी पुलिस एवं भूत पूर्व सैनिक जो हमारी सुरक्षा मे अपने परिवार से दूर रह कर अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहे हैं उन सुरक्षा कर्मियों को रक्षा सूत्र बांध कर भाई-बहन के मृदुल स्नेह के प्रतीक 'रक्षाबंधन' के पावन पर्व मनाया गया और बहनों की तरह लंबी उम्र की कामना की गई जिसमे प्रमुख रूप से सोनभद्र विभाग के विभाग सह संयोजक सौरभ सिंह (पंकज) नगर मंत्री ऋषभ राज, प्रीति, दिव्या,नेहा, सुमन, मधु, कृति पूर्व प्रदेश कर्यकार्णि सदस्य अनमोल सेठ, पूर्व तहसील संयोजक शिखर सोनी , अनिकेत सिंह , श्याम गिरी, नील प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

जनपद हापुड़/मेरठ फ्लाईओवर पर बस खराब होने पर लगा भयंकर जाम यातायात पुलिस जाम खुलवाने में जुटी

संस्कार उजाला

रक्षाबंधन के पर्व को लेकर वाहनों के आवागमन में बढ़ोतरी होने के चलते हापुर मेरठ फ्लाईओवर पर एक बस के खराब हो जाने के चलते वाहनों की लगी लंबी कतार भयंकर जाम में फंसे यात्री परेशान होते आए नजर। गाड़ी खराब होने की सूचना पर पहुंची यातायात पुलिस अथक प्रयास करते हुए जाम खुलवाने में जुटी।

जयहिंद ,वंदेमातरम का जो करते सम्मान नहीं,उनका हिंदुस्तान नही।

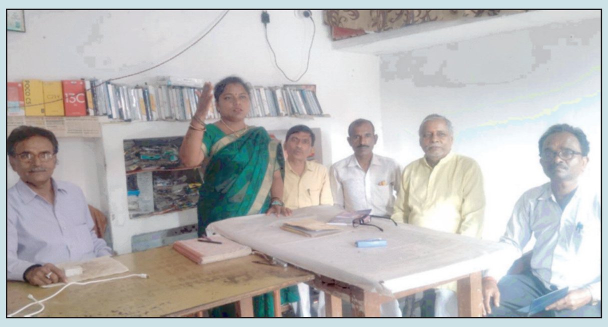

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के तत्वावधान में स्वतंत्रता दिवस सप्ताह के तहत कचहरी परिसर सोनभद्र में कौमी एकता व राष्ट्रीयता को समर्पित काव्यांजलि का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए दिवाकर द्विवेदी मेघ ने मां देवी के चित्र पर माल्यार्पण दीपदान कर विधिवत शुभारंभ किया। वाणी वंदना, मां है महफि ल सहारे तेरे तूं कहां, आ पुकारे तुम्हें तेरा बेटा यहां, दयानंद दयालू ने करते हुए अरदास किया।ओज की कवयित्री कौशल्या कुमारी चौहान ने अपनी रचना, जयहिंद वंदेमातरम् का जो करते सम्मान नहीं ,वे भारत माता के दुश्मन उनका हिंदुस्तान नहीं सुनाकर वाहवाही लूटी और सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। सुधाकर पांडेय स्वदेशप्रेम ने,, तिरंगे में सजे अर्थी बजे धुन राष्ट्र गीतों की, जनाजा जब मेरा निकले वतन के वास्ते निकले सुनाया और बलिदान की गाथा को नमन किया। संयोजन व संचालन कर रहे शहीद स्थल प्रबंधन ट्रस्ट करारी सोनभद्र के निदेशक प्रदुम्न त्रिपाठी एडवोकेट ने,पूजा जाये शहीदों को, खुदा की निस्बत, हम रहें ना रहें ,कायम ए हिंदुस्तान रहे,, सुनाकर देश को नमन किया और सराहे गए। वहीं दिवाकर द्विवेदी मेघ ने, आदमी कमोबेश आदमी तो बने,, व्यंग रचना सुनाकर श्रोताओं को सोचने पर बाध्य किया। शायर जुल्फिकार हैदर ने, डर जाता हूं खुद के वजूद से, न चाहत है न कोई आस है सुनायें और गंभीर शायरी कर आम आदमी की पीड़ा को रेखांकित किये। जयराम सोनी ने मां बाप से बढ़कर कोई भगवान नहीं,सुनाकर वाहवाही लूटी। धर्मेश चौहान एडवोकेट ने वीर रस की कविता , देश से बड़ा कुछ नहीं इंसान के लिए।सब कुछ समर्पित है मेरा हिंदुस्तान के लिए।सुनाकर लोगों में नवचेतना राष्ट्रीय अनुराग उत्साह जगाया। अंत में अध्यक्षता कर रहे मेघ कवि ने स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग बलिदान को रेखांकित कर वक्तव्य दिया और देश को सर्वोपरि मानते हुए सबको चलने की जरूरत बताया। इस अवसर पर जयशंकर त्रिपाठी, रिषभ, शिवमोचन, फारुख अली, हाशमी गुलाम हुसैन, हर्ष चौहान ,अनीषा चौहान आदि देर शाम तक जमे रहे।

लगातार उन्नतीसवें दिन किया गया रुद्राभिषेक।

संस्कार उजाला

ब्यूरो चीफ सोनभद्र अरविन्द गुप्ता।

रामगढ़/सोनभद्र। कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में श्रावण मास में लगातार उन्नतीसवें दिन सोमवार को रुद्राभिषेक किया गया। इस दौरान समूचा शिव मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया। यह रुद्राभिषेक कार्यक्रम समूचे सावन माह तक चला। इसके अलावा प्रतिदिन भिखारी बाबा द्वारा शिवपुराण कथा सुनाई गई। सावन माह में लगातार उन्नतीसवें दिन सोमवार को रेवती तिवारी, प्रियंका उमर वैश्य, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्य, परमानंद मौर्य, शिव शक्ति महिला मंडल की विमला देवी,डॉक्टर विजय, उर्मिला देवी, शैलेश श्रीवास्तव, विनीता श्रीवास्तव, प्रियांशी केशरी, आकृति केशरी, रवि शंकर उमर बैश्य, सुनीता उमर बैश्य, कुमारी निधि, इन्द्रपति, मोहन पांडेय, मुन्ना बाबा को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य राधे कृष्ण तिवारी ने रुद्राभिषेक पूजन कराया। भिक्षुक रमाशंकर गिरी उर्फ भिखारी बाबा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल की ओर से प्रतिदिन सावन माह भर रुद्राभिषेक किया गया। इसके अलावा उनके द्वारा प्रतिदिन शिवपुराण कथा श्रवण कराई गई। कालो देवी, हीरा,सुखराम महाराज, राजेंद्र जी महाराज, मुन्ना महाराज, लाला महाराज समेत तमाम भक्तों ने पूजन अर्चन किया। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।

डीएम-एसएसपी ने पुलिस भर्ती परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

कमांड कंट्रोल रूम एवं सीसीटीवी कैमरों को देखा

❂परीक्षा केंद्रों पर परीक्षार्थियों के लिए समस्त उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

❂राजकीय इंटर कॉलेज सहारनपुर का पूर्ण पता राजकीय इंटर कॉलेज नेहरू मार्केट एवं राजकीय कन्या इंटर कॉलेज का राजकीय कन्या इंटर कॉलेज गवर्नमेंट फील्ड निकट जोगियान पुल है

संस्कार उजाला ब्यूरो

सहारनपुर उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा पूर्ण शुचिता एवं पारदर्शिता से सम्पन्न हो इसके लिए सोमवार को जिला मजिस्ट्रेट श्री मनीष बंसल और वरिष्ट पुलिस अधीक्षक श्री रोहित सिंह सजवान ने बनाए गए परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने गुरुनानक गर्ल्स इंटर कॉलेज, महाराज सिंह कालेज चकराता रोड, एसडी इण्टर कालेज चकरोता रोड और राजकीय इण्टर कालेज कैलाशपुर का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा केंद्र पर परीक्षार्थियों के लिए पेयजल की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर प्रधानाचार्य कक्ष में बने कमांड कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर कक्षाओं में लगे सीसीटीवी कैमरे की पोजीशन को भी देखा। उन्होंने निर्देशित किया कि कंट्रोल रूम, कक्षाओं एवं परिसर में साफ सफाई का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आरक्षी नागरिक पुलिस भर्ती परीक्षा 23, 24, 25, 30 एवं 31 अगस्त को दो सत्रों में (प्रथम पाली- पूर्वाह्न 10 बजे से 12 बजे तक तथा द्वितीय पाली अपराह्न 3 बजे से 5 बजे तक) आयोजित की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी और जिला विद्यालय निरीक्षक हर्ष देव स्वामी मौजूद रहे। परीक्षा केंद्रों के पूर्ण पता की दी जानकारी डीएम ने बाहर से आने वाले अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो और सुलभ तरीके से अपनी परीक्षा केंद्र पर पहुंच सके इस हेतु यह जानकारी देते हुए बताया कि दिनांक 23, 24, 25, 30 और 31 अगस्त को होने वाली पुलिस भर्ती परीक्षा 2023 हेतु प्रस्तावित व निर्धारित परीक्षा केंद्र राजकीय इंटर कॉलेज सहारनपुर का पूर्ण पता राजकीय इंटर कॉलेज नेहरू मार्केट सहारनपुर है। ऐसे ही राजकीय कन्या इंटर कॉलेज सहारनपुर का पूर्ण पता राजकीय कन्या इंटर कॉलेज गवर्नमेंट फील्ड निकट जोगियान पुल सहारनपुर है।

संक्षिप्त डायरी

महिला चिकित्सक कांड के विरोध में कैंडल मार्च नागल में कैंडल मार्च निकालते क्षेत्रवासी

संस्कार उजाला

नागल। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में एक ट्रेनी महिला चिकित्सक के साथ दुष्कर्म के बाद की गई हत्या के विरोध में क्षेत्र के चिकित्सकों, मेडिकल स्टोर स्वामीयों व अन्य प्रबुद्ध जनों ने कस्बे में कैंडल मार्च निकाल मृतका को श्रद्धांजलि दी तथा दोषियों को कड़ी सजा दिलाई जाने व पश्चिम बंगाल सरकार को बर्खास्त किए जाने की मांग से संबंधित राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन थाना प्रभारी का सौंपा। रविवार शाम नागल डॉक्टर्स एसोसिएशन व नागल केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन सहित कई अन्य सामाजिक संगठनों से जुड़े लोग सर्वोदय हॉस्पिटल पर एकत्र हुए। जहां से सभी मौन धारण कर हाथ में मोमबत्ती लेकर एक रैली के रूप में बस स्टैंड, मेन बाजार, शिव चौक, रामलीला चौक होते हुए थाना पहुंचे जहां राष्ट्रपति महोदया को संबोधित एक ज्ञापन थाना प्रभारी ज्ञानेश्वर बौद्ध को सौंपा। बाद में ब्लॉक चौराहे पर एक श्रद्धांजलि सभा में 2 मिनट का मौन रख मृतका को श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान डॉ अनुज चौधरी, मुकर्रम अली, डॉ रविंद्र, संजीव विश्वकर्मा, डॉ विजय मलिक, डॉ रिजवान, विपिन मलिक, नमन शर्मा, डॉ अरविंद कुमार, दीपक गुप्ता, विनय कुमार, रामकुमार मलिक, विकास चौधरी, प्रमोद कुमार, विपिन हांडा, अशोक वत्स, आजाद सिंह, अनिल कुमार, विजय शर्मा, प्रमोद कुमार, आदि रहे।

लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की एक महत्वपूर्ण बैठक का हुआ आयोजन।

संस्कार उजाला

सहारनपुर। देवबंद नगर के मौहल्ला पठानपूरा बेरियान में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया. आयोजन का स्थान महिला मोर्चा की महक जन्नती के आवास पर मुकर्रर किया गया. जिसमें जिला अध्यक्ष सुखपाल सिंह ने महक जन्नती को महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष नियुक्त किया। इस अवसर पर लोक जनशक्ति पार्टी के मंडल अध्यक्ष मदन सिंह गौतम ने पार्टी को मजबूत करने के लिए चलो गांव की ओर राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान की भारत सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। रोजगार पर कार्यक्रम पार्टी का आयोजन किया गया लोक जनशक्ति पार्टी के पदाधिकारी ने बताया की मैं चिराग पासवान उस घर में दिया जलाने चला हूं जहां सदियों से अंधेरा है इस अवसर पर सैकड़ो लोगों ने सदस्यता ग्रहण की नवनियुक्त महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष महक जन्नती ने कहा कि मैं पार्टी में मजबूत निष्पक्ष तरीके से मेहनत करूंगी और पार्टी में लोगों को जोड़ने का काम करूंगी पार्टी को मजबूत बनाने का भी उन्होंने वादा किया। कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष माननीय श्री सुखपाल सिंह. मंडल अध्यक्ष श्री मदन सिंह गौतम. श्री राधेश्याम. अली मोहम्मद. मशहूर आलम. अबुजर गफ्फारी आदि सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना के विरोध में वैश्य अग्रवाल सभा समन्वय समिति की महिलाओं ने किया प्रदर्शन।

महाराजा अग्रसैन चौक
डॉ. मोमिता देबनाथ को भावभीनी श्रद्धांजलि

संस्कार उजाला

सहारनपुर। वैश्य अग्रवाल सभा समन्वय समिति की महिला इकाई ने जिला अध्यक्ष श्रीमती कुसुम अग्रवाल जी के नेतृत्व में सैकड़ों महिलाओं तथा समन्वय समिति के पदाधिकारियों ने पश्चिम बंगाल में महिला डॉक्टर के साथ हुई घटना के विरोध में रेलवे-स्टेशन के निकट अग्रसेन चौक सहारनपुर पर प्रदर्शन कर दोषियों को फांसी देने की मांग की तथा कैंडल जलाकर-2 मिनट का मौन रखा प्रदर्शन में जिला अध्यक्ष श्रीमती कुसुम अग्रवाल जी ने कहा कि हमारी बहन बेटियों के साथ आए दिन बलात्कार व हत्याएं जैसी घटनाएं घटित हो रही हैं. सरकार को इन सभी दरिंदों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई कर फांसी की सजा दिलाने का प्रावधान करना चाहिए। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष पवन गोयल जी ने इस घटना की घोर निंदा करते हुए दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से महामंत्री रवि गुप्ता, जिला उपाध्यक्ष नरेश गोयल,आईवीएफ के जिला अध्यक्ष सुनील गुप्ता जी, ए आईवीएफ के महानगर अध्यक्ष बृजेश गुप्ता जी, महिला महानगर अध्यक्षा अनुभा सिंगल, जिला कोषाध्यक्षा श्रुति सिंगल, डॉ रेनू अग्रवाल, रंजना सिंघल, रितु गुप्ता, कामना गुप्ता, श्वेता बंसल, संगीता गोयल, संगीता पुनीत गोयल, दिव्या गुप्ता, सुरक्षा अग्रवाल, अमित गुप्ता, अंजना गोयल, सरिका गुप्ता, रजनी, अनुराधा गुप्ता, मधुर गर्ग, विधि गुप्ता, रुक्मणी बंसल, रूबी अग्रवाल, अमिता गुप्ता, अंजलि कंसल, मधु गुप्ता, सपना मित्तल, शिवानी, अंशु, मुस्कान गुप्ता, रश्मि सिंगल, सरिता गुप्ता, सुधा, अमिता गर्ग, प्रीति बंसल आदि महिलाएं तथा पदाधिकारी उपस्थित रहे!

थाना देहात कोतवाली पुलिस ने 24 घण्टों में किया चोरी का खुलासा पुलिस टीम ने दो चोरों को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर ट्राली को किया बरामद

संस्कार उजाला

सहारनपुर: एसएसपी रोहित सिंह सजवान एवं एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में थाना देहात कोतवाली प्रभारी चंद्रसैन ने पुलिस टीम के साथ 24 घण्टों में चोरी हुई ट्राली को बरामद करते हुए दो चोर को गिरफ्तार किया हैं, थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम में उप निरीक्षक गुलाब तिवारी, हेड कांस्टेबल धर्मवीर सिंह, कांस्टेबल अमित कुमार, रजत पंवार ने मुखबिर की सूचना पर दो चोरों विशाल व दीपांशु को गिरफ्तार किया हैं, आपको बता दे कि रात्रि में दाबकी जुनारदार से ट्राली चोरी होने की पीड़ित ने रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

नेशनल पार्क काजीरंगा में फाइव स्टार होटल बनाने के विरोध में उतरे आदिवासी यूनेस्को ने दी चेतावनी

गुवाहाटी। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में फाइव स्टार होटल बनाने के लिए असम सरकार ने जमीन आवंटित की है। इसके लिए आदिवासियों की जमीन को अधिग्रहित किया जा रहा है। जिसका विरोध यहां के आदिवासी कर रहे हैं। असम सरकार और ताज समूह के बीच में समझौता पत्र हस्ताक्षरित किया गया है। असम सरकार ने दावा किया है, 120 करोड रुपए के इस प्रोजेक्ट से 200 से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। असम के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। आदिवासियों का आरोप है, किसानों से जबरन भूमि अधिग्रहीत की जा रही है। जिस स्थान पर फाइव स्टार होटल बनाया जा रहा है। वहां पर बड़ी संख्या में जंगली हाथियों का निवास स्थान है। सरकार का यह प्रोजेक्ट आदिवासियों के भूमि अधिकारों का उल्लंघन है। वहीं काजीरंगा नेशनल पार्क में जहां जंगली जीवों का बड़ी संख्या में निवास है। यह उनके हितों के खिलाफ है। इस प्रोजेक्ट का विरोध यूनेस्को की सलाहकार संस्था इंटरनेशनल काउंसिल ऑन मॉन्यूमेंट और साइट्स ने भी,इस प्रोजेक्ट को लेकर चिंता जताई है। डॉ संजीव कुमार का कहना है, विश्व धरोहर स्थलों पर इस तरीके की परियोजनाओं को प्रतिबंधित किया गया है। काजीरंगा में होटल बनने से यहां के वन्य जीवों का जीवन प्रभावित होगा। यूनेस्को ने इस प्रोजेक्ट पर आपत्ति जताई है।यदि इस प्रोजेक्ट को चालू रखा गया। ऐसी स्थिति में यूनेस्को को, काजीरंगा विश्व धरोहर को संकटग्रस्त सूची में डालने के लिए विवश होना पड़ेगा। यदि ऐसा हुआ तो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलने वाली सहायता बंद कर दी जाएगी। यूनस्को की सूची से भी हटा दिया जाएगा।

उधमपुर में सुरक्षाबलों पर आतंकियों ने किया हमला, सीआरपीएफ का एक जवान शहीद, एनकाउंटर जारी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले के रामनगर के चील इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच गोलीबारी के बाद सीआरपीएफ का एक जवान शहीद हो गया। सीआरपीएफ जवान की पहचान इंस्पेक्टर कुलदीप सिंह के रूप में हुई। अधिकारियों ने कहा कि अपराह्न 3ः30 बजे आतंकवादी ने जेकेपी एसओजी टीम के साथ सीआरपीएफ के गश्ती दल पर गोलीबारी की। सीआरपीएफ 187 की यूनिट को उधमपुर के डूडू पुलिस स्टेशन के ठंडे इलाके में तैनात किया गया था। कार्रवाई में एक सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की मौत हो गई। भारतीय सेना ने बताया कि इससे पहले 13 अगस्त को उधमपुर के पटनीटॉप इलाके में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस महीने की शुरुआत में, जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और उधमपुर जिलों के सुदूर वन क्षेत्रों में सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच दो मुठभेड़ हुईं। किश्तवाड़ में मुठभेड़ का पद्दार क्षेत्र में वार्षिक मचैल माता यात्रा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा और मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों को आश्वासन दिया गया कि पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने रविवार शाम को उधमपुर जिले के बसंतगढ़ के जंगलों में भी आतंकवादियों से संपर्क स्थापित किया. उन्होंने बताया कि खानेद जंगल में दोनों पक्षों के बीच कुछ राउंड गोलीबारी हुई, लेकिन किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। उन्होंने बताया कि इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और सोमवार सुबह इलाके की नए सिरे से तलाशी शुरू की जाएगी। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने के साथ शुरू हुई शांति के एक संक्षिप्त शासन के बाद, जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियाँ फिर से शुरू हो गई हैं। हालिया उछाल ज्यादातर जम्मू क्षेत्र में देखा गया।

अब हरियाणा में लेडी डॉक्टर का हुआ अपहरण, चंडीगढ़ ले जाकर पीटा

रोहतक। कोलकाता में एक महिला डॉक्टर के साथ हुए रेप और हत्या का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ था हरियाणा में एक और डरा देने वाली घटना हुई है। पीजीआईएमएस रोहतक की एक मेडिकल छात्रा का सीनियर रेजीडेंट डॉक्टर ने अपहरण कर लिया और फिर चंडीगढ़ ले जाकर उसके मारपीट की। पीड़ित छात्रा को पीजीआईएमएस में ही भर्ती कराया गया है। वहीं, हेल्थ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने आरोपी रेजीडेंट डॉक्टर को संस्थान से निलंबित कर दिया है और उसके पीजीआईएमएस परिसर में घुसने पर रोक लगा दी है। वहीं पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पीजीआईएमएस की मेडिकल छात्रा का कहना है कि 16 अगस्त की शाम को संस्थान के रेजीडेंट डॉक्टर मनिंदर कौशिक ने उसका कार में अपहरण कर लिया। फिर वह उसे रात को अंबाला और चंडीगढ़ घुमाता रहा। 17 अगस्त को दोपहर करीब साढे 3 बजे उसे रोहतक वापस लेकर आया। इस दौरान चंडीगढ़ में उसके मारपीट की गई। अपने साथ हुई इस घटना से यह मेडिकल छात्रा सदमे में है। इस घटना की जानकारी पीजीआईएमएस प्रशासन को दी गई। छात्रा को पीजीआईएमएस में ही दाखिल करा दिया गया है। यूनिवर्सिटी के प्रवक्ता डॉ वरूण अरोड़ा ने रविवार देर शाम को बयान जारी कर कहा कि संस्थान हर महिला कर्मचारी, महिला रेजीडेंट डॉक्टर और छात्रा की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। इसी के चलते हेल्थ यूनिवर्सिटी प्रशासन ने इस मामले को लेकर कड़ा संज्ञान लिया है। आरोपी रेजीडेंट डॉक्टर एनॉटमी डिपार्टमेंट के एमडी का प्रथम वर्ष का छात्र है। उसे संस्थान से निलंबित कर दिया गया है और परिसर मे घुसने पर रोक लगा दी गई है।

नकली पासपोर्ट पर अमेरिका जा रहे 4 गुजराती तंजानिया से भारत डिपोर्ट किए गए

अहमदाबाद। फर्जी भारतीय पासपोर्ट का उपयोग कर अमेरिका जाने की कोशिश करने के आरोप में चार गुजरातियों को तंजानिया से डिपोर्ट किया गया है। तंजानिया में इमिग्रेशन क्लीयरेंस के दौरान उनका पासपोर्ट फर्जी पाए जाने के बाद चारों लोगों को वापस भारत भेज दिया गया है। इन चार लोगों के खिलाफ मुंबई पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई गई है। तंजानिया से वापस भेजे गए लोगों में गीताबेन मानसिंह चौधरी, भारतीबेन जीवनभाई चौधरी, अंश गोविंदभाई चौधरी के अलावा उनके हैंडलर रमेश भजन ठाकुर शामिल हैं। इस संबंध में आव्रजन अधिकारियों द्वारा की गई जांच से पता चला कि गीता चौधरी, भारती चौधरी और अंश चौधरी ने अपने असली भारतीय पासपोर्ट पर तंजानिया तक यात्रा की थी। जिसके बाद चार लोगों को नकली पासपोर्ट पर यात्रा करनी थी। फिलहाल मुंबई पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इन चारों लोगों के पास दो पासपोर्ट कहां से आए? इन चारों गुजरातियों की गतिविधि संदिग्ध होने पर अधिकारी ने उनसे पूछताछ की। बताया जाता है कि तीनों लोग अमेरिका में स्थायी रूप से बसना चाहते थे। इन लोगों का सबसे पहले पुष्पाबेन व्यास नाम के एजेंट से संपर्क हुआ। पुष्पाबेन ने उन्हें तंजानिया के रास्ते अमेरिका आने का रास्ता बताया था। पुष्पाबेन ने ही हैंडलर रमेश ठाकुर को इन तीन लोगों के साथ अमेरिका आने के लिए कहा था। जांच में यह भी पता चला है कि गीताबेन को रंजना अनु चौहान के नाम से फर्जी पासपोर्ट दिया गया था। भारतीबेन के पास कल्पनाबेन संजय पटेल के नाम से फर्जी पासपोर्ट था। जबकि अंश चौधरी के पास दिग्विजय संजय पटेल के नाम से फर्जी पासपोर्ट था। इसमें फोटो तो आरोपियों के थे लेकिन नाम दूसरे लोगों के निकले।

आंध्र प्रदेश में मिलावटी खाना खाने से चार अनाथ बच्चों की मौत, मुख्यमंत्री ने जताया दुख

अनकापल्ली। आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले में दो दिन पहले मिलावटी खाना खाने से चार अनाथ बच्चों की स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं के कारण मौत हो गई। मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने सोमवार को इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। यह घटना कोटौराटला मंडल के अनकापल्ली जिले के कैलाश गांव में घटी। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया, जोशुआ, भवानी, श्रद्धा और नित्या उन लोगों में शामिल हैं जो दो दिन पहले (शनिवार) मिलावटी खाना खाने के कारण इलाज के दौरान बीमार हो गए। मुख्यमंत्री ने अनकापल्ली के जिलाधिकारी विजय कृष्णन को अन्य प्रभावित बच्चों के लिए बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का निर्देश दिया, जिनका वर्तमान में विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। उन्होंने जिलाधिकारी से घटना पर एक विस्तृत रिपोर्ट भी देने को कहा।

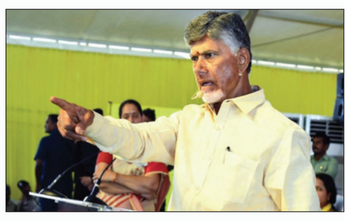

यूपीए सरकार ही लेकर आई थी लेटरल एंट्री अब कर रहे विरोध: वैष्णव

–राहुल बोले–सरकार आईएएस का निजीकरण कर आरक्षण कर रही खत्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस, सपा समेत कई विपक्षी दलों ने केंद्र में रिक्त संयुक्त सचिव, निदेशक व उपसचिव के 45 पदों पर सीधी भर्ती (लेटरल एंट्री) का विरोध किया है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि सरकार आईएएस का निजीकरण करते हुए आरक्षण खत्म कर रही है। लेटरल एंट्री पर राहुल गांधी के आरोपों को लेकर रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने एक्स पर पोस्ट में लिखा- लेटरल एंट्री मामले में कांग्रेस का पाखंड स्पष्ट रूप से दिख रहा है। यह यूपीए सरकार ही थी जो लेटरल एंट्री लेकर आई थी।

रेल मंत्री ने आगे लिखा कि पार्श्व प्रवेश मामले पर कांग्रेस का पाखंड स्पष्ट है। यह यूपीए सरकार थी जिसने पार्श्व प्रवेश की अवधारणा विकसित की थी। दूसरा प्रशासनिक सुधार आयोग (एआरसी) 2005 में यूपीए सरकार ने स्थापित किया था। वीरप्पा मोइली ने इसकी अध्यक्षता की थी यूपीए सरकार के कार्यकाल में लेटरल एंट्री के जरिए विशेषज्ञों की भर्ती की सिफारिश की गई थी। रेल मंत्री ने आगे लिखा-एनडीए सरकार ने लेटरल एंट्री को लागू करने के लिए एक पारदर्शी तरीका अपनाया है। यूपीएससी के जरिए से पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से भर्तियां की जाएंगी। इस सुधार से प्रशासन में सुधार होगा। इसको लेकर बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर लिखा कि इन पदों को निचले पदों पर तैनात कर्मचारियों को पदोन्नति देकर भरा जाना चाहिए। एससी, एसटी व पिछड़ा वर्ग के लिए कोटा व्यवस्था लागू करके इन पदों को भरा जाए। अगर केंद्र सरकार इसे लागू नहीं करती है तो यह संविधान का सीधा उल्लंघन होगा।

वहीं अखिलेश यादव ने आरोप लगाया है कि बीजेपी पिछले दरवाजे से अपनी विचारधारा के लोगों को यूपीएससी के उच्च पदों पर बैठाने की साजिश रच रही है। यह सारी चाल पीडीए से उसका आरक्षण व अधिकार छीनने की है। उन्होंने युवाओं व अधिकारियों से अपील की है कि यदि सरकार इस मामले में अपना फैसला नहीं बदलती है तो दो अक्टूबर से इसके खिलाफ देशभर में सपा द्वारा चलाए जाने वाले आंदोलन में शामिल होकर इसका विरोध करें। लेटरल एंट्री का मतलब निजी क्षेत्र के विशेषज्ञों की सीधी भर्ती है। इसके जरिए से केंद्र सरकार के मंत्रालयों में संयुक्त सचिवों, निदेशकों और उप सचिवों के पदों की भर्ती की जाती है।

डॉक्टरों की मोदी से अपील, स्वास्थ्यकर्मियों की सुरक्षा के लिए बने कानून

नई दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एआईआईएमएस) के रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर देशभर में स्वास्थ्यकर्मियों और संस्थानों की सुरक्षा के लिए अध्यादेश के जरिये केंद्रीय कानून बनाने के लिए हस्तक्षेप करने का आग्रह किया। आरडीए ने कोलकाता के सरकारी आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कानून-व्यवस्था बहाल करने का भी आग्रह किया। यहां नौ अगस्त को एक स्नातकोत्तर प्रशिक्षु महिला ?चिकित्सक के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया गया था और फिर उसकी हत्या कर दी गई। एम्स आरडीए ने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में अस्पताल में हुई तोड़फोड़ और देश भर में चिकित्सा संस्थानों, स्वास्थ्यकर्मियों और चिकित्सकों के खिलाफ हिंसा के बढ़ते मामलों का भी जिक्र किया। केंद्र द्वारा संचालित चिकित्सा संस्थान के चिकित्सकों ने पत्र में कहा कि अस्पताल, मंदिरों के समान हैं, जहां लोगों को उम्मीद की किरण दिखती है। आरडीए ने कहा कि डॉक्टर जीवन-मरण की चुनौतियों से भरे वातावरण में काम करते हैं, जिससे वे असुरक्षित हो जाते हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में चिकित्सकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को 'बेहद परेशान करने वाला' बताते हुए उन लोगों की सुरक्षा के लिए मजबूत और समान कानून बनाने का आह्वान किया, जिन्होंने अपना जीवन दूसरों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। आरडीए ने अध्यादेश के जरिये केंद्रीय कानून लाने का आग्रह करते हुए कहा ?कि हम भारत सरकार से विनम्रतापूर्वक अनुरोध करते हैं कि आप हस्तक्षेप कर पूरे देश में स्वास्थ्यकर्मियों और संस्थानों की सुरक्षा के लिए अध्यादेश के माध्यम से एक केंद्रीय कानून बनाने पर विचार करें।

केशव प्रसाद मौर्य ने जमकर की सीएम योगी की तारीफ, बताया देश का नंबर वन मुख्यमंत्री

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य में देश का सबसे अच्छा मुख्यमंत्री है। मिर्ज़ापुर में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए केशव मौर्य ने कहा कि पार्टी का ÷डबल इंजन÷ देश में सबसे अच्छा काम कर रहा है। केशव मौर्य ने आगे कहा कि भाजपा देश के साथ-साथ राज्य में भी सत्ता में है। लोग जानते और मानते हैं कि हमारी डबल इंजन सरकार देश में सबसे अच्छा काम कर रही है।

इसके साथ ही केशव मौर्य ने पूछा कि क्या दुनिया में पीएम (नरेंद्र) मोदी जैसा कोई दूसरा नेता है, और क्या देश में योगी आदित्यनाथ जैसा कोई दूसरा सीएम है? मौर्य ने कार्यकर्ताओं से कहा, %%जब हमारे पीएम मोदी दुनिया के सबसे प्रभावशाली नेता हैं और जब हमारे सीएम देश में सबसे अच्छे हैं, तो सबसे अच्छा काम हो रहा है।%% उपमुख्यमंत्री ने पार्टी कार्यकर्ताओं से जमीनी स्तर पर भाजपा को मजबूत करने का भी आग्रह किया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के लिए मौर्य की प्रशंसा लोकसभा चुनाव में हार के बाद राज्य भाजपा इकाई के भीतर अंदरूनी कलह की खबरों के कुछ दिनों बाद आई है।

योगी आदित्यनाथ के साथ केशव मौर्य के %कम मधुर रिश्ते% को लेकर लंबे समय से चर्चा चल रही है। पिछले महीने ऐसी भी अटकलें थीं कि पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व जल्द ही राज्य में संगठनात्मक बदलाव के बारे में एक बड़ी घोषणा कर सकता है। मौर्य, एक प्रमुख ओबीसी नेता, संगठन को सरकार से ऊपर होने के बारे में बार-बार बयान देकर मुखर हो रहे थे। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं की एक बैठक में कहा था, %%पार्टी संगठन सरकार से बड़ा है और कोई भी संगठन से बड़ा नहीं है।%% उनके आउटरीच प्रयासों और सार्वजनिक बयानों की व्याख्या योगी आदित्यनाथ को निशाना बनाने के एक सूक्ष्म तरीके के रूप में की गई। उन्होंने दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से भी मुलाकात की थी, जिससे अटकलों को और हवा मिल गई थी।

मृत महिला डॉक्टर के पिता ने ममता सरकार से आर्थिक मदद लेने से किया इनकार, उठाए सवाल

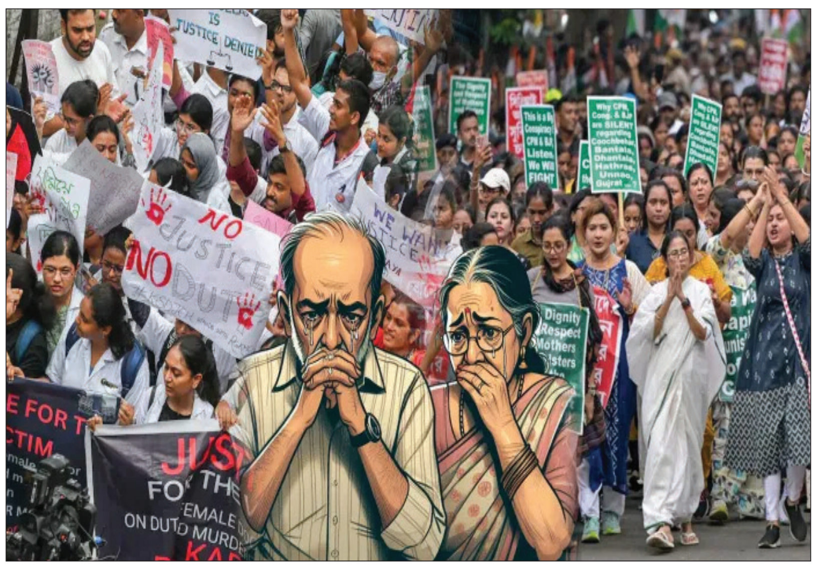

IS JUSTICE DENIED
NO JUSTICE NO DUTY
WE WANT JUSTICE
Dignity Respect Mothers Sisters
JUSTICE FOR THE FEMALE ON DUTY MURDER
FOR THE VICTIM

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में रेप और मर्डर की शिकार हुई जूनियर लेडी डॉक्टर के पिता ने ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ खुलकर अपनी आवाज उठाई। उन्होंने राज्य की ममता सरकार से आर्थिक मदद लेने से इनकार करते हुए साफ कहा कि हमे उनकी मदद नहीं न्याय चाहिए। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी सरकार के कई काम उनकी बेटी को न्याय दिलाने की मांग करने वालों को खामोश करने की का आरोप भी लगाया। रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने कहा कि 'मुख्यमंत्री न्याय दिलाने की बात कर रही हैं और एकजुटता दिखाने के लिए सड़कों पर भी उतरी हैं। लेकिन न्याय की मांग करने वाले आम लोगों को जेल क्यों भेजा जाए? हम मुख्यमंत्री के काम से संतुष्ट नहीं हैं। हमने राज्य सरकार द्वारा हमें दिए जाने वाले मुआवजे को कबूल करने से इनकार कर दिया है।'

बेटी की मौत के बाद से शोक में डूबे डॉक्टर के पिता ने कहा कि उन पर संदेह होने लगा है कि पोस्टमार्टम के बाद उनकी बेटी का तुरंत दाह संस्कार किए जाने में क्या सबूतों को नष्ट करने का कोई इरादा था? उन्होंने कहा कि 'श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए तीन शव पहले से थे। लेकिन हमारी बेटी का अंतिम संस्कार उनसे पहले ही कर दिया गया। हम अपनी इकलौती बेटी को खोने के बाद इतने दुखी और सदमे में थे कि हम उस समय कुछ सोच या कर नहीं पाए।पीड़िता डॉक्टर के पिता ने कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर सीबीआई के मामले की जांच अपने हाथ में लेने से पहले पुलिस जांच के तरीके पर भी सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा कि 'जांच से कुछ नहीं निकलाज(चेस्ट मेडिसिन) विभाग या कॉलेज से किसी ने भी हमारा सहयोग नहीं किया। मेरी बेटी की हत्या के लिए पूरा विभाग जिम्मेदार हैज्हमें संदेह है कि विभाग के कुछ लोग अपराध में शामिल थे। जबकि पीड़िता की मां ने कहा कि वह इस मुश्किल समय में परिवार के साथ खड़े सभी लोगों को 'अपने बेटे और बेटियां' मानती हैं। उन्हें उम्मीद है कि सीबीआई की जांच से मामले में जल्द ही कोई सफलता मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'सीबीआई ने हमें भरोसा दिया है कि आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी।'

पुरानी कार चलाने का है शौक तो भरना होगा ग्रीन टैक्स

–पंजाब सरकार ने प्रदूषण कम करने उठाया नया कदम

चंडीगढ (एजेंसी)। पंजाब सरकार ने पुराने वाहनों को लेकर कदम उठाया है। सरकार ने कहा कि पुराने वाहन चला सकते हैं लेकिन उसके लिए वाहन मालिक को ग्रीन टैक्स चुकाना होगा। केंद्र सरकार की 2021 की स्क्रैप पॉलिसी के बावजूद, जो वाहन 15 साल पुराने हैं और प्रदूषण फैलाते हैं, उन्हें अब ग्रीन टैक्स देना होगा। पिछले एक साल से इस बारे में विचार किया जा रहा था। वाहन मालिकों ने इसका विरोध किया था, उनका कहना था कि यह नीति वाहन कंपनियों के फायदे के लिए बनाई गई है।

चुनाव प्रचार के दौरान वाहन मालिकों ने पंजाब के सीएम भगवंत मान से इस नीति को लागू नहीं करने की मांग की थी। सीएम ने आश्वासन दिया था कि यह नीति पंजाब में लागू नहीं होगी लेकिन अब सरकार ने इसका नया समाधान खोजा है। इस नए समाधान में अगर कोई 15 साल पुराना वाहन चलाना चाहता है, तो उसे पहले वाहन का नया रजिस्ट्रेशन करना होगा और ग्रीन टैक्स भरना होगा। इसके बाद वह वाहन पांच साल तक सड़क पर चला सकेगा। ग्रीन टैक्स लगाने का सरकार का मकसद है पुराने वाहनों को सड़कों से हटाया जाए ताकि प्रदूषण कम हो सके। जब लोगों को ग्रीन टैक्स देना पड़ेगा, तो वे नए और कम प्रदूषण फैलाने वाले वाहन खरीदने के लिए तैयार होंगे। यदि कोई व्यक्ति पुराना वाहन नहीं बदलना चाहता है, तो उसे ग्रीन टैक्स चुकाना होगा। इससे सरकार को अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, जो सरकार के आय स्रोत को बढ़ाएगी। इसके अलावा सरकार ने टूरिस्ट वाहनों पर लगने वाला मोटर व्हीकल टैक्स भी घटा दिया है। पहले 65 सीटों वाली टूरिस्ट बस के लिए प्रति सीट सात हजार रुपए टैक्स था। अब साधारण बस पर प्रति सीट दो हजार पचास रुपए, डीलक्स नॉन-एसी बस पर दो हजार छह सौ पचास रुपए, एसी डीलक्स बस पर चार हजार एक सौ पचास रुपए और सुपर इंटीग्रल बस पर पांच हजार रुपए टैक्स देना होगा। टैक्स ज्यादा होने की वजह से बस ऑपरेटर पंजाब में बसें रजिस्टर्ड नहीं करवा रहे थे। 2017 से 2022 तक के आंकड़ों से पता चलता है कि पंजाब में 206 पर्यटक बसें रजिस्टर्ड थीं, जबकि हरियाणा में 5,220 बसें थीं। हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर जैसे पर्यटन वाले राज्यों में बसों की ज्यादा रजिस्ट्रेशन के बावजूद पंजाब में कम बसों की रजिस्ट्रेशन देखी गई।

चुनाव से ठीक पहले क्यों बोले देवेन्द्र फडणवीस, अगर ऐसा हुआ तो मैं राजनीति छोड़ दूंगा

Shri Mahesh
Co-Coordinator Vish
Shri Ashi

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मराठा आरक्षण कार्यकर्ता मनोज जारांगे के आरोपों का कड़ा प्रतिवाद करते हुए घोषणा की है कि अगर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे यह पुष्टि करते हैं कि मैं मराठा आरक्षण प्रक्रिया में बाधा डाल रहे हैं तो मैं राजनीति से इस्तीफा दे देंगे। जारांगे जो कि फडनवीस के कट्टर आलोचक हैं, ने लगातार वरिष्ठ भाजपा नेता पर मराठा समुदाय की आरक्षण की तलाश में प्रमुख बाधा होने का आरोप लगाया है। एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, फड़नवीस ने उनके प्रति जारांगे के %विशेष स्नेह% के बारे में व्यंग्यात्मक टिप्पणी की और कहा कि यदि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे कहते हैं कि मेरी उपस्थिति मराठा आरक्षण के संबंध में निर्णय तक पहुंचने में बाधा है तो मैं अपना इस्तीफा दे दूंगा और राजनीति से हट जाऊंगा।

फडणवीस ने इस बात पर जोर दिया कि मराठा समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले महत्वपूर्ण निर्णय या तो उनके कार्यकाल के दौरान या सीएम शिंदे के कार्यकाल के दौरान किए गए थे, और एक विपरीत कथा के जानबूझकर निर्माण की आलोचना की। उन्होंने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि मुख्यमंत्री राज्य का मुखिया होता है और सभी निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार होता है। मराठा समुदाय को लाभ पहुंचाने वाले निर्णय या तो मेरे मुख्यमंत्री कार्यकाल के दौरान लिए गए या मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के कार्यकाल में हुए हैं।

शिवसेना नेता रामदास कदम ने मुंबई-गोवा राजमार्ग की खराब स्थिति को लेकर सोमवार को भाजपा नेता और महाराष्ट्र के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री रविंद्र चव्हाण को 'बेकार मंत्री' करार दिया। इस पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सवाल उठाया कि क्या रामदास की टिप्पणियां महायुति गठबंधन के सिद्धांतों के अनुरूप है। ठाणे में पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मंत्री रामदास कदम ने महाराष्ट्र के तटीय जिलों से गुजरने वाले मुंबई-गोवा राजमार्ग पर अधूरे काम को लेकर चव्हाण पर कटाक्ष किया।

झारखंड और महाराष्ट्र के चुनाव क्यों नहीं, खुलासा होने पर चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल?

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा जम्मू कश्मीर और हरियाणा में चुनाव की अधिसूचना जारी की है। झारखंड,महाराष्ट्र तथा 46 सीटों के विधानसभा के उपचुनाव कराने की घोषणा नहीं की थी। जबकि हरियाणा और महाराष्ट्र के चुनाव पिछले कई बार से हमेशा एक साथ होते रहे हैं। इसके साथ ही लोकसभा चुनाव में जो विधायक सांसद चुन गए थे। उन्होंने अपने इस्तीफा दे दिए थे। 40 विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव होना था। उसमें सर्वाधिक उत्तर प्रदेश के 10 विधानसभा क्षेत्र में चुनाव होने थे। असम,बिहार, उड़ीसा, मध्य प्रदेश इत्यादि राज्यों में भी विधायक पद के लिए उपचुनाव नहीं कराए गए।

पत्रकारों द्वारा सवाल किए जाने पर केंद्रीय चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने कहा था। बाढ़ की स्थिति होने के कारण चुनाव नहीं कराए गए हैं। झारखंड में उन्होंने बाढ़ की आशंका जताई थी। वहीं महाराष्ट्र में उन्होंने तीज त्योहार और अन्य कारणों से चुनाव नहीं कराने की बात कही थी।

हाल ही में झारखंड राज्य के चंपई की बगावत की खबरें सामने आ रही हैं। वह पूर्व मुख्यमंत्री हैं। हेमंत सोरेन के जेल जाने के बाद वह झारखंड के मुख्यमंत्री बने थे। अब वहां पर दलबदल की कोशिश शुरू हो गई है। वह अपने साथ 6 विधायकों को लेकर भाजपा में शामिल होने वाले हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा शर्मा ने झारखंड में जाकर जब पत्रकारों से कहा 2 महीने पहले असम में बाढ़ आई थी। बिहार, झारखंड,असम में कहीं बाढ़ नहीं है। हेमंत असम के मुख्यमंत्री हैं, वहां पर भी उपचुनाव होने थे। उनके यह कहने से स्पष्ट हो गया है कि महाराष्ट्र और झारखंड में जिस तरह विधानसभा चुनाव के पूर्व लोटस अभियान शुरू किया गया है। शायद इसलिए वहां पर चुनाव की घोषणा नहीं की गई है।

विपक्षी दल अब चुनाव आयोग पर सीधे-सीधे निशाना साथ रहे हैं। वह सरकार के इशारे पर ही चुनाव कराते हैं। चुनाव निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से नहीं हो रहे हैं। इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दल झारखंड, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश की राजनीतिक घटनाओं को देखते हुए आरोप लगा रहे हैं। वहां पर चुनाव आयोग ने केंद्र सरकार के इशारे पर चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। वहां पर अभी भाजपा के लिए अनुकूल स्थिति नहीं थी। इसलिए चुनाव आयोग ने चुनाव टाल दिए हैं।

निर्वाचन सदन
NIRVACHAN SADAN
भारत निर्वाचन आयोग
ELECTION COMMISSION OF INDIA

चुनाव आयोग जिस तरह से विपक्षी दलों के निशाने पर हैं। असम के मुख्यमंत्री हेमंत विस्वा शर्मा ने जिस तरह से असम, बिहार और झारखंड में 2 महीने पहले बाढ़ की बात कहकर, चुनाव आयोग राजीव कुमार की बातों को झुठला दिया है। इससे आगे चलकर चुनाव आयोग को जवाब देना मुश्किल होगा। राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव आयोग पर निशाना साधा जा रहा है।

बांग्लादेश हिंसा पर यूएन की आई रिपोर्ट, 27 दिनों में 650 मौतें, अल्पसंख्यकों पर जानलेवा हमला

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय (यूएनएचसीआर) ने एक प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा है कि 16 जुलाई से 11 अगस्त के बीच बांग्लादेश में अशांति के दौरान हिंसक घटनाओं में लगभग 650 लोग मारे गए। इस रिपोर्ट में न्यायेतर हत्याओं, मनमानी गिरफ्तारियों और लोगों को हिरासत में लिये जाने की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का सुझाव दिया गया है। 'बांग्लादेश में हालिया विरोध प्रदर्शन और अशांति का प्रारंभिक विश्लेषण' शीर्षक वाली 10-पृष्ठ की रिपोर्ट के अनुसार, 16 जुलाई से चार अगस्त के बीच करीब 400 मौतें हुईं, वहीं पांच और छह अगस्त के बीच विरोध प्रदर्शनों के हिंसक रूप लेने के बाद लगभग 250 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि मरने वालों में प्रदर्शनकारी, राहगीर, पत्रकार और सुरक्षा बल के कई जवान शामिल थे। इसमें कहा गया है कि हजारों प्रदर्शनकारी और राहगीर घायल हुए तथा अस्पताल अत्यधिक मरीजों से भरे हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि मौतों की संख्या संभवत: कम आंकी गई है, क्योंकि कर्फ्यू और इंटरनेट बंद होने के कारण आवाजाही पर प्रतिबंधों के कारण सूचना संग्रह में बाधा आ रही है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अधिकारियों ने अस्पतालों को मारे गए और घायल हुए लोगों का विवरण देने से रोका। रिपोर्ट में कहा गया है, 'ऐसे मजबूत संकेत हैं कि सुरक्षा बलों ने हालात से निपटने के लिए अनावश्यक और अत्यधिक बल का प्रयोग किया। इसलिए इन सबकी स्वतंत्र जांच की आवश्यकता है। रिपोर्ट के अनुसार, 'कथित उल्लंघनों की गहन, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की आवश्यकता है, जिनमें न्यायेतर हत्याएं, मनमाने ढंग से गिरफ्तारियां और हिरासत, जबरन गायब कर दिया जाना, यातना और दुर्व्यवहार तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर प्रतिबंध शामिल हैं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर तुर्क के कार्यालय ने प्रारंभिक रिपोर्ट जारी करते हुए बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हिंसा सहित मानवाधिकार उल्लंघनों और हिंसा के लिए जिम्मेदार सभी लोगों की जवाबदेही की आवश्यकता पर बल दिया। सभी मानवाधिकार उल्लंघनों की व्यापक, निष्पक्ष और पारदर्शी जांच का आह्वान करते हुए तुर्क ने यह भी कहा कि दक्षिण एशियाई देश में परिवर्तन एक ऐतिहासिक अवसर है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि शासन मानवाधिकारों, समावेशिता और कानून के शासन पर आधारित हो।

खैबर पख्तूनख्वा में थाने पर आतंकी हमला, टीआई समेत दो की मौत

करांची। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में एक पुलिस थाने पर आतंकी हमले में टीआई समेत दो पुलिसकर्मी शहीद हो गए। पुलिस ने बताया कि हथियारों से लैस आतंकवादियों ने खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के आतंकवाद प्रभावित लक्की मरवत जिले में बरगई पुलिस थाने पर रविवार देर रात हमला किया। पुलिस के मुताबिक हमले में एक पुलिसकर्मी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि घायल टीआई ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। उसने बताया कि मुठभेड़ के दौरान टीआई को कई गोलियां लगी थीं। हमले से पहले आतंकवादी पुलिस थाने के पास ही एक घर में छिपे हुए थे। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में रविवार को एक अन्य हमले में आतंकवादियों ने 'फ्रंटियर कॉन्स्टेब्युलरी' के वाहनों को निशाना बनाया, जिससे उसमें सवार दो जवान शहीद हो गए और तीन घायल हो गए जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका में कोरोना फिर पसार रहा पैर, सीवेज का पानी बन रहा वजह

वॉशिंगटन। अमेरिका में फिर कोविड महामारी अपने पैर पसाने लगी है। देश में पिछले दो साल में सबसे ज्यादा कोविड मरीज मिले हैं। एक रिपोर्ट में बताया कि इसकी पुष्टि यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के वेस्टवाटर डैशबोर्ड ने की है जिसमें बताया गया है कि अमेरिका में कोविड-19 की एक बड़ी लहर चल रही है। इसका खुलासा लोगों के घरों से निकलने वाले सीवेज का पानी (अपशिष्ट जल) है। सीडीसी ने बताया है कि अपशिष्ट जल में वायरल गतिविधि का माप बढ़कर 8.82 हो गया है, जो जुलाई 2022 में 9.56 से थोड़ा ही कम है। वर्तमान में अमेरिका के पास कोविड वायरस के स्तर का पता लगाने के लिए सीवेज का पानी ही एकमात्र उपाय है। सीडीसी का कहना है कि सबसे ताजा डेटा अधूरा है और इसमें बदलाव हो सकता है। अमेरिका में मई में कोविड के फिर से बढ़ने से पहले यह 1.36 था। सीडीसी के अपशिष्ट जल निगरानी कार्यक्रम के डिप्टी डायरेक्टर डॉ जोनाथन योडर ने ईमेल में कहा, वर्तमान में, कोविड-19 अपशिष्ट जल वायरल गतिविधि का स्तर राष्ट्रीय स्तर पर बहुत ज्यादा है, जिसमें पश्चिमी अमेरिकी क्षेत्र सबसे आगे है। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल की कोविड-19 लहर पिछले साल की तुलना में पहले आ रही है, जो 2022 में अगस्त के अंत या सितंबर की शुरुआत में दिखाई दी थी। एमरी विश्वविद्यालय में पर्यावरण स्वास्थ्य और सार्वजनिक स्वास्थ्य के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मार्लीन वोल्फ ने कहा कि यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण उछाल है। स्तर बहुत ज्यादा हैं। वे गर्मियों की लहर के दौरान अब तक के सबसे उच्च स्तर है। हम देशभर में अपने 100 फीसदी नमूनों में एसएआरएस-कोवी-2 का पता लगा रहे हैं। वेस्टवॉटर स्केन ने भी 2022 की शुरुआत में निगरानी शुरू की और जिन साइटों पर यह निगरानी करता है, उनकी संख्या समय के साथ बदल गई है।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में बफर जोन स्थापित करेगा यूक्रेन : जेलेंस्की

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी सैनिकों के घुसने का मकसद वहां एक 'बफर जोन' बनाना है। यह पहली बार है, जब जेलेंस्की ने कुर्स्क क्षेत्र में शुरू किए अभियान के पीछे की मंशा को जाहिर किया है। इससे पहले उन्होंने कहा था कि अभियान का मकसद सीमावर्ती सुमी क्षेत्र में समुदायों को रूस की ओर से लगातार हो रही गोलाबारी से बचाना है। जेलेंस्की ने कहा कि कुल मिलाकर अब रक्षात्मक अभियानों में हमारी प्राथमिकता यह है जितना संभव हो, रूस की युद्ध क्षमता को खत्म करना और ज्यादा से ज्यादा जवाबी कार्रवाई करना। इसमें कुर्स्क क्षेत्र में हमारा अभियान शामिल है, जिसका उद्देश्य आक्राता के क्षेत्र में एक 'बफर जोन' बनाना है।

छात्रों की मौत को लेकर शेख हसीना पर एक और नया मामला दर्ज

ढाका। बांग्लादेश में आरक्षण-विरोधी प्रदर्शन में हुई दो कॉलेज छात्रों की मौत को लेकर पूर्व पीएम शेख हसीना पर हत्या का एक और मामला दर्ज किया गया है। पूर्व पीएम शेख हसीना पर दर्ज किए कई मामलों में यह नया मामला दर्ज हुआ है। वह सरकारी नौकरियों में विवादास्पद आरक्षण प्रणाली के विरुद्ध छात्रों के हिंसग प्रदर्शन के बाद पीएम पद से इस्तीफा देकर देश छोड़कर भारत चली गई थीं। हिंसा के दौरान ढाका के सूत्रापुर क्षेत्र में दो छात्रों की मौत को लेकर हसीना और 12 अन्य पर नए मामले दर्ज किए गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक कोबी नजरूल सरकारी महाविद्यालय के विद्यार्थी इकराम हुसैन कावसेर और शहीद सुहरावर्दी महाविद्यालय के छात्र उमर फारूक की मौत को लेकर ढाका मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की कोर्ट में यह नया मामला दर्ज किया गया है।

ढाका कॉलेज के हॉस्टल में घुसे कट्टरपंथी, मूर्तियां तोड़ीं

ढाका। ढाका में शेख हसीना सरकार गिरने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले शुरू हो गए थे, जो अभी तक जारी हैं। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार मूकदर्शक बनी हुई है। न तो मुकदमा दायर किए जा रहा है और न ही गिरफ्तारी या कोई कार्रवाई हो रही है। बांग्लादेश में कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस के दावों और सुरक्षा के भरोसे के बावजूद हिंदुओं पर हमले थम नहीं रहे हैं। इस्लामिक कट्टरपंथियों ने ढाका कॉलेज के हिंदा छात्रावास पर हमला कर मंदिर और मूर्तियों को नुकसान पहुंचाया है। हमले के दौरान छात्रावास के पश्चिमी हिस्से में स्थित हिंदू मंदिर की मूर्तियों को तोड़ दिया गया और कीमती सामान चुरा लिए गए। रिपोर्ट के मुताबिक 250 से ज्यादा जगहों पर हिंदू समुदाय के घरों और मंदिरों पर हमले हुए हैं। हमलों के विरोध में हिंदू समुदाय ने देश के अलग-अलग हिस्सों में प्रदर्शन किए हैं। हिंदुओं पर बढ़ते हमलों के बीच बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस ने बीते सप्ताह राजधानी ढाका के प्रसिद्ध ढाकेश्वरी देवी मंदिर का दौरा किया था। इस दौरान मोहम्मद यूनुस ने हिंदू समुदाय के सदस्यों से मुलाकात की थी और उनकी सुरक्षा का वादा किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि देश में सभी के अधिकार बराबर हैं।

कराची में भारी बारिश और बाढ़ के बीच ही पानी से भरी एक सड़क से निकलती हुए वाहन।

शेख हसीना के खिलाफ एक्शन के लिए छटपटा रही है यूनुस सरकार

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट और उनके देश छोड़कर भागने की घटना को दो हफ्ते हो चुके हैं। हिंसा की आग में झुलस रहे बांग्लादेश में अब हालात सामान्य होने लगे हैं लेकिन, अभी भी मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार हसीना के खिलाफ ऐक्शन को छटपटा रही है। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को अपदस्थ प्रधान मंत्री शेख हसीना और 33 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया। हसीना और अन्य पर 2013 में एक रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके नरसंहार का आरोप है। रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश पीपुल्स पार्टी (बीपीपी) के अध्यक्ष बाबुल सरदार चखारी ने ढाका मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जकी-अल-फराबी की अदालत में आवेदन किया है। शेख हसीना और अन्य पर 2013 में एक रैली पर अंधाधुंध गोलीबारी करके नरसंहार का आरोप है। बांग्लादेश की एक अदालत में रविवार को हसीना और 33 अन्य के खिलाफ मामला दर्ज करने के लिए एक आवेदन दायर किया गया। बांग्लादेश की अदालत में बाबुल सरदार चखारी ने आवेदन में उन पर 5 मई 2013 को मोतीझील के शपला छत्तर में रैली के दौरान सामूहिक हत्या का आरोप लगाया गया है। अदालत ने बयान दर्ज किया और कहा कि वह इस मुद्दे पर बाद में आदेश सुनाएगी। बता दें कि 76 वर्षीय हसीना 5 अगस्त को प्रधान मंत्री पद से इस्तीफा देकर भारत भाग गईं थी। बांग्लादेश में उनके खिलाफ 11 मामले चल रहे हैं। जिनमें हत्या के आठ, अपहरण का एक और नरसंहार के लिए दो मामले शामिल हैं।

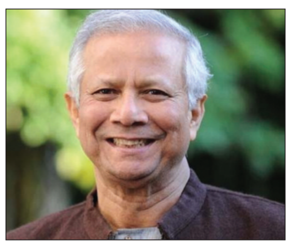

मंकीपॉक्स आने वाले दिनों में ले सकती है कोविड-19 जैसा रुप

- विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जताई यह आशंका

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तेजी से फैल रही मंकीपॉक्स बीमारी को चिंताजनक बताया है। संगठन को आशंका है कि आगामी दिनों में मंकीपॉक्स आने वाले दिनों में कोविड-19 जैसी बड़ी महामारी का रूप ले सकता है। उधर वैज्ञानिकों ने बताया है कि एंटीवायरल दवा टेकोविरिमैट का असर मंकीपॉक्स के क्लेड-1 स्ट्रेन पर नहीं हो रहा है।

वर्तमान में क्लेड-1 स्ट्रेन ही सबसे तेजी से फैल रहा है। इस एकमात्र स्ट्रेन के कारण अफ्रीका में मंकीपॉक्स के मामले बढ़कर 18,700 से अधिक हो गए हैं। इस खबर ने चिकित्सा जगत में खलबली मचा दी है। टेकोविरिमैट का इस्तेमाल 2022-23 में मंकीपॉक्स की पिछली लहर को रोकने के लिए किया गया था। वैज्ञानिकों ने कहा, नए शोध से पता चला है कि एंटीवायरल दवा टेकोविरिमैट का असर मंकीपॉक्स के क्लेड-1 स्ट्रेन से संक्रमित लोगों के घावों पर नहीं पड़ रहा है। टेकोविरिमैट एक एंटीवायरल दवा है, जिसे टीपीओएक्सएक्स के नाम से भी जाना जाता है। वैज्ञानिक इस दवा का परीक्षण यह देखने के लिए कर रहे थे कि क्या यह यह कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य (डीआरसी) में बच्चों और वयस्कों में मंकीपॉक्स के लक्षणों की अवधि को कम करने में मदद कर सकती है। वायरस का क्लेड-1 स्ट्रेन पिछले साल सितंबर से कांगो में फैल रहा है। टेकोविरिमैट को मूल रूप से चेचक के लिए इलाज के लिए विकसित किया गया था। इसे अमेरिका के खाद्य और औषधि प्रशासन (एफडीए) ने भी अनुमोदित किया है। चेचक का मंकीपॉक्स से नजदीकी संबंध है, लेकिन यह उससे कहीं अधिक गंभीर और घातक है।

अध्ययन में पाया गया कि टेकोविरिमैट सुरक्षित है, लेकिन क्लेड-1 स्ट्रेन से पीड़ित मरीज के हालात में सुधार नहीं कर पा रहा है। इस स्टडी को नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज ने किया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एलर्जी एंड इंफेक्शियस डिजीज के डायरेक्टर जीन मार्राजो ने कहा, ये निष्कर्ष निराशाजनक हैं, लेकिन वे हमें आवश्यक जानकारी देते हैं और मंकीपॉक्स के लिए अन्य चिकित्सीय दवाओं की पहचान करने की आवश्यकता को मजबूत करते हैं। हालांकि, हम मंकीपॉक्स के साथ अन्य आबादी में टेकोविरिमैट के उपयोग पर शोध जारी रखे हुए हैं।

फिलीपींस ने चीन की दादागिरी का मुंहतोड़ जवाब दिया, जहाज को टक्कर मारकर किया डैमेज

ताइपेई (एजेंसी)। चीन अपनी सभी सीमाओं से लगे देशों को आए दिन परेशान करता है। उसकी विस्तारवादी नीति के चलते उसने तमाम देशों से पंगा ले रखा है। यही वजह है कि साउथ चाइना में चीन की दादागिरी की कोशिशों के खिलाफ अब कई देशों ने कमर कस ली है। अब उसको मुंहतोड़ जवाब मिलना शुरू भी हो गया है। चीन के कोस्टगार्ड ने आरोप लगाया कि फिलीपींस के एक जहाज ने सोमवार तड़के सबीना शोल के पास जानबूझकर एक चीनी जहाज टक्कर मार दी है। यह इलाका दक्षिण चीन सागर में कई देशों के बीच बढ़ते क्षेत्रीय विवादों में एक नया मुद्दा बन गया है।

चीन के कोस्ट गार्ड के प्रवक्ता गान यू ने कहा कि 'फिलीपीन पक्ष टक्कर के लिए पूरी तरह से जिम्मेदार है। हम फिलीपीन पक्ष को चेतावनी देते हैं कि वह तुरंत अपनी उल्लंघन और उकसावे को रोके, अन्यथा उसे इससे पैदा होने वाले सभी नतीजे भुगतने होंगे।' गान यू ने कहा कि चीन ने स्प्रैटली द्वीप समूह पर निर्विवाद संप्रभुता का दावा किया है, जिसे चीनी भाषा में नांशा द्वीप समूह के रूप में जाना जाता है। जिसमें सबीना शोल और उसके आस-पास के समुद्र के इलाके शामिल हैं। सबीना शोल का चीनी नाम जियानबिन रीफ है।

गौरतलब है कि सबीना शोल फिलीपींस के पश्चिमी द्वीप प्रांत पलावन से लगभग 140 किलोमीटर (87 मील) पश्चिम में स्थित है। यह चीन और फिलीपींस के बीच इलाकों को लेकर विवादों में एक नया मुद्दा बन गया है। अप्रैल में फिलीपींस के कोस्टगार्ड ने अपने एक प्रमुख गश्ती जहाज, बीआरपी टेरेसा मैगबानुआ को सबीना में तैनात किया था। उस वक्त फिलिपींस के वैज्ञानिकों ने इसके उथले पानी में कुचले हुए कोरल के डूबे हुए ढेर की खोज की थी। जिससे संदेह पैदा हुआ कि चीन यहां पर कुछ बनाने की तैयारी कर रहा है। चीनी कोस्टगार्ड ने भी बाद में सबीना में एक जहाज तैनात किया।

सबीना फिलीपींस के कब्जे वाले दूसरे थॉमस शोल के पास स्थित है। जो पिछले साल से चीनी और फिलीपींस के तट रक्षक जहाजों और उनके साथ आने वाले जहाजों के बीच बढ़ते हुए खतरनाक टकराव का गवाह रहा है। चीन और फिलीपींस ने पिछले महीने एक समझौता किया था, ताकि आगे के टकराव को रोका जा सके। फिलीपींस की नौसेना ने समझौते पर पहुंचने के एक हफ्ते बाद वहां खाना और सैनिकों को पहुंचाया।

ट्रंप बाइबल बेचकर कमाते हैं करोड़ रुपए, अमीर नेताओं में हैं शुमार

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डेमोक्रेट उम्मीदवार कमला हैरिस को कड़ी टक्कर दे रहे ट्रंप कई स्रोतों से मोटी कमाई करते हैं। डोनाल्ड ट्रंप के लेटेस्ट फाइनेंशियल डिस्क्लोजर से पता चला है कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति हर साल केवल बाइबल बेचकर ही करोड़ों रुपए कमाते हैं। ट्रंप की गिनती अमीर नेताओं में होती है। फोर्ब्स के मुताबिक ट्रंप की नेटवर्थ 4.5 बिलियन डॉलर है। वह सिंगर ली ग्रीनवुड के साथ मिलकर बाइबिल के एक विशेष संस्करण जिसे ग्रीनवुड बाइबिल कहा जाता है, बेचते हैं।

बाइबिल की बिक्री से ट्रंप ने एक साल में 300,000 यानी लगभग ढाई करोड़ रुपए की कमाई करते हैं। ग्रीनवुड बाइबिल के अलावा डोनाल?ड ट्रंप किताब लेटर्स टू ट्रंप से उन्हें 4.4 मिलियन की रॉयल्टी मिलती है। ए मागा जर्नी नामक पुस्तक से उन्होंने 500,000 की कमाई की, जबकि दी आर्ट ऑफ दी डील जैसी अन्य किताबों से उन्हें 50,000 से 100,000 की आय पिछले एक साल में हुई है रियल एस्टेट, क्रिप्टोकरेंसी और सोना, डोनाल्ड ट्रंप की कमाई के प्रमुख साधन हैं। ट्रंप की नेटवर्थ का सबसे बड़ा हिस्सा सोशल मीडिया कंपनी ट्रुथ सोशल से आता है। कंपनी में ट्रंप के पास 11.4 करोड़ शेयर हैं, जिनकी वैल्यू 2 बिलियन डॉलर से ज्यादा है। ट्रंप राजनीति में आने से पहले बिजनेस के अलावा सिनेमा की दुनिया से भी जुड़े रहे हैं और कई हॉलीवुड फिल्मों में स्क्रीन पर नजर आ चुके हैं उसके एवज में उन्हें स्क्रीन्स एक्टर्स गिल्ड से 90,776 डॉलर की सालाना पेंशन भी मिलती है। उन्हें पिछले साल दुबई के रियल एस्टेट इन्वेस्टमेंट से 30 लाख डॉलर और ओमान से 20 लाख डॉलर से ज्यादा की कमाई हुई।

ट्रंप के खिलाफ कमला हैरिस का बड़ा दांव- अमेरिका के मिडिल क्लास को रिझाने के लिए बताया बड़ा प्लान

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका में हो रहे राष्ट्रपति पद के चुनाव में उतरी कमला हैरिस अपने प्रतिद्वंदी डोनाल्ड ट्रंप को कड़ी चुनौती दे रही हैं। वे ट्रंप के हर एक दांव को फेल करने की कोशिश करते हुए आमजनता को रिझाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहीं हैं। अबकी बार कमला ने मिडिल क्लास की सहानुभूति बटोरने की कोशिश की है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका के मिडिल क्लास खासकर सैलरी वालों को राहत देने के लिए कई कदम उठाने का ऐलान किया है। उन्होंने अपने विरोधी और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप पर भी निशाना साधा और कहा कि उनका एजेंडा आज भी पुराने ढर्रे पर चल रहा है। बता दें कि अमेरिका की करीब 50 फीसदी जनसंख्या मिडिल क?लास में आती है। जाहिर है कि कमला हैरिस ने अपने मुद्दे में मिडिल क्लास को शामिल कर बड़े वोटर वर्ग को रिझाने की कोशिश की है।

कमला हैरिस ने अपनी इकनॉमिक पॉलिसी पेश करते हुए कहा कि लाखों लोग पहली बार अपना घर खरीदने का सपना देख रहे हैं। ऐसे लोगों की मदद की जाएगी और टैक्स को भी कम करने पर जोर रहेगा। इसके साथ ही ग्रॉसरी व अन्य जरूरी चीजों के दाम घटाने पर भी हमारी सरकार का फोकस रहेगा। हेल्थकेयर और चाइल्ड टैक्स क्रेडिट जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जाएगा, ताकि मिडिल क्लास को इसका पूरा फायदा मिल सके। अमेरिका में पिछले दिनों जारी महंगाई के आंकड़ों ने करीब साढ़े तीन साल बाद राहत दी है, जब उपभोक्ता से जुड़ी महंगाई दर 3 फीसदी से नीचे चली गई। हालांकि, ग्रॉसरी सहित अन्य खाद्य उत्पादों की महंगाई दर आज भी बढ़ी हुई है और इनकी कीमतें कोरोना महामारी से पूर्व की स्थिति से भी ऊपर हैं। यही कमला हैरिस की सबसे बड़ी चिंता है, क्योंकि इसका सीधा और सबसे ज्यादा असर मिडिल क्लास पर पड़ रहा है। कमला हैरिस ने अपने इकनॉमिक विजन में मिडिल क्लास के लिए अपने घर का सपना पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि इस देश में अपना घर बनाना काफी मुश्किल काम है। हम हाउसिंग और दवाओं की कीमतों पर नजर रखेंगे और उसे आम आदमी के काबिल बनाएंगे। ग्रॉसरी की कीमतों पर नजर रखने के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं और उल्लंघन करने वालों पर पेनाल्टी लगाने का भी आदेश दिया गया है।

रुस के पास गोला बारूद का टोटा- नहीं कर पा रहा जवाबी कार्रवाई

मास्को (एजेंसी)। रुस जैसा शक्तिशाली देश यूक्रेन से जंग लड़ने में हांफने लगा है। उसके पास गोला बारुद को टोटा पड़ गया है। यही वजह है कि यूक्रेन ने पश्चिमी कुर्स्क इलाके के कुछ क्षेत्र पर कब्जा कर रूस को बड़ा झटका दे दिया था। अब चर्चाएं ये भी शुरू हो गई हैं कि आखिर रूस इसका जवाब अब तक क्यों नहीं दे सका है। जानकार इसके कई कारण गिनाते हैं। हालांकि, खबरें ये भी हैं कि रूस ने इस कार्रवाई का जवाब धीरे-धीरे देना शुरू कर दिया है। खास बात है कि फरवरी 2022 में हुए आक्रमण के बाद राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की शासन को यह चौथा बड़ा झटका माना जा रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, एक अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि रूस की सेना में क्विक रिएक्शन फोर्सेज की कमी है, जो आपातकाल की स्थिति में कार्रवाई के लिए तैयार हो सकती है। दो अधिकारियों ने कहा कि रूसी बलों ने आक्रमण के दौरान पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन में लाखों तोप के गोले चलाए, लेकिन मॉस्को कुर्स्क से यूक्रेनियों के बाहर निकालने के लिए भारी तोपों का इस्तेमाल करने में इच्छुक नहीं रहा है। बता दें कि बीते सप्ताह यूक्रेन की सेना ने कीव के पूर्वोत्तर पर हमला बोल दिया था, जिसके बाद उसने कई गावों पर कब्जा किया और रूसी सैनिकों को बंदी बना लिया था। यूएसए टुडे से बातचीत में अमेरिका के एक अधिकारी ने बताया है कि यूक्रेन ने आक्रमण के बारे में व्हाइट हाउस या पेंटागन को जानकारी नहीं दी थी। इधर, पुतिन ने भी इस हमले का जिम्मेदारी यूक्रेन के सहयोगियों को बताया है।

रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी यूक्रेन में लगातार जंग के बाद रूस के पास गोला बारूद की भी कमी हो सकती है। एक अमेरिकी अधिकारी का कहना है कि कुर्स्क में यूक्रेनी बलों का सामना करने के लिए रूस ने बलों को बढ़ाना शुरू कर दिया है। साथ ही रूस की धीमी जवाबी कार्रवाई की एक वजह यह भी बताई जा रही है कि उन्हें इस बात की स्पष्ट जानकारी नहीं है कि यूक्रेन क्या करना चाह रहा है। एक अमेरिकी अधिकारी के मुताबिक यूक्रेन के हमले की एक वजह रूसी सैनिकों को कैदी बनाने की भी हो सकती है, जिसका इस्तेमाल वो कैदियों की अदला-बदली में कर सकता है। कहा जा रहा है कि 3 हजार से ज्यादा युद्ध बंदी अदला बदली के जरिए घर वापसी कर चुके हैं। हालांकि, अब तक यह भी साफ नहीं है कि दोनों पक्षों के पास कितने युद्धबंदी हैं।

यूक्रेनी वायुसेना ने सेइम नदी पर बने एक पुल को तबाह कर दिया और पास के ही एक पुल पर हमला किया। इस पुल से ही रूसी सेना को सैन्य व अन्य आपूर्ति की जा रही थी। यह हमला सीमा पार से की गई घुसपैठ के दो सप्ताह से भी कम समय में हुआ है। इस हमले से रूसी आपूर्ति मार्ग बाधित हो गया है। पुल तबाह होने से रूस का युद्ध संचालन अभियान प्रभावित हो सकता है। यूक्रेन का कहना है कि वह उसके आपूर्ति मार्गों को बाधित करना चाहता है। ये हमला यूक्रेनी सीमा से 15 किलोमीटर दूर ज्वानोये गांव के पास किया गया। एयर फोर्स कमांडर मायकोला ओलेशचुक ने कहा, एक और पुल को नष्ट कर दिया है, वायुसेना के विमान ने पुल पर सटीक निशाना लगाया। उन्होंने हमले का एक वीडियो भी जारी किया है। एक रूसी ब्लॉगर्स ने भी तबाह हुए पुल की तस्वीरें साझा की हैं।

रिश्तों का कत्ल : भतीजे ने चाचा को उतारा मौत के घाट, चीख सुन बाहर आई बेटी हुई बेहोश

चरखी दादरी । दादरी के गांव पिचौपा खुर्द में भतीजे ने घर के आंगन में सो रहे 55 वर्षीय एक व्यक्ति की कस्सी से काटकर निर्मम हत्या कर दी। आवाज सुनकर मृतक की बेटी बाहर आई तो हत्यारा मौके से भाग गया। घटना को देख बेटी भी बेहोश हो गई। बाद में आसपास के लोगों ने गंभीर हालत में दादरी के सिविल अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के बेटे सालासर दर्शन करने गए हुए थे, वहीं पुलिस ने नामजद आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और दादरी के सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया जा रहा है। बता दें कि गांव पिचोपा खुई निवासी 55 वर्षीय रामफल देर रात अपने घर के आंगन में सो रहा था। उसके दोनों भाई प्रदीप व मोहित सालासर दर्शन करने के लिए गए हुए थे। रात को उनके घर के सामने झगड़े का शोर सुनाई दिया तो रामफल की बेटी पूजा ने मकान का गेट खोलकर देखा। आंगन में उनका पड़ोसी पवन कस्सी से उसके पिता रामफल को चोट मार रहा था। उसने शोर मचाया तो वह कस्सी को मौके पर ही छोड़कर भाग गया। बाद में ग्रामीण उसके पिता को लेकर चरखी दादरी के सिविल अस्पताल पहुंचे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पूजा ने बताया कि आरोपी उनके घर के बाहर घूमता रहता था जबकि उसके पिता उसे घर के बाहर घूमने से टोकते थे। उसी रंजिश के चलते उसने कस्सी मारकर उसके पिता की हत्या की है। ग्रामीण दलबीर सिंह ने बताया कि मृतक रामफल खेतीबाड़ी का काम करता था। वह पशुओं की देखभाल के लिए घर के सामने पशुओं के समीप चारपाई डालकर हर रोज की भांति वहां सो रहा था। इसी दौरान रामफल के पड़ोसी ने कस्सी से काटकर हत्या कर दी। इस मामले में बाढ़ड़ा थाना पुलिस ने मृतक की बेटी की शिकायत पर आरोपी पवन के खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फरीदाबाद में सब्जी की कढ़ाई में गिरी 2 बच्चियां, एक बच्ची की मौत

फरीदाबाद । फरीदाबाद जिले के डीग गांव में दो मासूम बच्चियां गर्म सब्जी की कढ़ाई में गिर गई जिसके चलते एक बच्ची की मौत हो गई तो दूसरी बच्ची को दिल्ली के ऑल इंडिया मेडिकल के लिए रेफर किया गया है। मृतक बच्ची का फरीदाबाद के बादशाह खान सिविल अस्पताल में पोस्टमार्टम चल रहा है। मृतक बच्ची के पिता दया किशन ने बताया कि उनकी दो साल की बेटी जिया को पड़ोस की ही रहने वाले दयाराम की 12 वर्ष से बेटी परिधि गोद में लेकर खिला रही थी। गांव में भागवत कथा खत्म होने के बाद आज गांव में भंडारे का आयोजन था, जिसके चलते भोजन प्रसाद बन रहा था। सब्जी बनने के बाद हलवाई ने सब्जी को भट्टी से उतार कर जमीन पर रख दिया था। इस दौरान परिधि उनकी 2 साल की बेटी को गोद में लेकर उसे खिलाते हुए वहां से निकल रही थी और वह कुछ दूरी पर ही खड़े थे कि तभी अचानक से परिधि का बैलेंस बिगड़ गया। परिधि और उनकी 2 साल की बेटी जिया गर्म सब्जी कढ़ाई में गिर गई, जैसे ही परिधि और उनकी बेटी कढ़ाई में गिरी। उन्होंने तुरंत उन्हें कड़ाई से निकाल लिया और आनन-फानन में उन्हें लेकर वह बल्लभगढ़ स्थित सरकारी अस्पताल में पहुंचे जहां पर डॉक्टरों ने केवल उनकी बेटी और परिधि को जलने की क्रीम लगाई। उनकी बेटी और परिधि का सही से इलाज नहीं किया। काफी देर होने के बाद उन्होंने केवल मेडिकल रिपोर्ट बनाकर उन्हें दे दी और कहा कि वह इन्हें इलाज के लिए दिल्ली के ऑल इंडिया मेडिकल ले जाएं। इसके बाद वह जिया को लेकर फरीदाबाद के सेक्टर-8 स्थित एक निजी अस्पताल में पहुंचे जहां पर डॉक्टर ने उन्हें बताया कि जिया को कोई भी इंजेक्शन दवाई नहीं दी गई है, केवल उसे जलने की क्रीम लगाई गई है। फिलहाल परिधि के माता-पिता उसे इलाज के लिए दिल्ली के ऑल इंडिया मेडिकल लेकर गए हैं। जयकिशन ने बताया कि बल्लभगढ़ के सरकारी अस्पताल के डॉक्टर और स्टाफ ने उनकी बेटी के इलाज में लापरवाही की है जिसके चलते उनकी बेटी की मौत हुई है, वह चाहते हैं कि अस्पताल में उनकी बेटी के इलाज में लापरवाही बरतने वाले स्टाफ और डॉक्टर के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। इसको लेकर वह सीएम विंडो से लेकर सीएम को शिकायत भी करेंगे। वहीं मृतक बच्ची के ताऊ पवन ने बताया कि गांव में भंडारा हो रहा था। इसके लिए गांव में प्रसाद बनाया जा रहा था लेकिन इसमें हलवाई की गलती है कि उसने प्रसाद को ढ़ककर और साइड में नहीं रखा। यदि वह प्रसाद को ढ़ककर और साइड में रखता तो उनकी भतीजी और पड़ोसी की बेटी परिधि के साथ यह घटना घटती। वह चाहते है कि प्रसाद बनाने वाले हलवाई के खिलाफ भी लापरवाही का मामला दर्ज हो।

हरियाणा के रोहतक में मेडिकल छात्रा के साथ खौफनाक हैवानियत, जानकर होंगे हैरान

रोहतक । जहां एक तरफ रोहतक पीजीआइएमएस के रेजीडेंट डॉक्टर कोलकाता की डॉक्टर के साथ हुई घटना का विरोध कर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके खुद के कॉलेज में छात्राओं की सुरक्षा पर आज की घटना से सवाल खड़े हो गए हैं। रोहतक स्थित पंडित बीडी शर्मा पीजीआईएमएस के डेंटल कॉलेज में सेकंड ईयर की छात्रा ने एनाटॉमी विभाग के डॉक्टर पर उसका अपहरण कर मारपीट करने के आरोप लगाए हैं। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर के खिलाफ मारपीट और अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि छात्रा को एनाटॉमी विभाग में डॉक्टर मनिंदर पढ़ाई करवाता है। छात्र प्राची ने अपने शिक्षक डॉक्टर पर आरोप लगाया है कि उसने उसका अपहरण किया और उसके साथ मारपीट की है। छात्रा का ट्रॉमा सेंटर में इलाज करने के बाद वहां से डिस्चार्ज कर दिया है। आरोपी अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। पुलिस का कहना है कि आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा और मामले की जांच जारी है। यह भी पता चला है कि आरोपी डॉक्टर और छात्र आपस में कई महीने से एक दूसरे को जानते थे।

रक्षाबंधन पर बहन ने दिया भाई को नई जिंदगी का तोहफा, ऐसे बचाई जान

फरीदाबाद । यूं तो देश में राखी और भाई-बहन के प्यार के अनगिनत उदाहरण मिल जाएंगे, जिसमें भगवान श्री कृष्ण से लेकर, सिकंदर की पत्नी द्वारा पोरस को भेजी गई रखी भी शामिल है। फरीदाबाद में भाई-बहन के प्यार का ताजा उदाहरण सामने आया है जिसमें बहन ने भाई को राखी से ठीक दो दिन पहले अपनी किडनी देकर भाई की जान बचाई है। फरीदाबाद की रहने वाली महिला रोपा ने अपने भाई से राखी पर उपहार लेने के बजाए भाई की जान बचा कर उसे सबसे बड़ा तोहफा दिया है। बहन से किड़नी लेने वाले ललित कुमार ने बताया कि जनवरी 2023 में उन्हें परेशानी शुरू हुई। जब चेकअप कराया गया तो पता चला कि उनका क्रेटीनिन 12 से ज्यादा था। उसके बाद उनका डायलिसिस शुरू हो गया। ललित कुमार के मुताबिक उनकी बहन भी फरीदाबाद में ही रहती हैं। जब उन्हें पता चला तो उन्होंने खुद से आगे आकर कहा कि भाई मैं किडनी देने के लिए तैयार हूं। ललित कुमार के मुताबिक उन्होंने मना भी किया लेकिन बहन ने कुछ नहीं सुना। बहन रोपा ने बताया कि उन्हें खुशी इस बात की है कि उन्होंनेअपने छोटे भाई की जान बचाई है। रोपा ने बताया कि उन्होंने खुद ही भाई को अपनी किड़नी लेने के लिए तैयार किया क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी वजह से उनकी बहन के जीवन में कोई परेशानी हो। रोपा से जब पूछा गया कि क्या उनके परिवार में किसी ने इस बात को लेकर एतराज जताया तो उन्होंने कहा कि मेरे पति की मौत हो चुकी है। मेरे दो बच्चे हैं, लेकिन किसी ने भी मुझे इस काम को करने से नहीं रोका। उन्होंने कहा कि राखी के मौके पर भाई की जान बचा कर वह खुश हैं।

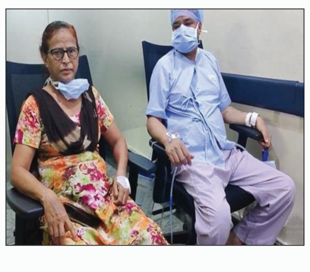

जेजेपी के नेता दुष्यंत से नाराज, संभल जाए नहीं तो हो जाएगा सूपड़ा साफ...मुख्यमंत्री का बड़ा बयान आया सामने

रोहतक । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी अचानक भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे और महिलाओं से राखी भी बंधवाई। उन्होंने कहा कि जेजेपी के नेता दुष्यंत चौटाला से खफा थे, इसलिए पार्टी छोड़ रहे हैं। सीएम सैनी ने कहा कि समय रहते दुष्यंत चौटाला अपनी पार्टी को संभाल ले नहीं तो पार्टी को बिखरते देर नहीं लगेगी। सैनी ने कांग्रेस और जेजेपी के कई नेताओं के सम्पर्क में होने की बात कही।

सैनी ने प्रदेश की जनता से अपील करते हुए 1 अक्टूबर को अपने घरों से निकलर कर भाजपा को वोट देने की बात कही है। साथ में उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी झूठ फैला रही है कि जाट समाज बीजेपी से कटा हुआ है लेकिन जाट समाज अबकी बार भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर उन्हें वोट देगा और तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी।

वहीं मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दी। इस दौरान उन्होंने भाजपा के प्रदेश कार्यालय में महिला कार्यकर्ताओं से राखी भी बंधवाई। नायब सिंह सैनी ने कहा कि महिलाओं ने रक्षाबंधन पर उनसे गैस सिलेंडर सस्ता करने की बात कही थी, इसलिए सरकार ने वायदा पूरा करते हुए 500 रुपए में गरीब परिवारों को गैस सिलेंडर देने की योजना बनाई। इसके अलावा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा में अचानक घोषित हुए विधानसभा चुनाव पर भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि चुनाव घोषित हुए हैं इनका वह स्वागत करते हैं, साथ में उन्होंने यह भी कहा कि कुछ घोषणाएं ऐसी थी जो होनी बाकी थी जिन्हें पूरा न करने का मलाल रहेगा। उन्होंने कहा कि अब तक जो घोषणाएं हुई उनका नोटिफिकेशन हो चुका है और सरकार अपने वायदे पर खरी है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र सिंह हुड्डा दलित विरोधी नेता है और उनके कार्यकाल के दौरान मिर्चपुर और गोहाना में दलितों के साथ जगन्य अपराध हुआ था इसलिए भूपेंद्र सिंह हुड्डा पहले अपना हिसाब दें।

राज्यसभा की टिकट के लिए कल नामांकन भर सकती हैं किरण चौधरी- सूत्र

चंडीगढ़ । लोकसभा चुनाव के बाद अब सबकी निगाहें हरियाणा में खाली हुई राज्यसभा की एक सीट पर होने वाले उपचुनाव पर है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा के लोकसभा चुनाव जीतने के बाद राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट पर उपचुनाव होना है। वहीं सूत्रों के हवाले से खबर सामने आ रही है कि कल किरण चौधरी राज्यसभा की टिकट के लिए कल नामांकन भर सकती है।

बता दें कि किरण चौधरी ने कांग्रेस पार्टी को अलविदा कहकर भाजपा ज्वाइन की है, लेकिन तोशाम से किरण अभी भी विधायक हैं। इसे लेकर कांग्रेस के डेप्युटी लीडर आफताब अहमद ने विधानसभा स्पीकर को याचिका दाखिल की है। वहीं इससे पहले विधानसभा स्पीकर को लेटर भेजा था कि किरण चौधरी ने कांग्रेस छोड़ दी है और अब उनकी सदस्यता भी रद्द की जाए। इसके बावजूद किरण चौधरी की विधानसभा सदस्यता अब तक स्पीकर ने रद्द नहीं की। जिसके बाद कांग्रेस ने इसे दलबदल कानून का उल्लंघन करना बताया था।

जानकारी के मुताबिक 25 जून को कांग्रेस ने किरण चौधरी की सदस्यता रद्द करने को लेकर विधानसभा स्पीकर को रिमाइंडर भेजा था, जिसमें विधानसभा में कांग्रेस के डेप्युटी लीडर आफताब अहमद, चीफ व्हिप बी बी बतरा ने स्पीकर को पत्र भेजा है। इस रिमाइंडर से कांग्रेस विधानसभा स्पीकर को एक बार फिर स्मरण करवा रही है कि अभी तक किरण चौधरी की विधानसभा सदस्यता रद्द नहीं की गई है, ऐसे में तुरंत प्रभाव से इस पर एक्शन लिया जाए।

राज्यसभा में हरियाणा का समीकरण

हरियाणा में राज्यसभा की एक सीट दीपेंद्र हुड्डा के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। दीपेंद्र हुड्डा कांग्रेस की ओर से राज्यसभा के सांसद थे, लेकिन रोहतक से लोकसभा सांसद का चुनाव जीतने के बाद उन्होंने राज्यसभा से अपना इस्तीफा दे दिया है, चूंकि दीपेंद्र हुड्डा 10 अप्रैल 2020 को राज्यसभा के लिए चुने गए थे। ऐसे में 9 अप्रैल 2026 तक उनका कार्यकाल था, जिसके पूरा होने से पहले ही उन्हें इस्तीफा देना पड़ा। मौजूदा हालात पर नजर डाले तो हरियाणा से फिलहाल बीजेपी की ओर से तीन राज्यसभा सांसद है, जिनमें सुभाष बराला, कृष्णलाल पंवार, रामचंद्र जांगडा शामिल है। इसके अलावा कार्तिकेय शर्मा ने भले ही आजाद प्रत्याशी के तौर पर राज्यसभा का चुनाव लड़ा था, लेकिन अप्रत्यक्ष रूप से उन्हें बीजेपी का समर्थन था। यानी फिलहाल हरियाणा से मौजूद चारों राज्यसभा सांसद बीजेपी से ही संबंधित है। ऐसे में देखना होगा कि दीपेंद्र के इस्तीफे से खाली हुई राज्यसभा सीट पर क्या खेला होता है ?

हरियाणा भाजपा ने बुलाई चुनाव समिति की बैठक, टिकटों पर होगा मंथन... 26 अगस्त तक पहली लिस्ट संभव

चंडीगढ़ । हरियाणा में विधानसभा चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दल एक्शन में आ गए हैं। चुनाव आयोग द्वारा जारी चुनावी कार्यक्रम के अनुसार 12 सिंतबर को नामांकन की अंतिम तिथि है। इससे पहले सभी दलों को प्रत्याशियों की घोषणा करनी है। इसी को लेकर भाजपा नेचुनाव समिति की एक अहम बैठक बुलाई है। यह बैठक 22 अगस्त को गुरुग्राम में होगी। इस बैठक में हरियाणा भाजपा के सभी दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में टिकट वितरण पर मंथन होगा।

सूत्रों की मुताबिक भारतीय जनता पार्टी 26 अगस्त को टिकटों की पहली सूची जारी कर सकती है। पहली सूची में उन सीटों और उम्मीदवारों को जगह दी जाएगी, जहां भाजपा मजबूत स्थिति में है और जो जिताउं और मजबूत उम्मीदवार हैं। सूत्रों का यह भी कहना है कि पहली सूची में लगभग 20 से 25 टिकट जारी किए जाएंगे। इसके साथ बड़ी संख्या में विधायकों के टिकट भी काटे जा सकते हैं।

पैरों में पड़े छाले, फिर भी जज्बा बरकरार...राहुल गांधी को पीएम बनाने के लिए 13 साल से बिना चप्पल यात्रा कर रहा जींद का दिनेश

चंडीगढ़ । रोहतक (दीपक भारद्वाज) :- पैरों में छाले और हाथ में तिरंगा झंडा लेकर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनाने का सपना लेकर जींद जिले के काकड़ौद गांव का रहने वाला दिनेश शर्मा सड़क पर निकल चुका है। दिनेश पिछले 13 साल से नंगे पांव राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनने के लिए हाथों में तिरंगा लेकर यात्राएं कर रहा है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो व न्याय यात्रा में भी दिनेश सुर्खियों में रहा था। फिलहाल वह अपने गांव से तिरंगा हाथ में लेकर राहुल गांधी को सौंपने के लिए फिर से निकल पड़ा है। इस बार तो गांव के भी कई लोग उसके साथ यात्रा में चल रहे हैं।

दिनेश का कहना है कि जब तक राहुल गांधी देश के प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे, तब तक इसी तरह से उनकी यात्रा चलती रहेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि जोश में छालों का दर्द भी मालूम नहीं पड़ता है। दिनेश ने कहा कि उनकी कोई राजनीतिक मंशा नहीं है, वह एक छोटा सा सामान्य कार्यकर्ता है और आज तक उन्होंने कांग्रेस पार्टी में कोई भी पद नहीं लिया है। पहले वह अकेला ही यात्रा पर निकलता था, लेकिन अब तो उसके गांव के लोग भी साथ खड़े हो गए हैं, जिससे जोश और बढ़ गया है। 15 अगस्त को काकड़ौद गांव से शुरू हुई यह यात्रा आज रोहतक पहुंची और दिल्ली के लिए रवाना हो गई।

कुलदीप गुर्जर को मिला सोहना की जनता का प्यार

गुड़गांव, (ब्यूरो):- जन संपर्क अभियान को तेज करते हुए कांग्रेस नेता एवं कांग्रेस युवा प्रदेश सचिव कुलदीप गुर्जर जब सोहना क्षेत्र के लोगों के बीच पहुंचे तो लोगों ने उनका भव्य स्वागत किया। सोहना की जनता ने उनका फूल मालाओं से स्वागत करते हुए उनका समर्थन करने का वादा किया। इस अवसर पर कांग्रेस नेता कुलदीप गुर्जर ने कहा कि सोहना तावडू क्षेत्र को एक युवा विधायक की जरूरत है। युवा सोच के चलते ही इस क्षेत्र का सही मायने में विकास हो सकता है। कांग्रेस युवा प्रदेश सचिव कुलदीप गुर्जर ने कहा कि वह राजनीति में पैसा कमाने नहीं बल्कि जन सेवा करने आए हैं। उन्हें बड़ा दुख होता है कि जब सोहना तावडू के लोग मूलभूत सुविधाओं के लिए भी तरसते हैं। सोहना तावडू विधानसभा साइबर सिटी गुड़गांव जिले की विधानसभा है जो सरकार के खजाने में सबसे ज्यादा पैसा जमा करती है। उसके बावजूद भी यह क्षेत्र विकास से वंचित है। यहां से चुने गए विधायकों ने इस क्षेत्र का विकास करने की बजाय अपने विकास पर ध्यान दिया। उन्होंने क्षेत्र की जनता से वादा किया कि वह सोहना तावडू के विकास के लिए जी तोड़ मेहनत करेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ही सभी वर्गों का, सभी क्षेत्रों का समान रूप से विकास करने का संकल्प लेकर आगे चलती है। जन संपर्क अभियान के दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों के साथ-साथ व्यापारियों से भी मुलाकात की। इस दौरान लोगों व व्यापारियों ने कुलदीप गुर्जर का हर हाल में साथ देने और उनके कंधे से कंधा मिलाकर क्षेत्र के विकास में अपनी भागीदारी निभाने का वादा किया है।

कुंडली में चुनाव से पहले गोदाम में अवैध रूप से रखी शराब बरामद, 707 पेटियों सहित 4 आरोपी काबू

गन्नौर। क्राइम यूनिट गन्नौर की टीम ने कुंडली की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में रविवार को छापा मारकर गोदाम में अवैध रूप से रखी 707 पेटी शराब बरामद की है। पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान उत्तर प्रदेश के जिला हरदोई के गांव अछरामऊ निवासी सतीश, प्रांशु, व राजन लाल तथा सोनीपत के गांव जांटी कलां निवासी वंश के रूप में हुई है। गन्नौर क्राइम यूनिट के एसआई चांद सिंह ने बताया कि रविवार को सूचना मिली थी कि कुंडली की न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी में यूपी के गौरव, ढिल्लू जांटी व अजय लिवासपुर के गोदाम में अवैध रूप से शराब रखी है। जिस पर उन्होंने आबकारी विभाग के इंस्पेक्टर महाबीर को सूचना दी। इसके बाद गन्नौर क्राइम यूनिट व कुंडली थाना पुलिस ने छापा डाला।

हरियाणा में अब आर एस एस के भरोसे बीजेपी, संघ के मंत्र से निकलेगी जीत की हैट्रिक ?

चंडीगढ़ । विधानसभा चुनाव की घोषणा से पहले ही चुनाव की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी तीसरी बार प्रदेश में सत्ता की हैट्रिक लगाने के लिए आरएसएस के साथ मिलकर जुगत भिड़ा रही है। यहीं कारण है कि बीते दिनों संघ के साथ मीटिंग करने के बाद अब एक बार फिर से फरीदाबाद में बीजेपी और संघ के नेताओं के बीच दो दिवसीय मीटिंग का आयोजन किया गया। बताया जा रहा है कि मीटिंग में हरियाणा के विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मीटिंग में संघ के अधिकारियों ने बीजेपी नेताओं को कई सुझाव दिए। ऐसे में चर्चा है कि क्या संघ के मंत्र से बीजेपी की जीत की हैट्रिक लगेगी ?

आपस में मिला रहे कदमताल

लोकसभा चुनाव के दौरान हरियाणा में पार्टी के खराब प्रदर्शन से सीख लेते हुए बीजेपी ने संघ के साथ आपसी कड़वाहट को दरकिनार करते हुए हरियाणा चुनावों के लिए कदमताल मिलाना शुरू कर दिया है। हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर संघ के पदाधिकारियों के साथ बीजेपी नेताओं की मीटिंग के अलावा दिल्ली में लगातार मीटिंगों का दौर जारी है। क्या बीजेपी संघ के सुझावों से हरियाणा में जीत की हैट्रिक लगाएगी ? दरअसल, ऐसा इसलिए कहा जा रहा है कि क्योंकि कुछ महीने पहले एक इंटरव्यू में बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा था कि बीजेपी अब सक्षम है। आज पार्टी अपने आप को चला रही है। पहले आरएसएस की जरूरत पड़ती थी, लेकिन आज बीजेपी सक्षम है और हम बढ़ गए हैं।

चुनाव से पहले बीजेपीऔर आरएसएस की अहम बैठक

शनिवार और रविवार को फरीदाबाद में हुई आरएसएस और बीजेपी की दो दिवसीय दो द्वितीय समन्वयक बैठक में हरियाणा के विधानसभा चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। सूत्रों की माने तो इस बैठक में आरएसएस के अधिकारियों ने हरियाणा चुनावों के लिए बीजेपी नेताओं को खास सुझाव दिए है। संघ की तरफ से बीजेपी को हरियाणा चुनाव में ज्यादा से ज्यादा युवाओं को चुनाव मैदान में मौका देने की सलाह दी गई। इस तरह से यदि संघ पदाधिकारियों की सलाह पार्टी द्वारा मानी जाती है तो हरियाणा में इस बार तुलनात्मक रूप से नए और युवा चेहरों पर पार्टी अधिक दांव लगा सकती है। इस तरह से युवा चेहरों को तरजीह देने के साथ साथ कई नामी और पुराने नेताओं को चुनाव नहीं लड़ाए जाने का फैसला हो सकता है।

संघ के अधिकारियों ने बीजेपी को दिया ये सुझाव

जानकारों की माने तो संघ के अधिकारियों ने ये भी सुझाव दिया कि जिस किसी सीनियर नेता या सीटिंग विधायकों की ग्राउंड रिपोर्ट ठीक नहीं हो उनकी टिकट काट दी जानी चाहिए। संघ ने साफ कहा है कि सत्ता विरोधी लहर झेल रहे सिटिंग विधायकों से किनारा किया जाना चाहिए। ऐसे में मिल रही जानकारी के मुताबिक बीजेपी इस बार मौजूदा विधायकों का टिकट काटने में आनाकानी नहीं करेगी।. करीब 40 फीसदी से अधिक मौजूदा विधायकों का पत्ता साफ हो सकता है और इनकी जगह नए और युवा चेहरों को मौका दिया जा सकता है।

संघ पदाधिकारियों ने बीजेपी नेताओं को सुझाव दिया कि चुनाव के लिए पार्टी को जमीन पर विस्तृत कंसल्टेशन करने जरूरत है और हर सीट पर चार से पांच उम्मीदवारों का पैनल बनाकर उनमें से एक का चुनाव किए जाने की जरूरत है. यानि हर सीट पर पारंपरिक रूप से 2-3 नाम मंगवाए जाने की जगह 4-5 नाम मंगवाए जाएं ताकि पार्टी के सामने अधिक से अधिक उम्मीदवारों का पैनल पहुंच सके और पार्टी उनमें से विनिबलिटी के हिसाब से प्रत्याशी छांट सके।

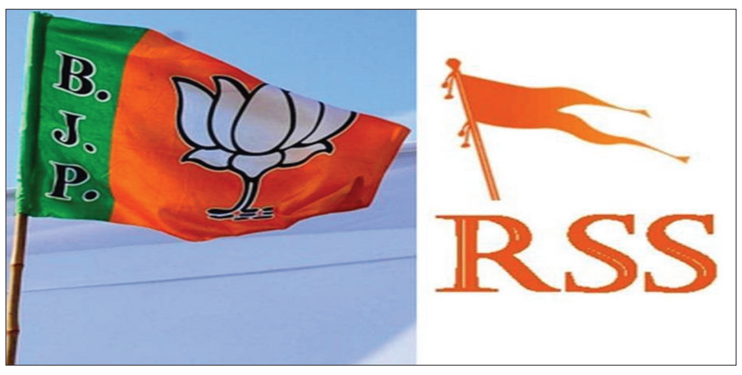

क्या संघ के मंत्र से निकलेगी जीत की हैट्रिक ?

बीजेपी के साथ समन्वय का काम देखने वाले आरएसएस के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार की कर्मभूमि भी हरियाणा रही है। लिहाजा हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर वे भी नहीं चाहते कि सूबे की सत्ता पर बीजेपी और संघ की पकड़ कमजोर हो। ऐसे में जीत की हैट्रिक लगाने के लिए आरएसएस के सभी अनुसंगिकों का अपेक्षित सहयोग और कोऑर्डिनेशन बेहतर ढंग से चले इसकी पूरी कवायद की जा रही है। इस सिलसिले में शनिवार को ही दिल्ली में भी बीजेपी की मीटिंग का आयोजन किया गया। इस मीटिंग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत बीजेपी के सभी प्रदेश अध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक में पीएम मोदी ने सभी से आगामी विधानसभा चुनावों में जी जान से जुट जाने क आह्वान किया।

इस बार बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतकर टीम का सपना पूरा करेंगे : लियोन

सिडनी(एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन का कहना है कि उनकी टीम इस साल के अंत में होने वाली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतकर पिछले एक दशक का सूखा समाप्त करेगी। लियोन के अनुसार टीम पिछले दस साल से ट्रॉफी को हासिल नहीं कर पायी है पर इस बार उसका ये सपना पूरा किया जाएगा। साथ ही कहा कि अपनी टीम की जीत में वह अहम भूमिका निभाना चाहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने साल 2014-15 के बाद से ही अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीती है। इस दौरान उन्हें अपने घर में भी लगातार दो सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है। 2020-21 में भारत 0-1 से पीछे था और एडिलेड में 36 रन पर ऑलआउट हो गया था लेकिन उसके बाद टीम ने मेलबर्न में जीती और ब्रिस्बेन में जीतकर ट्रॉफी आने नाम की। सिडनी में टेस्ट को बराबरी पर लाने में भारतीय टीम सफल रही। लियोनके अनुसार लगभग हर प्रारुप में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और सभी ट्रॉफी जीती पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी नहीं जीत पाना उन्हें काफ़ी निराशाजनक लगता है। ऑस्ट्रेलिया को एकदिवसीय विश्व कप और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का ख़िताब जिताने वाले कप्तान पैट कमिंस अब तक बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीतने वाली टीम में नहीं रहे हैं।

लियोन ने कहा, 10 साल से हमारा सपना पूरा नहीं हो पाया है। काफी लंबा समय हो गया है और मुझे पता है कि हम खासकर अपने घर पर चीजों को बदलने का इंतजार कर रहे हैं। ये सही है कि भारतीय टीम काफी अच्छी है और हमें बेहद कड़ी चुनौती मिलेगी पर मैं चीज़ों को बदलने और ट्रॉफी वापस पाने के लिए बेसब्र हूं। लियोन ने साथ ही कहा कि हम एक महान ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम बनने की राह पर हैं हालांकि हम निश्चित रूप से अभी वहां नहीं हैं लेकिन उससे दूर भी नहीं क्योंकि हम बेहतरीन क्रिकेट खेल रहे हैं।

विराट , रोहित को दलीप ट्रॉफी के लिए शामिल नहीं करने पर भड़के गावस्कर

–घरेलू क्रिकेट के लिए चयन प्रक्रिया पर उठाये सवाल

मुम्बई (एजेंसी) ।भारतीय टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के रवैये पर नाराजगी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि घरेलू क्रिकेट के लिए चयन प्रक्रिया सही नहीं है। इसमें वरिष्ठ खिलाड़ियों विराट कोहली, रोहित शर्मा आदि को भी खेलना चाहिये। बीसीसीआई ने दलीप ट्रॉफी के लिए चार टीमों की घोष्णा की है। इसमें केएल राहुल, शुभमन गिल, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और रवींद्र जडेजा भी शामिल किये गये हैं। पहले कहा गया था कि बोर्ड हर खिलाड़ी को अंतरराष्ट्रीय मैचों के ब्रेक के दौरान घरेलू मैच खेलने के लिए कहेगा पर कुछ खिलाड़ियों को राहत दे दी। विशेषकर रोहित , विराट , बुमराह और पांड्या व मो शमी । जहां तक बुमराह की बात है उन्हें फिटनेस बनाये रखने के लिए आराम दिया गया है। हाल के समय में उनकी फिटनेस की समस्याओं को देखते हुए उनके वर्क लोड का ध्यान रखना जरूरी माना गया है। वहीं शमी हाल ही में अपनी सर्जरी से उबरे हैं ऐसे में उनको घरेलू क्रिकेट से राहत देना ठीक है पर पांड्या ने 2018 के बाद से टेस्ट क्रिकेट नहीं खेला है इसके बाद भी वह घरेलू क्रिकेट नहीं खेल रहे।

रोहित और कोहली के न खेलने से लोगों को हैरानी हुई क्योंकि भारत को बांग्लादेश और न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लंबी टेस्ट सीरीज खेलनी है। गावस्कर ने रोहित और कोहली के दलीप ट्रॉफी से बाहर रहने पर चिंता जताई है और कहा है कि वे बिना ज्यादा अभ्यास के बांग्लादेश टेस्ट सीरीज खेलेंगे। गावस्कर ने कहा,चयनकर्ताओं ने कप्तान रोहित और विराट को दलीप ट्रॉफी के लिए नहीं चुना है, इसलिए वे बिना ज्यादा अभ्यास के बांग्लादेश टेस्ट सीरीज खेलेंगे। गावस्कर ने कहा कि जब कोई खिलाड़ी तीस साल की उम्र के करीब पहुंच जाता है तो उसके लिए उच्च स्तर बनाए रखना मुश्किल हो जाता है क्योंकि उसकी मांसपेशियों की याददाश्त कमजोर पड़ने लगती है और इसका एक ही उपाय है कि वह नियमित रूप से क्रिकेट खेले।उन्होंने कहा, बुमराह जैसे खिलाड़ी की पीठ की समस्या को देखते हुए उसका ध्यान रखना समझदारी है, लेकिन बल्लेबाजों को शामिल किया जाना था।

आईएसपीएल के दूसरे सत्र की घोषणा पर बोले सचिन , मैंने भी खेला है टेप बॉल से

मुंबई (एजेंसी) । टेनिस गेंद टूर्नामेंट 'इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग (आईएसपीएल) का दूसरा सत्र ठाणे के दादोजी कोंडादेव स्टेडियम में 26 जनवरी से नौ फरवरी 2025 तक होगा। इस टूर्नामेंट में 6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसके लिए अक्टूबर से देश के पांच क्षेत्रों के 55 शहरों में ट्रायल होंगे।

इस टूर्नामेंट को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने कहा कि उन्होंने भी बचपन में टेप बॉल से खेला है। साथ ही कहा कि इस प्रकार की गेंदों के सामने बल्लेबाजी करना आसान नहीं होता। साथ ही कहा कि इसके अनुभव से ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में रिवर्स स्विंग का सामना करने में उन्हें आसानी हुई। तेंदुलकर ने आईएसपीएल को लेकर उत्साह जताते हुए कहा कि स्टेडियम में 30,000 और इससे अधिक दर्शकों को आकर्षित करने वाले टूर्नामेंट में आने वाले समय में महिला क्रिकेटर भी शामिल होंगी। तेंदुलकर ने लीग के खास नियमों जैसे 50-50 और एक शॉट पर नौ रन देने के बारे में बात करते हुए कहा कि अगर हम बल्लेबाजों को कुछ फायदा दे रहे हैं तो गेंदबाजों को भी खेल में शामिल होने का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने खेलने के दिनों में गेंद पर एक तरफ से टेप से चिपका देता था। इससे रिवर्स स्विंग का अभ्यास करता था जिससे कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इसका सामना कर सकूं।

उन्होंने कहा कि मैंने सोचा कि क्यों ना इसे इस प्रारूप में शामिल किया जाए और अगर इसे लागू किया जाता है तो बल्लेबाज की तकनीक की भी परीक्षा होगी। लाल गेंद के मामले में जहां बल्लेबाजों को स्विंग होने पर अपने शरीर के करीब खेलना पड़ता है तो वहीं टेप वाली टेनिस गेंद के मामले में स्थिति पूरी तरह अलग होती है। तेंदुलकर ने कहा कि जो गेंदबाज ट्रायल और चयन के माध्यम से आए थे, वे टेप लगी गेंद से खेलने के आदी नहीं थे पर कुछ समय बिताने के बाद उन्होंने भी इसे सीख लिया।

आईसीसी युवा ओलंपिक में क्रिकेट को शामिल कराने पर विचार कर रहा

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) युवा ओलंपिक 2030 में क्रिकेट को शामिल कराने को लेकर विचार कर रहा है। भारत सरकार ने युवा ओलंपिक के 2030 संस्करण की मेजबानी में रुचि व्यक्त किसे जाने से भी आईसीसी का हौंसला बढ़ा है क्योंकि भारत में इस खेल के प्रति लोगों में दीवानगी है। आईसीसी का मानना है कि क्रिकेट को युवा ओलंपिक में शामिल किये जाने से विश्व स्तर पर क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ेगी। इसके साथ ही इसे खेलने वाले देशों की तादाद भी बढ़ेगी।

अभी एथलेटिक्स, बैडमिंटन, तीरंदाजी, बीच वॉलीबॉल, मुक्केबाजी, कैनोइंग, साइकिलिंग, गोताखोरी, घुड़सवारी, तलवारबाजी, फील्ड हॉकी, फुटबॉल, फुटसल, गोल्फ, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, जूडो, आधुनिक पेंटाथलॉन, रोइंग, रग्बी सेवन्स, नौकायन, शूटिंग, तैराकी, टेबल टेनिस, तायक्वोंडो, टेनिस, ट्रायथलॉन, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, बास्केटबॉल, और कुश्ती ही यूथ ओलंपिक में शामिल किये गये हैं।

आईसीसी अधिकारियों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) का रुख भी इस प्रस्ताव को लेकर सकारात्मक ही रहने की उम्मीद है। इसका कारण है कि आईओसी भी क्रिकेट के महत्व और इससे ओलंपिक खेलों को होने वाले फायदे के बारे में भी जानता है। युवा ओलंपिक खेलों में 15 से 18 वर्ष के ही खिलाड़ी भाग ले सकते हैं। आईसीसी का मानना है कि यदि भारत को युवा ओलंपि की मेजबानी मिलती है तो उसमें क्रिकेट को शामिल किये जाने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी क्योंकि आईओसी भी जानता है कि भारत में क्रिकेट को देखने वाले सबसे अधिक लोग हैं।इससे पहले साल 2028 के लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट खेला जाएगा।

द हंड्रेड : दीप्ति ने अंतिम ओवर में छक्का लगाकर लंदन स्पिरिट को जीत दिलायी

लंदन ।भारत की दीप्ति शर्मा की शानदार बल्लेबाजी से लंदन स्पिरिट ने महिलाओं के द हंड्रेड क्रिकेट टूर्नामेंट को जीत लिया है।टूर्नामेंट के खिताबी मुकाबले में स्पिरिट ने वेल्श फायर को हराया।इस मैच में लंदन स्पिरिट को जीत के लिए अंतिम तीन गेंदों पर चार रन चाहिये थे।ऐसे में दीप्ति ने छक्का लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी।इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है।वेल्श फायर ने इस मैच में लंदन स्पिरिट को जीत के लिए 116 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे टीम ने दीप्ति के छक्के के बल पर 2 गेंदें और 4 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया।दीप्ति ने इस मैच में 16 रनों की नाबाद पारी खेली।इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्श फायर ने निर्धारित 100 गेंदों पर 8 विकेट खोकर 115 रन बनाये थे।जेस जोनासेन ने सबसे अधिक 54 रन बनाये।उनके अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज अधिक रन नहीं बना पाया।वहीं इसके बाद खेलते हुए लंदन स्पिरिट को भी शुरुआती झटके लगे पर ओपनर जॉर्जिया रेडमेयने 34 रन बनाकर एक छोर संभाले रहीं।

महाराजा टी20 लीग : द्रविड़ के बेटे समित की शानदार बल्लेबाजी के बाद भी मैसूर वॉरियर्स हारी

बेंगलुरु। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के बेटे समित द्रविड़ ने यहां के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले जा रहे महाराजा टी20 लीग में शानदार बल्लेबाजी कर सबका ध्यान खींचा है।समित ने इस लीग में मैसूर वॉरियर्स की ओर से खेलते हुए गुलबर्गा मिस्टिक्स के खिलाफ शानदार पारी खेली हालांकि वह अपनी टीम को जीत नहीं दिला पाये।समित ने उस समय 33 रन की पारी रखी जब उनकी टीम ने 20 रनों के अंदर ही दो विकेट खो दिये थे। समित ने आकर कप्तान करुण नायर के साथ तीसरे विकेट के लिए अहम साझेदारी निभाते हुए टीम को संकट से उबारा। समित और करुण के बीच 83 रन साझेदारी हुई और इससे मैसूर वॉरियर्स की टीम 196 रन तक पहुंची। समित ने बल्लेबाजी के दौरान अपने पिता की तरह ही एक छोर संभाले रखा।इस उभरते क्रिकेटर ने 24 गेंदों पर 4 चौके और 1 छक्का लगाकर 33 रन बनाए।वह टूर्नामेंट के शुरुआती दो मैचों में विफल रहे थे पर इस मैच में उन्होंने अपने इरादे दिखा दिये। वहीं 197 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गुलबर्गा मिस्टिक्स की टीम ने आखिरी गेंद पर चौके से मुकाबला जीत लिया। गुलबर्गा की जीत में रविचंद्रन स्मरण की अहम भूमिका रही।इस बल्लेबाज ने 60 गेंदों पर 104 रन की नाबाद पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी।

रसेल और होल?डर के बिना ही दक्षिण अफीका के खिलाफ टी20 सीरीज में उतरेगी वेस्टइंडीज

जमैका।वेस्टइंडीज ने दक्षिण अफीका के खिलाफ इसी माह 24 अगस्त से शुरु हो रही तीन टी20 मैचों की सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्?यीय टीम घोषित कर दी है।इस टीम में मेजबान टीम ने ऑलराउंडर्स आंद्रे रसेल और जेसन होल्डर को शामिल नहीं किया है।इन दोनो के अलावा काइल मेयर्स को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं स्पिन ऑलराउंडर फेबियन एलेन, तेज गेंदबाज मैथ्?यू फोर्ड और प्रतिभाशाली बल्लेबाज एलिक एथांजे को शामिल किया गया है।क्रिकेट वेस्टइंडीज के निदेशक माइल्स बासकोंब ने कहा कि रसेल और होल्डर को तरोताजा होने के लिए आराम दिया गया है।उन्होंने कहा, रसेल और जेसन ने ब्रेक की मांग की थी।होल्डर ने इंग्लैंड व दक्षिण अफीका के खिलाफ लगातार पांच टेस्?ट खेले हैं।वहीं टीम के डैरेन सैमी ने कहा कि उनकी टीम दक्षिण अफीका के खिलाफ सीरीज को लेकर उत्साहित है और पूरी ताकत से दक्षिण अफीका का मुकाबला करेगी। हमने उनके खिलाफ हाल में खेला था जिसमें परिणाम मिले-जुले रहे थे। यह अहम और उत्साहजनक सीरीज रहेगीह। मुझे विश्वास है कि हमने जिस टीम का चयन किया, वो सफलता पाने के लिए बेहतर प्रदर्शन करेगी।वेस्टइंडीज ने पिछली पांच द्विपक्षीय टी20 सीरीज में से चार जीती थीं जिससे भी मेजबानों का हौंसला बढ़ा है।

वेस्टइंडीज दल- रोवमैन पॉवेल (कप्तान), रोस्टन चेज (उप-कप्तान), एलिक एथांजे, जॉनसन चार्ल्स, मैथ्यू फोर्ड, शिमरोन हेटमायर, फेबियन एलेन, शाई होप, अकील हुसैन, शमार जोसेफ, ओबेड मैकॉय, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, शेरफेन रदरफोर्ड और रोमारियो शेफर्ड।

मोहम्मद शमी की रणजी ट्रॉफी में वापसी, इस टीम से खेलेंगे मुकाबला

नई दिल्ली (एजेंसी) । टखने की सर्जरी के बाद रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने की प्रक्रिया) के दौर से गुजर रहे सीनियर तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के रणजी ट्रॉफी में अपनी घरेलू टीम बंगाल के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करने की संभावना है। वह इसके बाद न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की श्रृंखला में किसी 1 टेस्ट मैच में खेल सकते हैं। समझा जाता है कि शमी 11 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश और 18 अक्टूबर को बिहार के खिलाफ बंगाल के शुरुआती 2 रणजी मैचों में किसी एक मैच में खेल सकते है। इन दोनों मैचों के बीच सिर्फ 2 दिन का समय है ऐसे में इस बात की संभावना कम है कि वह दोनों मैचों का हिस्सा होंगे।

न्यूजीलैंड टेस्ट श्रृंखला 19 अक्टूबर से बेंगलुरु में शुरू होगी, उसके बाद पुणे (24 अक्टूबर) और मुंबई (एक नवंबर) में टेस्ट होंगे। ऑस्ट्रेलिया के मुश्किल दौरे पर जाने से पहले शमी के इनमें से एक मैच खेलने की उम्मीद है। भारत के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक 34 साल के शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले साल 19 नवंबर को अहमदाबाद में खेले गये एकदिवसीय विश्व कप फाइनल के बाद से टीम से बाहर है।

इस साल फरवरी में इंग्लैंड में उनके टखने की सर्जरी हुई थी जिसके बाद वह 6 महीने के लिए खेल से दूर हो गए थे। इंस्टाग्राम पर साझा कुछ वीडियो में शमी बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (ह्ष्ट) में अपने आरटीपी रूटीन (खेल में वापसी) में छोटे रनआप के साथ कम गति वाली गेंदबाजी करते देखे गए हैं। ऐसी खबरें थीं कि वह दलीप ट्रॉफी के लिए उपलब्ध हो सकते हैं।

यह पता चला है कि दलीप ट्रॉफी के दौरान उनके फिट होने की कोई संभावना नहीं थी और चयनकर्ता जल्दबाजी कर कोई जोखिम नहीं लेना चाहते हैं। भारतीय टीम प्रबंधन की प्राथमिकता देश के शीर्ष 3 तेज गेंदबाजों (जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज) को ऑस्ट्रेलिया में होने वाले 5 टेस्ट मैचों के लिए फिट रखना है। शमी ने अब तक 64 टेस्ट मैचों में 229 विकेट लिए है। उन्होंने इस दौरान छह बार पारी में 5 विकेट चटकाए है।

पाक सरकार पर भड़के पूर्व हॉकी खिलाड़ी

कराची ।पाकिस्तान के पूर्व ओलंपियन हॉकी खिलाड़ियों ने सरकार पर अपमान करने का आरोप लगाया है।इन हॉकी खिलाड़ियों ने कहा है कि ओलंपिक स्वर्ण विजेता अरशद नदीम के सम्मान में आयोजित रात्रिभोज समारोह को लेकर उन्हें जो निमंत्रण दिया गया था।उसे अंतिम समय में वापस ले लिया गया।पूर्व हॉकी खिलाड़ी नदीम काजिम ने कहा कि अतिथि प्रबंधन के नाम पर निमंत्रण पत्र पास लिए जाने से सभी पूर्व खिलाड़ी नाराज हैं।नाजिम ने कहा कि प्रधानमंत्री सचिवालय ने इस समारोह में शामिल होने के लिए हमें निमंत्रण के साथ ही एक ईमेल भी भेजा आ पर अंतिम समय में संदेश मिला कि मेहमानों की संख्या अधिक होने से हो रही परेशानी को देखते हुए आमंत्रण वापस ले लिया गया है।उन्होंने इसे दुखद बताते हुए कहा कि देश के लिए हॉकी में एक से अधिक ओलंपिक पदक जीतने वाले हॉकी खिलाड़ियों के साथ क्या आप इस तरह का व्यवहार किया जाना निराशाजनक है।सरकार को भूलना नहीं चाहिये कि उसे शुरुआत में हॉकी में ही पदक मिला था।पाकिस्तान की हॉकी टीम ने ओलंपिक में तीन स्वर्ण और एक कांस्य पद जीता है।उसे अंतिम बार लॉस एंजिल्स ओलंपिक में कांस्य पदक मिला था।

इगा स्वियातेक हारी, यानिक सिनर सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में

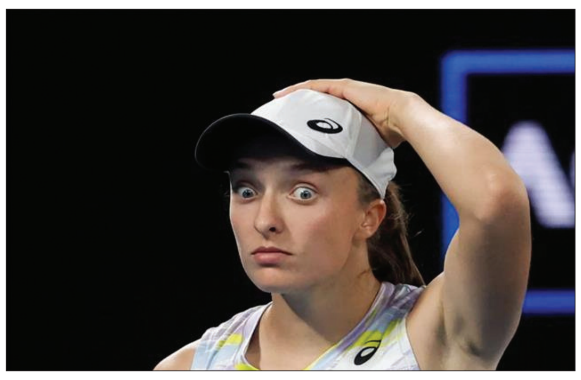

मेसन (अमेरिका)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में अलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराकर सिनसिनाटी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन महिला वर्ग में शीर्ष खिलाड़ी इगा स्वियातेक को आर्यना सबालेंका से हार का सामना करना पड़ा। सबालेंका फाइनल में अमेरिकी जेसिका पेगुला से भिड़ेंगी, जबकि सिनर का सामना फ्रांसिस टियाफो से होगा। इटली के खिलाड़ी सिनर ने तीन घंटे, सात मिनट तक चले मैच में 7-6(9) 5-7 7-6(4) से जीत दर्ज की। टियाफो ने एक अन्य सेमीफाइनल में होल्गर रूण को 4-6, 6-1, 7-6 (7-4) से पराजित किया। महिलाओं के सेमीफाइनल में सबालेंका ने स्वियातेक को 6-3 6-3 से हरा कर पहली बार सिनसिनाटी ओपन के फाइनल में जगह बनाई। इससे पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्वियातेक का पिछले 15 मैच से चला आ रहा विजय अभियान भी थम गया। छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने बारिश से प्रभावित दूसरे सेमीफाइनल में पाउला बडोसा को 6-2, 3-6, 6-3 से हराया।

चैंपियंस ट्रॉफी के मुकाबले नयी फ्लड लाइट में खेले जाएंग : पीसीबी

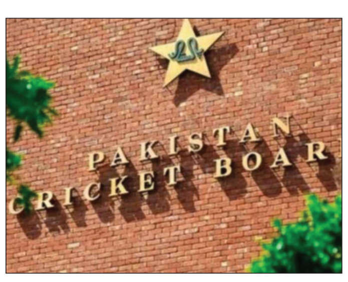

कराची ।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) आजकल चैंपियंस ट्रॉफी की तैयारियों में लगी है। इस आईसीसी टूर्नामेंट की सफल मेजबानी करने में कोई समस्या न आये इसको देखते हुए पीसीबी स्टेडियम में सुविधाएं बढ़ाने के साथ ही कराची और लाहौर के स्टेडियमों में नयी फ्लडलाइट लगाने जा रहा है। पीसीबी कराची और लाहौर में नए लाइट टावर लगाने के अलावा, व्यस्त घरेलू कार्यक्रम को देखते हुए क्वेटा, एबटाबाद, पेशावर जैसे छोटे स्थानों पर भी फ्लड लाइट लगायेगी। इसके अलावा पीसीबी ने कराची में पहले से लगी फ्लड लाइट को क्वेटा और लाहौर में लगी फ्लड लाइट को रावलपिंडी में लगाने का फैसला किया जिससे लागत कम होगी। वहीं कराची और लाहौर को नये लाइट टावर मिलेंगे। पीसीबी ने अगस्त 2024 और जुलाई 2025 तक के समय के लिए किराये के आधार पर लाइट टावर उपलब्ध कराने के लिए कंपनियों से निविदाएं मांगी हैं। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि इस सब में कितनी लागत आयेगी ये अभी से पक्के तौर पर नहीं कहा जा सकता। साथ ही कहा, ''इस प्रक्रिया से हम यह तय करना चाहते है कि घरेलू क्रिकेट के लिए छोटे स्थान भी लाइट टावरों से लैस हों। इसके तहत ही कराची, लाहौर और रावलपिंडी जैसे स्टेडियम जहां अधिकांश अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाते है वहां अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार टावर लगाए जाएंगे।'' पीसीबी ने कहा कि देश में बिजली की कमी को देखते हुए कराची, लाहौर, रावलपिंडी, मुल्तान सहित कई अन्य स्थलों पर जेनरेटर भी लगाये जाएंगे।

मुझे जो प्यार और इज्जत मिली वह 1000 ओलिम्पिक गोल्ड से अधिक है : विनेश फोगाट

नई दिल्ली (एजेंसी) । विनेश फोगाट का देश लौटने पर भव्य स्वागत हुआ। दिल्ली के हवाईअड्डे के बाहर सैकड़ों समर्थकों ने आकर एकजुटता दिखाई और पहलवान का हौसला बढ़ाया। विनेश को पैरिस ओलिम्पिक में 50 किग्रा वर्ग के फाइनल मुकाबले से पहले वजन ज्यादा होने के कारण अयोग्यता झेलनी पड़ी थी। बहरहाल, विनेश के स्वागत में बजरंग पुनिया, साक्षी मलिक के साथ कई नेता जुटे। भारी मालाएं पहने विनेश खुली जीप में खड़ी हुईं और सभी समर्थकों को धन्यवाद दिया। कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा विनेश के साथ गए और उन्हें मिठाई खिलाई। उन्होंने विनम्रता से हाथ जोड़कर कहा कि मैं समर्थन के लिए पूरे देश को धन्यवाद देती हूं।

विनेश के लिए राष्ट्रीय राजधानी में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था थी। विनेश का कारवां जब हरियाणा में उनके पैतृक गांव बलाली के लिए रवाना हुआ और रास्ते में वह विभिन्न स्थानों पर तैनात अपने समर्थकों से मिलीं। हुड्डा ने विनेश को %जीत का प्रतीक% गदा भेंट की, विनेश भावुक हो गईं और उनके पति सोमवीर ने उन्हें सांत्वना दी। इस दौरान हुड्डा ने विनेश के लिए एक्स पर लिखा- हमारी नजर में आप पहले भी विजेता रहे हैं और भविष्य में भी विजेता रहेंगे। आपके साहस, संघर्ष और दृढ़ संकल्प ने न केवल करोड़ों देशवासियों का दिल जीता है बल्कि आप देश के करोड़ों युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। बहरहाल, बलाली की ओर जाने से पहले विनेश ने दिल्ली के द्वारका में एक मंदिर में प्रार्थना भी की। फोगाट के काफिले के साथ कारों के काफिले में पहलवान की ताजा छपी तस्वीरें थीं, जिस पर कैप्शन लिखा था- माहरी छोरी, खरा सोना (मेरी बेटी, शुद्ध सोना)।

खेल पंचाट (सीएएस) में अपनी अयोग्यता को चुनौती देने और संयुक्त रजत की मांग करने के बाद विनेश पैरिस में ही रुक गई थीं। बुधवार को विनेश की अर्जी खारिज हो गई थी। साक्षी मलिक ने कहा, भले ही उसे पदक नहीं मिला हो, लेकिन वह हमारे लिए चैम्पियन है। वह इतने लंबे समय के बाद अपने देश वापस आई है। वह काफी इमोशनल भी हैं। वह परिवार के साथ समय बिताएंगी और खुद को शांत करेंगी। विनेश ने महिलाओं के लिए जो किया है वह सराहनीय है। विनेश के काफिले के दौरान हरियाणवी लोक संगीत चला जिसके साथ ÷संघर्ष÷ और ÷क्रांति÷ के नारे लगाए गए। रोड पर ट्रैफिक जाम हो गया वाहन चालक विनेश को देखने के लिए रुक गए थे। फोगट और पुनिया ने जोशीली भीड़ का सामना किया और बुजुर्ग उन्हें आशीर्वाद देने के लिए आगे आए। हर चौराहे पर फोगाट की एसयूवी को सेल्फी लेने वालों की भीड़ ने रोक लिया।

लंदन ओलिम्पिक के कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग, जोकि पैरिस में भारतीय दल के शेफ डी मिशन थे, ने पेरिस हवाई अड्डे पर विनेश के साथ एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उन्हें चैम्पियन कहा। नारंग ने एक्स पर लिखा- वह खेल गांव में पहले दिन एक चैम्पियन के रूप में आई थी और वह हमेशा हमारी चैम्पियन बनी रहेगी। कभी-कभी करोड़ों सपनों को प्रेरित करने के लिए किसी को ओलिम्पिक पदक की आवश्यकता नहीं होती...। विनेशफोगट आपने पीढ़ियों को प्रेरित किया है। आपके धैर्य को सलाम।

भाई हरविंदर फोगट ने कहा कि लोग हमारे गांव में उनके स्वागत का इंतजार कर रहे हैं। लोग विनेश से मिलने और उसे प्रोत्साहित करने के लिए उत्साहित हैं। इस ताकतवर पहलवान ने अपनी अयोग्यता के बाद अपनी पहली प्रतिक्रिया में शनिवार को कहा कि अलग-अलग परिस्थितियों÷ में वह खुद को 2032 तक प्रतिस्पर्धा में देख सकती हैं क्योंकि उनके पास अभी भी बहुत सारी कुश्ती बाकी है, लेकिन अब वह अपने भविष्य के बारे में अनिश्चित हैं। शायद फिर कभी वैसा न हो।

बता दें कि अयोग्य ठहराए जाने के बाद विनेश ने खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। सोशल मीडिया पर एक भावनात्मक पोस्ट में, विनेश ने अपने बचपन के सपने, अपने पिता को खोने के बाद झेली कठिनाइयों को साझा किया था। इस दौरान उन्होंने अपनी असाधारण यात्रा में लोगों द्वारा किए गए योगदान को भी चिन्हित किया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011